जनजाति गौरव दिवस पर राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा- हिंसा छोड़कर मुख्य धारा से जुड़ रहे नक्सली
- 6

आरबीआई गवर्नर मल्होत्रा बोले- केंद्रीय बैंक के पास विदेशी मुद्रा का अच्छा भंडार
- 6

जेसीएम न्यायसंगत जलवायु कार्रवाई के लिए बना सबसे महत्वपूर्ण साधन
- 7

गिल गुवाहाटी टेस्ट नहीं खेल पाएंगे पंत करेंगे कप्तानी
- 12

6th वार्षिकोत्सव विशेषांक
मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

अमृत विचार

लखनऊ

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष प्रतिपदा 02:47 उपरांत द्वितीया विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 21 नवंबर 2025, वर्ष 35, अंक 292, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

बिहार में 10वीं बार नीतीश सरकार

मुख्यमंत्री पद की ली शपथ, कैबिनेट में 26 मंत्री शामिल, इनमें से 3 महिलाएं

- मंत्रिमंडल में भाजपा के 14, जदयू के 8, लोजपा के 2 मंत्री शामिल
- शपथ में प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह भी रहे मौजूद

पटना, एजेंसी

पटना के गांधी मैदान में शपथ ग्रहण समारोह के दौरान गमछा लहराते हुए प्रधानमंत्री, साथ में हैं नवनियुक्त मुख्यमंत्री नीतीश कुमार।

जनता दल (यूनाइटेड) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार ने गुरुवार को एक भव्य समारोह में बिहार के मुख्यमंत्री पद की रिकॉर्ड 10वीं बार शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित कई गणमान्य नेता उपस्थित रहे।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा और हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी के प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान भी इस अवसर पर मौजूद थे। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने गांधी मैदान में आयोजित कार्यक्रम में कुमार और 26 सदस्यीय मंत्रिपरिषद को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। कुमार ने बुधवार को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देकर राज्यपाल से नयी सरकार बनाने का दावा पेश किया था।

मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, बिहार सरकार में मंत्रियों के रूप में शपथ लेने वाले सभी साथियों को हार्दिक बधाई। यह समर्पित नेताओं की शानदार टीम है, जो बिहार को नयी ऊंचाइयों पर ले जाएगी। सभी को मेरी शुभकामनाएं। समारोह के अंत में प्रधानमंत्री ने अपने चिरपरिचित अंदाज में 'गमछा' हवा में लहराकर उपस्थित जनसमूह का उत्साह बढ़ाया। शपथ ग्रहण समारोह के लिए गांधी मैदान में विशाल मंच तैयार किया गया था, जहां राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) शासित कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने भी शिरकत की।

इनमें आंध्र प्रदेश के एन चंद्रबाबू नायडू, उत्तर प्रदेश के योगी आदित्यनाथ, महाराष्ट्र के देवेंद्र फडणवीस, असम के हिमंत विश्व शर्मा और दिल्ली की रेखा गुप्ता शामिल थीं। शपथ लेने वालों में भाजपा विधायक दल के नेता सम्राट चौधरी और उपनेता विजय कुमार सिन्हा शामिल थे, जो पिछली राजग सरकार में उपमुख्यमंत्री थे। मंत्रिमंडल में कम से कम तीन मंत्री विधान परिषद के सदस्य हैं जिनमें जदयू के राष्ट्रीय महासचिव और मुख्यमंत्री के विश्वस्त अशोक चौधरी, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल और हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा के प्रमुख संतोष कुमार सुमन शामिल हैं। जमुई से लगातार दूसरी बार निर्वाचित पुरस्कार विजेता निशानेबाज श्रेयसी सिंह को पहली बार मंत्रिमंडल में जगह मिली है। मुजफ्फरपुर के पूर्व सांसद अजय निषाद की पत्नी और औराई से नवनिर्वाचित भाजपा विधायक रमा निषाद को भी मंत्रिपरिषद में शामिल किया गया है। जदयू के नौ बार के विधायक बिजेंद्र प्रसाद यादव भी एक बार फिर मंत्रिमंडल में लौटे हैं।

शपथ ग्रहण समारोह में मोदी का 'गमछा' लहराना बना आकर्षण

पटना। नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 'गमछा' लहराना भीड़ के आकर्षण का केंद्र रहा। जैसे ही प्रधानमंत्री मोदी ने गमछा लहराया, गांधी मैदान में मौजूद करीब तीन लाख लोगों की भीड़ में उत्साह का माहौल बन गया। कार्यक्रम में कलाकारों ने लोकगीतों और लोकनृत्यों की प्रस्तुति देकर मंच पर मौजूद प्रधानमंत्री मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और उप्र, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, असम, ओडिशा, हरियाणा और दिल्ली के मुख्यमंत्रियों का मन मोह लिया।

विधेयकों की स्वत: स्वीकृति की अनुमति नहीं देता संविधान

नई दिल्ली, एजेंसी

- शीर्ष कोर्ट ने कहा- राज्यपाल एवं राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए समय सीमा तय नहीं की जा सकती
- राज्यपाल अनुच्छेद 200 के तहत प्रदत्त अधिकारों से परे जाकर विधेयकों को लंबित नहीं रख सकते

उच्चतम न्यायालय ने गुरुवार को कहा कि निर्धारित समय सीमा की समाप्ति के बाद, विधेयकों पर राज्यपाल या राष्ट्रपति की 'स्वतः स्वीकृति' (डीम्ड एसेंट) कार्यपालिका के कार्यों को न्यायपालिका द्वारा अपने हाथों में लेने जैसा है, जो अस्वीकार्य है।

न्यायालय ने कहा कि अनुच्छेद 142 के तहत अधिकार क्षेत्र का प्रयोग करते हुए न्यायालय द्वारा लंबित विधेयकों पर स्वतः स्वीकृति की अवधारणा वस्तुतः एक अलग संवैधानिक प्राधिकार की भूमिका और कार्य को अपने हाथ में लेने की तरह है। इस संबंध में राष्ट्रपति द्वारा राय मांगे जाने पर प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने सर्वसम्मति से कहा कि अनुच्छेद 200 और 201 के संदर्भ में 'स्वतः स्वीकृति' की अवधारणा यह कहती है कि एक संवैधानिक प्राधिकार, यानी न्यायालय, किसी अन्य संवैधानिक पदाधिकारी, अर्थात राज्यपाल या राष्ट्रपति की भूमिका नहीं निभा सकता है। पीठ ने कहा, राज्यपाल के कार्य और इसी प्रकार राष्ट्रपति के कार्यों को इस तरह से हड़पना न केवल संविधान की भावना के प्रतिकूल है, बल्कि विशेष रूप से 'शक्तियों के पृथक्करण के सिद्धांत' के भी प्रतिकूल है - जो भारतीय संविधान के मूल ढांचे का एक हिस्सा है। न्यायालय ने कहा कि अनुच्छेद 142 पर निर्भरता संवैधानिक प्रावधानों का अतिक्रमण नहीं है। अनुच्छेद 142 शीर्ष अदालत को अपने समक्ष लंबित किसी भी मामले में पूर्ण न्याय करने के लिए आवश्यक कोई भी आदेश या डिग्री पारित करने का अधिकार देता है। पीठ ने कहा, हमें इस निष्कर्ष पर पहुंचने में कोई हिचकिचाहट नहीं है कि समय सीमा की समाप्ति पर अनुच्छेद 200 या 201 के तहत राज्यपाल या राष्ट्रपति की मंजूरी, न्यायिक घोषणा के माध्यम से कोर्ट द्वारा कार्यपालिका के कार्यों को अपने हाथ में लेने जैसा है, जो हमारे संविधान के तहत अस्वीकार्य है।

विधेयक रोक कर रखने की अनियंत्रित शक्तियां नहीं

एक महत्वपूर्ण फैसले में, शीर्ष अदालत ने कहा कि राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों को मंजूरी देने के लिए राज्यपालों और राष्ट्रपति पर कोई समय-सीमा नहीं थोपी जा सकती है, तथा राज्यपालों के पास उन विधेयकों को हमेशा के लिए रोक कर रखने की अनियंत्रित शक्तियां नहीं हैं। न्यायालय ने कहा कि राज्यपालों के पास केवल तीन विकल्प हैं - या तो वे विधेयक को मंजूरी दें या उसे राष्ट्रपति के पास भेजें या फिर मंजूरी रोककर अनुच्छेद 200 के तहत पुनर्विचार के लिए उसे विधानमंडल को वापस भेजें। पीठ ने यह भी कहा कि विधेयकों को मंजूरी देने, रोक कर रखने या सुरक्षित रखने के राज्यपालों और राष्ट्रपति के निर्णय न्यायिक समीक्षा के दायरे में नहीं आते हैं। हमें इस अदालत के बाध्यकारी निर्णयों का अनुसरण नहीं करने का कोई कारण नहीं मिलता है...हमारा मानना है कि अनुच्छेद 200 और 201 के तहत राज्यपाल या राष्ट्रपति के कार्यों पर अदालत विचार नहीं कर सकती।

ब्रीफ न्यूज

अनिल अंबानी की 1452 करोड़ की संपत्ति कुर्क

नई दिल्ली। ईडी ने गुरुवार को अनिल अंबानी के रिलायंस ग्रुप के खिलाफ धनशोधन मामले की जांच के तहत 1,452 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्तियां कुर्क कीं। एजेंसी ने पीएमएलए के तहत एक अस्थायी आदेश जारी किया, जिसके तहत मुंबई के धीरूभाई अंबानी नॉलेज सिटीऔर मिलेनियम बिजनेस पार्क, नवी मुंबई में स्थित कई इमारतों के साथ-साथ पुणे, चेन्नई और भुवनेश्वर में स्थित भूखंडों और इमारतों को कुर्क किया गया। एजेंसी ने बताया कि ये संपत्तियां 1,452 .51 करोड़ रुपये मूल्य की हैं और आरकॉम तथा कुछ अन्य कंपनियों की हैं।

सपा विधायक सुधाकर सिंह का निधन

लखनऊ। मऊ जिले की घोसी विधानसभा सीट से समाजवादी पार्टी के विधायक सुधाकर सिंह का गुरुवार सुबह लखनऊ के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। उनके परिवार ने यह जानकारी दी। वह 67 वर्ष के थे। सिंह के बेटे सुजीत सिंह ने बताया, वह (सुधाकर सिंह) मंगलवार को दिल्ली से विमान से वाराणसी आए थे। दिल्ली हवाई अड्डे पर वह ठीक थे लेकिन वाराणसी हवाई अड्डे पर उन्हें सांस लेने में दिक्कत हो रही थी। उन्हें वाराणसी में भर्ती कराया गया था और फिर बेहतर उपचार के लिए उन्हें लखनऊ ले जाया गया। पिता को देर रात लखनऊ के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां गुरुवार सुबह करीब सात बजे उनका निधन हो गया।

कमरे में अंगीठी जलाकर सोये चार दोस्तों की मौत

- ऑयल सीड्स कंपनी में काम करते थे, सुबह काम के लिए जगाने पर मौतों का पता चला
- कमरे में वेंटीलेशन न होने से दम घुटने से मौत होने की आशंका, फॉरेंसिक टीम ने की जांच

अमित बर्नवाल, राहुल सिंह, संजू सिंह, दाऊद अंसारी।

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार: पनकी औद्योगिक क्षेत्र डी-58 में निर्माणाधीन ऑयल सीड्स कंपनी में बुधवार रात कमरे में कोयले की अंगीठी जलाकर सोये चार दोस्तों की दम घुटने से नींद में ही मौत हो गई। सुबह मौत का पता चलने पर हड़कंप मच गया। दरवाजा तोड़कर शव बाहर निकाले गए।

पुलिस कमिश्नर, जेसीपी, फील्ड यूनिट और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। जांच-पड़ताल कर साक्ष्य एकत्र किए। चारों एक ही कमरे में सोये थे, जिसके एक कोने में अंगीठी में कोयला जलता मिला। फॉरेंसिक के अनुसार अंगीठी से निकली कार्बन मोनो ऑक्साइड गैस से दम घुटने की आशंका जताई जा रही है। सभी युवक एक ही गांव देवरिया के तवकलपुर के रहने वाले थे।

गोविंदनगर इलाके के रहने वाले वरुण कटारिया की पनकी इंडस्ट्रियल एरिया साइड दो स्थित डी-58 में निर्माणाधीन कटारिया एडिबल्स एलएलपी ऑयल सीड्स कंपनी है। जिसके निर्माण का जिम्मा इंदौर की आदित्य एंटरप्राइजेज कंपनी को सौंपा गया है। कंपनी में ज्यादातर फैब्रिकेटर (कुशल पेशेवर) देवरिया के रहने वाले हैं। जिसमें चारों दोस्त संजू सिंह (22), राहुल सिंह (23), अमित वर्मा (32) और दाऊद अंसारी (25) एक ही गांव देवरिया के तवकलपुर मुसहती तरकुलवा के थे। ये चारों एक कमरे में सोये थे। उनके तीन साथी दूसरे कमरे में सोये थे। गांव का ही नागेंद्र गुरुवार सुबह करीब छह बजे चारों को काम के लिए जगाने पहुंचा तब उसे घटना का पता चला। इस पर ठेकेदार के साथ पनकी पुलिस को सूचना दी गई। दरवाजा तोड़कर लोग अंदर पहुंचे तो चारों को मृत पाया।

उनके मुंह से सफेद झाग निकला था। सूचना पर पुलिस कमिश्नर रघुवीर लाल, जेसीपी लॉ एंड आर्डर आशुतोष कुमार और एसडीएम सदर, फील्ड यूनिट, पनकी का फोर्स और फॉरेंसिक टीम पहुंची।

विश्वस्तरीय होंगी जंबूरी की व्यवस्थाएं : मुख्यमंत्री

- डिफेंस एक्सपो ग्राउंड में 23 से 29 नवंबर तक आयोजन, प्रधानमंत्री मोदी करेंगे उद्घाटन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को वृंदावन कॉलोनी स्थित डिफेंस एक्सपो ग्राउंड में 23 से 29 नवंबर तक होने वाले 19वें भारत स्काउट्स एंड गाइड्स जंबूरी की तैयारियों का विस्तृत निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी व्यवस्थाएं विश्वस्तरीय हों, प्रतिभागियों की सुविधा में किसी प्रकार की कमी न रहे। इस कार्यक्रम का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और समापन राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू करेंगी।

61 साल बाद उत्तर प्रदेश इस प्रतिष्ठित डायमंड जुबिली जंबूरी की मेजबानी कर रहा है, जिसे लेकर सरकार किसी भी स्तर पर ढिलाई नहीं चाहती। करीब 300 एकड़ में तैयार किए जा रहे जंबूरी परिसर में 32 हजार स्काउट्स-गाइड्स, तीन हजार स्टाफ तथा नेपाल, श्रीलंका, भूटान और अफगानिस्तान सहित एशिया-प्रशांत क्षेत्र के देशों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। मुख्यमंत्री योगी ने गुरुवार सुबह कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। स्काई साइक्लिंग और जिपलाइन एडवेंचर की तैयारियों की सराहना की। निरीक्षण के दौरान जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह, स्काउट्स एंड गाइड्स के राज्य मुख्य आयुक्त प्रभात कुमार आदि मौजूद रहे।

डिफेंस एक्सपो ग्राउंड में राष्ट्रीय जंबूरी की तैयारी का निरीक्षण करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

ये की जा रही व्यवस्थाएं : प्रतिभागियों की सुविधा के लिए 16 जर्मन हैंगर, 600 वाटर टैंक, 30 आरओ प्लाइंट, 2,200 से अधिक शौचालय, 100 किचन और चार केंद्रीय रसोईघर स्थापित किए जा रहे हैं। सुरक्षा और अनुशासन के लिए 3,500 क्षमता वाला कॉन्फ्रेंस हॉल, अस्थायी पुलिस स्टेशन और 11 फायर टेंडर तैनात रहेंगे। विशाल प्रदर्शनी क्षेत्र इस आयोजन का प्रमुख आकर्षण होगा। जिसमें ओडीओपी, रोबोटिक्स, इलेक्ट्रॉनिक्स, नेडा का सोलर पवेलियन, प्लेनेटेरियम और एआई जोन शामिल हैं। वाराणसी और बुंदेलखंड की सांस्कृतिक झलक व व्यंजन प्रतिभागियों को 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की भावना से जोड़ेंगे।

अल-फलाह का पूर्व छात्र बेग देश में कर चुका कई धमाके

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली कार विस्फोट की जांच का दायरा बढ़ने के साथ दिल्ली पुलिस की विशेष शाखा को इंडियन मुजाहिदीन के भगोड़े आतंकवादी और अल फलाह विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र मिर्जा शादाब बेग के बारे में एक नया सुराग मिला है।

दिल्ली पुलिस की विशेष शाखा के सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि बेग 2007 में अल फलाह विश्वविद्यालय में छात्र था, जब यह एक इंजीनियरिंग कॉलेज हुआ करता था। उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ का मूल निवासी बेग 2008 में राजस्थान और गुजरात में किए गए कई विस्फोटों के लिए वांछित है। दिल्ली पुलिस की विशेष शाखा के दस्तावेजों के अनुसार बेग ने 2007 में अल फलाह से बीटेक की पढ़ाई पूरी की थी, उसी साल उसने गोरखपुर विस्फोट को अंजाम दिया था। सूत्र ने यह भी बताया कि बेग 2008 के हमलों के तुरंत बाद भारत से भाग गया था।

लुधियाना में दो आतंकियों का एनकाउंटर

लुधियाना, एजेंसी। जालंधर-पानीपत नेशनल हाईवे पर गुरुवार रात लाडोवाल टोल प्लाजा के निकट गांव बौंकड़ डोगरा में पुलिस ने मुठभेड़ के बाद आतंकी माड्यूल के दो आतंकियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस और आतंकियों के बीच काफी देर तक गोलबारी हुई। पुलिस की गोली लगने से दोनों आतंकी घायल हो गए। उनको अस्पताल ले जाया गया, जहां एक की हालत गंभीर है। आतंकियों के पास से पुलिस को दो हैंड ग्रेनेड, चार पिस्तौल और 50 कारतूस बरामद हुए हैं। लुधियाना पुलिस सूत्रों के अनुसार हमने पहले ही एक टेरर मॉडयूल का भंडाफोड़ किया और तीन लोगों को पकड़ा है। आज बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) संगठन के दो आतंकियों का इनपुट था, जो आईएसआई के इशारे पर काम कर रहे थे. हमने घेराबंदी की और मुठभेड़ में दोनों संदिग्ध गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। आतंकियों के पास से भारी मात्रा में असलहा मिले हैं।

भारत को एक्सकैलिबर प्रोजेक्टाइल और जेवलिन मिसाइल सिस्टम देगा अमेरिका

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

- टारगेट की गर्मी पहचानकर हमला करती है यह मिसाइल
- नौ करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक का हुआ सौदा

अमेरिका ने भारत के लिए 'एक्सकैलिबर प्रोजेक्टाइल', 'जेवलिन मिसाइल सिस्टम' और संबंधित उपकरणों की कुल नौ करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की बिक्री को मंजूरी दे दी है। अमेरिका ने भारत को हिंद-प्रशांत और दक्षिण एशिया क्षेत्रों में राजनीतिक स्थिरता एवं शांति के लिए एक महत्वपूर्ण शक्ति बताया है। अमेरिका ने यह भी कहा कि इस बिक्री से एक प्रमुख रक्षा साझेदार की सुरक्षा मजबूत होगी। यह मिसाइल टारगेट की गर्मी पहचानकर हमला करती है।

रक्षा सहयोग एजेंसी ने कहा कि विदेश मंत्रालय ने भारत को अनुमानित लागत चार करोड़ 71 लाख अमेरिकी डॉलर पर 'एक्सकैलिबर प्रोजेक्टाइल' और संबंधित उपकरणों की और अनुमानित लागत चार करोड़ 57 लाख अमेरिकी डॉलर पर 'जैवलिन मिसाइल सिस्टम' एवं संबंधित उपकरणों की संभावित विदेशी सैन्य बिक्री को मंजूरी देने का निर्णय लिया है। रक्षा सहयोग एजेंसी ने संसद को बिक्री की जानकारी देते हुए आवश्यक प्रमाणीकरण प्रदान किया। एजेंसी ने कहा, यह प्रस्तावित बिक्री अमेरिका-भारतीय सामरिक संबंधों को मजबूत करने और एक ऐसे प्रमुख रक्षा साझेदार की सुरक्षा में सुधार करने में मदद करके अमेरिका की विदेश नीति एवं राष्ट्रीय सुरक्षा उद्देश्यों का समर्थन करेगी जो हिंद-प्रशांत एवं दक्षिण एशिया क्षेत्रों में राजनीतिक स्थिरता, शांति और आर्थिक प्रगति के लिए एक महत्वपूर्ण शक्ति बना हुआ है। एजेंसी ने कहा, सटीक क्षमता वाले उपकरणों की उपलब्धता से वर्तमान और भविष्य के खतरों से निपटने की भारत की क्षमता में सुधार होगा।

चिंतनीय | देश में पिछले पांच साल में रोगियों की संख्या में हुई बढ़ोतरी, 2020 में जहां 18,05, 670 थी वहीं 2024 में 26,17, 923 हो गई

डेढ़ गुना बढ़े टीबी रोगी, 2025 तक था खत्म करने का लक्ष्य

नई दिल्ली, एजेंसी

- सूचना के अधिकार के तहत मांगी गई जानकारी में हुआ खुलासा

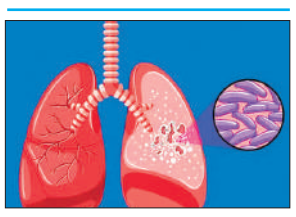

केंद्र सरकार ने साल 2025 तक तपेदिक (टीबी) रोग को खत्म करने का लक्ष्य रखा था लेकिन देश में पिछले पांच साल में इसके रोगियों की संख्या में डेढ़ गुना वृद्धि दर्ज की गयी है।

2020 में जहां टीबी रोगियों की संख्या 18,05, 670 थी वहीं 2024 में इस संक्रामक रोग का शिकार होने वाले मरीजों की संख्या बढ़कर 26,17, 923 हो गयी। सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत समाचार एजेंसी भाषा द्वारा दायर एक आवेदन के जवाब में भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के केंद्रीय क्षय रोग प्रभाग ने यह जानकारी उपलब्ध कराई है। टीबी एक संक्रामक बीमारी है, जो 'माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस' नाम के बैक्टीरिया के कारण होती है। यह रोग मुख्य रूप से रोगी के फेफड़ों को प्रभावित करता है लेकिन शरीर के अन्य अंग जैसे गुर्दे, मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी भी इसकी चपेट में आ सकते हैं। केंद्रीय क्षय रोग प्रभाग से मिली जानकारी के मुताबिक, टीबी के कुल मामलों की संख्या इस साल अक्टूबर तक 20,77,591 हो चुकी है। आरटीआई के मुताबिक, 2020 में टीबी के18,05,670, 2021 में 21,35,830, 2022 में 24,22,121, 2023 में 25,52,257 और 2024 में 26,17,923 मामले सामने आए थे।

ये आंकड़ें टीबी के मामलों में वृद्धि के परिचायक हैं। प्रति एक लाख आबादी पर टीबी के मामलों की दर की बात की जाए तो यह 2020 में 131, 2021 में 153, 2022 में 172, 2023 में 179, 2024 में 183 और 2025 में 195 पर पहुंच गई। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर स्थित 'पल्मनोलॉजी रीजेंसी हॉस्पिटल' के कंसल्टेंट डॉ. आमिर नदीम ने बताया, टीबी की अगर समय पर पहचान न हो और उपचार न मिले तो यह जानलेवा साबित हो सकता है। यह फेफड़ों के अलावा शरीर के अन्य अंगों को भी प्रभावित कर सकता है।

उत्तर प्रदेश टीबी से सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य

आरटीआई के तहत केंद्रीय क्षय रोग प्रभाग से मिली जानकारी के मुताबिक, उत्तर प्रदेश टीबी से सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य है, जहां जून 2025 तक 3,83,987 मामले सामने आ चुके हैं जबकि 2024 में यहां 6,81,779, 2023 में 6,32,872, 2022 में 5,22,850, 2021 में 4,53,712 और 2020 में 3,66,641 मामले सामने आए थे। आरटीआई से प्राप्त जानकारी के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में जून 2025 तक 62,342 मामले, सामने आ चुके हैं जबकि पिछले चार वर्ष में यह आंकड़ा एक लाख को पार कर गया था। दिल्ली में 2024 में 1,05,343, 2023 में 1,00,523, 2022 में 1,06,731, 2021 में 1,03,038 और 2020 में 86,842 मामले सामने आए थे। टीबी से सबसे कम प्रभावित राज्यों की गिनती में लक्षद्वीप सबसे आगे हैं, जहां जून 2025 तक सिर्फ नौ मामले सामने आए हैं।

अमृत विचार

लखनऊ, शुक्रवार, 21 नवंबर 2025 लखनऊ

उत्तराखण्ड शासन

उत्तराखण्ड 25 रजत जयंती वर्ष

देवभूमि रजत उत्सव

विकसित भारत सशक्त उत्तराखण्ड

"माननीय प्रधानमंत्री जी ने 21वीं सदी के तीसरे दशक को उत्तराखण्ड का दशक कहा है। हम प्रधानमंत्री जी के विजन के अनुरुप राज्य को हर क्षेत्र में आदर्श राज्य बनाने के लिये विकल्प रहित संकल्प के साथ काम कर रहे हैं।"

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड रजत जयंती उत्सव

"21वीं सदी के विकसित भारत के निर्माण के दो प्रमुख स्तंभ हैं। पहला, अपनी विरासत पर गर्व और दूसरा, विकास के लिए हर संभव प्रयास। आज उत्तराखण्ड, इन दोनों ही स्तंभों को लगातार मजबूत कर रहा है। ये दशक उत्तराखण्ड का दशक होगा।"

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

संकल्प
नये उत्तराखण्ड का

- समान नागरिक संहिता लागू करने वाला देश में प्रथम राज्य बना उत्तराखण्ड।
- राज्य में सशक्त भू कानून, सख्त धर्मान्तरण विरोधी कानून, सख्त नकल विरोधी कानून, एवं दंगारोधी कानून हुआ लागू।
- राज्य में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर समिट में ₹3.56 लाख करोड़ के एम.ओ.यू. हुए साईन। अब तक ₹01 लाख करोड़ से अधिक के निवेश की हो चुकी ग्राउंडिंग।
- राज्य के इतिहास में पहली बार पेश हुआ 1 लाख करोड़ से ज्यादा का बजट।
- शहीद सैनिकों के आश्रितों को मिलने वाली अनुग्रह राशि को 10 लाख से बढ़ाकर किया 50 लाख रुपए। परमवीर चक्र विजेताओं की अनुग्रह राशि 50 लाख से बढ़ाकर की गई डेढ़ करोड़।
- राज्य की अर्थव्यवस्था का आकार 26 गुना बढ़ा है। प्रति व्यक्ति आय 17 गुना बढ़ी है। राज्य गठन के समय वर्ष 2000 में अर्थव्यवस्था का आकार ₹14501 करोड़ था, जो 2024-25 में बढ़कर ₹378240 करोड़ रुपये होने का अनुमान है।
- केदारनाथ पुनर्निमाण और बदरीनाथ धाम में मास्टर प्लान के तहत कार्य गतिमान। बद्रीनाथ धाम को स्मार्ट आध्यात्मिक पहाड़ी कस्बे के रुप में विकसित करने हेतु ₹255.00 करोड़ की विकास योजनाओं का कार्य गतिमान।
- कुमाऊं क्षेत्र में मानसखण्ड मंदिर माला मिशन के अन्तर्गत 48 मन्दिरों को सर्किट के रुप में जोड़ने का कार्य गतिमान।
- दिल्ली - देहरादून के बीच एलिवेटेड रोड के बनने से 2 से 2.5 घंटे में सफर होगा पूरा।
- राज्य में ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन का कार्य तेज गति से गतिमान। अब तक 70 प्रतिशत कार्य हुआ पूर्ण।
- राज्य में स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिये ₹200 करोड के वेंचर फण्ड की स्थापना।
- वृद्धावस्था पेंशन को बढाकर ₹1500 किया गया है। अब दोनों बुजुर्ग दंपत्ति को मिल रहा वृद्धावस्था पेंशन का लाभ। वृद्धावस्था, विधवा, तथा दिव्यांग पेंशन का भुगतान 3 माह की जगह अब प्रत्येक माह होगा।
- वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम के अन्तर्गत सीमांत के 51 गांवों का चयन कर किया जा रहा सुनियोजित विकास।
- मुख्यमंत्री अंत्योदय निःशुल्क गैस रिफिल योजना के तहत राज्य के करीब पौने दो लाख गरीब परिवारों को साल में 3 सिलेंडर मुफ्त रिफिल।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी www.uttarainformation.gov.in uttarakhandDIPR DIPR_UK uttarakhand DIPR

न्यूज ब्रीफ

श्री गुरु तेग बहादुर के 350वीं शहीदी दिवस पर विशेष ट्रेनों का संचालन

नई दिल्ली, अमृत विचार। भारतीय रेल श्री गुरु तेग बहादुर सिखों के नौवें गुरु, तथा हिंद दी चादर की पावन शहादत को नमन करते हुए विशेष ट्रेनों की एक श्रृंखला चलाने जा रही है। यह सूचना देते हुए रेल एवं खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री रवनीत सिंह ने कहा कि गुरु तेग बहादुर जी की सर्वोच्च शहादत सत्य, न्याय और धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा का अमर संदेश है। भारतीय रेल इस पावन अवसर पर लाखों श्रद्धालुओं की यात्रा को सहज, सुरक्षित और सुगम बनाने के लिए कृतसंकल्पित है। श्री सिंह ने बताया कि भारतीय रेल आनन्दपुर साहिब और दिल्ली की ओर जाने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए दो विशेष ट्रेन सेवाओं का संचालन करेगी।

सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत

संतकबीरनगर। मेंहदावल थाना क्षेत्र के कांटी वार्ड निवासी युवक की मंगलवार देर शाम सड़क हादसे में मौत हो गई। वह अपनी सरहज को ले जाने के लिए ससुराल आया था। वापसी में उसकी बाइक मेंहदावल–बखिरा थाना की सीमा के बीच कुसम्हा गांव के पास तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आ गई। लखन गौड़ की बाइक पर साले का लड़का भी सवार था, जबकि सरहज दूसरी बाइक से लौट रही थी। लखन की मौत हो गई जबकि बच्चा सकुशल बच गया।

मान्यता प्राप्त पत्रकार समिति की हुई बैठक

कुशीनगर, अमृत विचार : जनपद के मान्यता प्राप्त पत्रकार समिति की बैठक गुरुवार को पडरौना स्थित एक होटल में संपन्न हुई। आयोजित बैठक की अध्यक्षता संगठन के अध्यक्ष एनएन शुक्ला व संचालन संजय चाणक्य ने की। पूर्व निर्धारित बैठक में पत्रकारो द्वारा विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा करते हुए कुल पांच प्रस्ताव रखे गये जिन्हे सर्वसम्मति से पारित किया गया। अध्यक्ष एसएन शुक्ला ने कहा कि इस संगठन की स्थापना का उद्देश्य पत्रकारो के हित को ध्यान में रखते हुए पत्रकारिता की गरिमा को बनाये रखना है।

पात्रों को दिलाएं योजनाओं का लाभ

केन्द्रीय प्रभारी अधिकारी अनीता सी. मेश्राम ने गांव में लगाई चौपाल

संवाददाता, सिद्धार्थनगर

ग्राम चौपाल में मौजूद केन्द्रीय प्रभारी अधिकारी अनीता सी. मेश्राम।

अमृत विचार। केन्द्रीय प्रभारी अधिकारी नीति आयोग/अपर सचिव उर्वरक विभाग, भारत सरकार अनीता सी. मेश्राम की अध्यक्षता में ग्राम चौपाल गांव की समस्या गांव में समाधान का कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह की उपस्थिति में कार्यक्रम का आयोजन विकास खण्ड उसका बाजार के अन्तर्गत ग्राम पंचायत भिटिया में हुआ।

चौपाल कार्यक्रम में अनीता सी. मेश्राम ने ग्रामीणों से योजनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। केन्द्रीय प्रभारी अधिकारी ने ग्रामीणों से पूछा कि राशन वितरण में किसी भी प्रकार की समस्या तो नहीं है। सीडीओ से कहा कि पात्र लाभार्थियों का सत्यापन कराकर पेंशन का लाभ दिया जाय। जिलाधिकारी ने ग्रामवासियों से पूछा कि गांव की कोई और समस्या हो तो बताए। केन्द्रीय प्रभारी अधिकारी ने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाएं। इसके किसी भी प्रकार की हीलाहवाली करने पर संबधित के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जायेगी। कहा कि सभी बिन्दुओं पर जो भी समस्याएं हों, उन्हें गम्भीरता से लेकर निस्तारण कराएं। निर्धारित समय में समस्त कार्यो को पूर्ण कराये।

सदर विधायक ने मेले का उद्घाटन किया

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। लोटन ब्लाक क्षेत्र के सिकरी बाजार में लगने वाले 6 दिवसीय भव्य वार्षिक मेले का उद्घाटन मुख्य अतिथि सदर विधायक श्यामधनी राही द्वारा फीता काटकर किया गया। विधायक ने कहा कि यह मेला न केवल हमारी सांस्कृतिक जड़ों को मजबूत करता है, बल्कि युवाओं में संस्कृति और परंपरा के प्रति सम्मान की भावना विकसित करता है। मेला आयोजन समिति के अध्यक्ष योगेन्द्र मौर्य उर्फ टाईगर हैं।

कर्म ही मनुष्य के सुख-दुख का कारण : साध्वी वैष्णवी

संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान की ओर से श्रीमद् भागवत कथा के साप्ताहिक ज्ञान यज्ञ के पांचवें दिन 20 नवंबर गुरुवार को बाबा की बगिया नियर टेम्पो स्टैंड राजाजीपुरम लखनऊ में श्रीमद् भागवत कथा के दौरान साध्वी वैष्णवी भारती ने भगवान कृष्ण की बाल लीलाओं का वर्णन किया।

उन्होंने कहा कि धर्म की स्थापना के लिए कान्हा गोपाल भी बने। गो सेवा, गो पूजन कर हमें गाय का माहात्म्य समझाया। महाभारत में दर्ज अनेकानेक उदाहरण हमें गो माता के सम्मान एवं रक्षण की प्रेरणा देते हैं। विष्णुधर्मोत्तर पुराणों में कहा गया कि गाय की सेवा से आप तैंतीस कोटि देवी-देवताओं को प्रसन्न कर सकते हैं। साध्वी वैष्णवी ने कहा कि गो माता के पंचगव्य की बात करें तो उसमें गोमूत्र वैदिक काल से हमारे लिए लाभप्रद माना गया है। 400 से अधिक रोगों का उपचार इसी से संभव है । प्राचीन भारत में किसान बीज भूमि में रोपित करने से पूर्व धरती पर गो मूत्र छिड़क कर उसे स्वच्छ बनाते। इसे गोमूत्र संस्कार कहा जाता था। गाय के दुग्ध को सात्त्विक, मेधाशक्ति बढ़ाने वाला, अनेक रोगों को समाप्त करने वाला कहा गया। गाय को मां उसकी आध्यात्मिकता एवं वैज्ञानिकता के कारण कहा गया। परंतु अवध्या कही जाने वाली मां को काटा क्यों जा रहा है? मंगलपांडे जैसे अनेकों वीरों ने अपने प्राणों की आहुति तक दे दी।

श्री राम मंदिर पर ध्वजारोहण के लिए अनुष्ठान शुरू

अयोध्या, अमृत विचार : श्री राम मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण के लिए गुरुवार को वैदिक मंत्रोच्चार के बीच अनुष्ठान शुरू हो गया। यह अनुष्ठान पांच दिन तक चलेगा। श्री राम मंदिर परिसर में प्रायश्चित कर्म पूजन के बाद सरयू तट से कलश यात्रा निकाली गई। अनुष्ठान के पहले दिन श्री राम जन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य और यजमान डॉ. अनिल मिश्र सपत्नीक प्रायश्चित कर्म पूजन किया। पूजन काशी के आचार्य गणेश्वर शास्त्री और आचार्य जयप्रकाश सहित अन्य वैदिक आचार्यों ने कराया। पूजन में ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, दिनेन्द्र दास, गोपाल जी राव विशेष रूप से शामिल है। इसके बाद से तट पर मां सरयू के साथ कलश पूजन किया गया।

2 से 5 दिसंबर तक गाड़ियों का संचालन रहेगा प्रभावित

गोरखपुर, अमृत विचार। पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल के गोंडा-बुढ़वल खंड पर घाघरा घाट-चौकाघाट-बुढ़वल स्टेशन के मध्य (11 किमी.) तीसरी लाइन निर्माण कार्य के लिए कमीशनिंग के लिये 02 से 5 दिसम्बर तक कार्य तथा रेल संरक्षा आयुक्त द्वारा निरीक्षण किया जायेगा। इस कार्य के पूरा हो जाने पर इन रेल खण्डों पर तीसरी लाइन की कमीशनिंग की जा सकेगी। इन कार्यों के लिए ब्लॉक लिए जाने के कारण गाड़ियों का निरस्तीकरण, मार्ग परिवर्तन, पुनर्निर्धारण एवं नियंत्रण किया जायेगा।

विशेष गाड़ी का संचालन 21 व 23 को

गोरखपुर, अमृत विचार। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा हेतु 04668/04667 अमृतसर–सहरसा–अमृतसर विशेष गाड़ी का संचलन अमृतसर से 21 नवम्बर को तथा सहरसा से 23 नवम्बर को एक फेरे के लिए किया जायेगा। इस गाड़ी में साधारण द्वितीय श्रेणी के 06, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 02, शयनयान श्रेणी के 08 तथा जी.एस.एल.आर. के 02 कोचों सहित कुल 18 कोच लगाये जायेंगे।

नियुक्ति अदालत-2025 का आयोजन 18 को

गोरखपुर, अमृत विचार। पूर्वोत्तर रेलवे पर अनुकम्पा के आधार पर नियुक्ति सम्बन्धित लम्बित परिवादों के त्वरित निस्तारण के लिए 18 दिसम्बर को 11 बजे मुख्यालय, मंडलों एवं कारखानों में अनुकम्पा आधार नियुक्ति अदालत–2025 का आयोजन किया जायेगा। आवेदनकर्ता अपना प्रतिवेदन निर्धारित प्रोफार्मा पर भरकर सभी संलग्न प्रपत्रों सहित सम्बन्धित मंडल/इकाई में 10 दिसम्बर, 2025 तक पूर्ण विवरण के साथ जमा कर दें। इसके बाद प्राप्त प्रतिवेदनों पर विचार नहीं किया जायेगा। यह जानकारी मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह ने दी।

33वें बेसिक शिक्षा बाल क्रीड़ा समारोह का हुआआयोजन

33वें बेसिक शिक्षा बाल क्रीड़ा समारोह का उद्घाटन करते सांसद जगदंबिका पाल।

सिद्धार्थनगर , अमृत विचार। 33वें बेसिक बाल क्रीड़ा एवं शैक्षिक समारोह का उद्घाटन सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल द्वारा जिला खेल स्टेडियम में किया गया। इस अवसर पर कम्पोजिट विद्यालय, करही खास, खुनियावं के छात्राओ द्वारा सरस्वती बंदना एवं पीएमश्री विद्यालय परसा खुर्द, उसका बाजार की छात्राओं द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रा0वि0 बरोंहिया खालसा, नौगढ़, प्रा0वि0रेहरा, नौगढ़ के बच्चों द्वारा प्रस्तुत किया गया। जय, विशाल, मोहिनी, रेशमी द्वारा मसाल लेकर स्टेडियम की परिक्रमा की गयी तथा सांसद द्वारा मशाल को जलाया गया। विभिन्न तहसीलो की टीम एवं स्काउट गाइड द्वारा परेड की गयी जिसकी सलामी मुख्य अतिथि द्वारा लिया गया। सभी को क्रीड़ा की शपथ दिलायी गयी। सांसद ने कहा कि सभी विकास खण्ड के बच्चों द्वारा 33वें बेसिक बाल क्रीड़ा एवं शैक्षिक समारोह में शामिल होकर जनपद का गौरव बढ़ायें है।

किशोरी से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

संतकबीरनगर, अमृत विचार। धनघटा थाना क्षेत्र में 14 वर्षीय किशोरी से पड़ोसी युवक ने घर में घुसकर जबरन दुष्कर्म किया। घटना के बाद आरोपी उसे जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गया। पीड़िता की मां की तहरीर पर बुधवार को पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर छानबीन में जुटी गई। वहीं, गुरुवार को पुलिस ने आरोपी युवक को नेतवापुर पंचायत भवन के पास से गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया है। पीड़ित महिला ने धनघटा पुलिस को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि 17 नवंबर की रात करीब 12 बजे उसकी बेटी अपने कमरे में अकेली सोई थी। इसी का फायदा उठाकर पड़ोसी युवक बलबीर घर में घुस आया और उसकी बेटी से जबरन दुष्कर्म किया। आरोपी युवक किसी से बताने पर बेटी को जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गया। आरोपी अपराधी प्रवृत्ति का है। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

एसआईआर अभियान को लेकर बैठक करते भाजपा पदाधिकारी। अमृत विचार

एसआईआर अभियान की समीक्षा कर शत् प्रतिशत तीव्र गति से कार्य कराने के दिए निर्देश

लखनऊ, अमृत विचार। राजाजीपुरम में मतदाता गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत पश्चिम विधानसभा कार्यालय में पश्चिम विधानसभा के संयोजक प्रकाश मिश्रा के साथ उपस्थित रहकर पश्चिम विधानसभा कार्यालय पर प्रत्येक मंडल स्तर पर मंडल के संयोजक एवं मॉनिटरिंग टीम द्वारा सभी शक्ति केंद्र के बूथों पर वार्ड अध्यक्ष, शक्ति केंद्र संयोजक, बीएलए–2, बीएलए –2 सहयोगी, बूथ प्रवासी से वार्ता कर (एसआईआर) अभियान की समीक्षा कर शत् प्रतिशत तीव्र गति से कार्य कराने के दिशा निर्देश दिए गए। इस अवसर पर सत्येंद्र सिंह, राजेश मिश्रा (राजन), अजय सोनी, अरविंद मिश्रा, जितेंद्र उपाध्याय, राहुल शुक्ला, नोटेश दीक्षित, अहिवरन, आलोक मिश्रा, राहुल दीक्षित, जगदीश जोशी, पवन द्विवेदी उपस्थित रहे।

26th International Conference of Chief Justices of the World

on Article 51 of the Constitution of India

Theme: A New Look at the United Nations and its Charter

19–24 November, 2025 | New Delhi & Lucknow

CMS CITY MONTESSORI SCHOOL

Meet the Visionaries

Honourable Chief Justices, Judges, Heads of States and Thought Leaders from 52 countries converge at this conference to deliberate, inspire, and commit to upholding the ideals enshrined in Article 51 of the Constitution of India. The conference advocates building a climate of opinion supporting stronger global governance architectures and enforceable international law to reduce conflicts and build a safer future for the children. A single principle unites humanity: **Vasudhaiva Kutumbakam.**

Rajnath Singh, Hon'ble Defence Minister of India

Yogi Adityanath, Hon'ble Chief Minister of Uttar Pradesh

Om Birla, Hon'ble Speaker of the Lok Sabha

Dr Jitendra Singh, Hon'ble Minister for Science & Technology

Shobha Karandlaje, Hon'ble Minister of State for Labour & MSME

Brajesh Pathak, Hon'ble Dy Chief Minister Uttar Pradesh

Sudhanshu Trivedi, Hon'ble Member of Rajya Sabha

H.E. Mr Stjepan Mesic, Former President of the Republic of Croatia

H.E. Dr Pakalitha Bethuel Mosisili, Former Prime Minister of Kingdom of Lesotho

Mr Osbert R. Frederick, Speaker of the Parliament of Antigua and Barbuda

Dr Augusto Lopez - Claros, President, Global Governance Forum, Spain

Mamadou Batia Diallo, President, Constitutional Council, Mauritania

Mederbek Satyev, Chairman, Supreme Court, Kyrgyz Republic

Danielle Forrest, Judge, Ninth Circuit Court of Appeals, USA

Rosa Maria Acon Ng, Judge, Criminal Court of Appeal, Supreme Court, Costa Rica

Gaolapelwe Gee Ketlogetswe, Chief Justice, High Court, Botswana

Dr Benjamin Baak Deng, Chief Justice, Supreme Court, South Sudan

Bheki Maphalala, Chief Justice, The Superior Court of Judicature, Kingdom of Eswatini

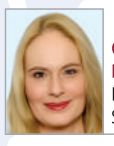
Goda Ambrasaite Balyniene, Balyniene, Judge, Supreme Court, Lithuania

Rizine Robert Mzikamanda, Chief Justice, Supreme Court, Malawi

Sir Gibuma Gibbs Salika, Chief Justice, Supreme Court, Papua New Guinea

Efigenia Lima Clemente, Chief Justice, Supreme Court, Angola

Dr Dr h.c. Adel Omar Sherif, First Deputy Chief Justice, Supreme Constitutional Court, Egypt

Joao Antonio Da Assuncao Baptista Beirao, Deputy Chief Justice, Supreme Court, Mozambique

Michael Musonda, Deputy Chief Justice, Supreme Court, Zambia

Dr Josefa Vicenta Izaga Pellegrin, Superior Judge, Superior Court of Peru

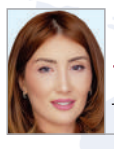
Tamar Oqropiridze, Judge, Supreme Court Georgia

Ricardo Li Rosi, Judge, National Civil Court of Appeals and Director General of AIEJ, Argentina

Mirzozoda Rustam, Chairman, Supreme Court, Tajikistan

Mazobe Dit Jean Konde, President, Court of Cassation, Burkina Faso

Simativa Perese, Chief Justice, Supreme Court, Samoa

Claudia Valeria Bastos Fernandes, Federal Judge, Federal Court of Rio de Janeiro e Espírito Santo, Brazil

Ms Areti Sianni, (From Greece) Chief of Mission, UNHCR, India

Dr Joshua Lincoln, Senior Fellow, Centre for the International Law and Governance, Tufts University, USA

and 132 others

From 2001 to 2024:

1520 Chief Justices, Judges, Heads of States Attended

142 Countries Represented

2 Lac Students Engaged

ICCJW Themes:

- The State of Global Governance and the Role of International Law
- Multilateralism and the Role of Middle Powers
- Combating Grand Corruption and Cybercrime
- Legal Frameworks for Climate and Health Crises
- Judicial Cooperation and International Dispute Resolution
- Frameworks for Protection of the Global Commons & Outer Space

For Details & Updates Scan QR Code

Organised by City Montessori School, Lucknow

INSPIRATION

Late Dr Jagdish Gandhi

Founder Convenor of the Conference & Founder, CMS

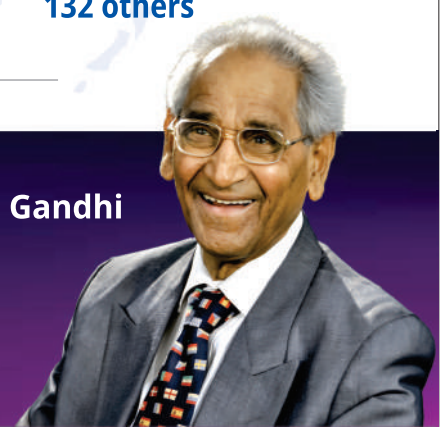

लापता युवक का शव खेत में मिला, हत्या की आशंका

- पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हैंगिंग आया, गुत्थी उलझी

संवाददाता, गोसाईंगंज

अमृत विचार : थाना क्षेत्र के सुरियामऊ गांव में गुरुवार सुबह पूर्व प्रधान के बड़े बेटे राज प्रताप सिंह उर्फ बाबू सिंह (23) का शव उनके खेत में पड़ा मिला। युवक दो दिन से लापता था। नाक से खून निकल रहा था। गले व शरीर के अन्य हिस्सों पर भी चोटों के निशान थे। परिजन ने गला दबाकर हत्या किए जाने की आशंका व्यक्त की है। इंस्पेक्टर गोसाईंगंज बृजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। इंस्पेक्टर ने बताया कि अभी तक परिजन या किसी अन्य की तरफ से कोई तहरीर नहीं दी गई है।

सुरियामऊ निवासी पिता योगेश सिंह उर्फ बब्लू सिंह ने बताया कि उनका बेटा राज प्रताप सिंह 18 नवंबर की शाम को घर से निकला था।

राज प्रताप सिंह

वहीं डीसीपी साउथ निपुण अग्रवाल ने बताया कि राज प्रताप सिंह की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हैंगिंग आया है। विसरा जांच के लिए सुरक्षित रखा है। इस मामले में हैंगिंग आने से गुत्थी और उलझ गई है। सवाल यह है कि शव कहां लटका था। किसने शव को फंदे से उतार कर खेत में ले जाकर फेंका। पुलिस इस मामले में राज प्रताप के एक दोस्त से पूछताछ कर रही है।

राज के खिलाफ दर्ज हैं कई मामले : पुलिस ने बताया कि राज प्रताप सिंह के खिलाफ चोरी, लूट समेत अन्य आरोपों में गोसाईंगंज व अन्य थानों में कई मामले दर्ज हैं।

विधायक ने दिया धरना

दरोगा लाइन हाजिर

बाइक चालान व चोरी मामले में मांगी थी रिश्वत

बख्शी का तालाब थाने में धरना देते विधायक योगेश शुक्ला, साथ में अन्य।

संवाददाता, बख्शी का तालाब

अमृत विचार : महिगवां के हनुमंतपुर के प्रधान की बाइक का चालान होने के बाद उसके कागज भेजने और चोरी हुआ मोबाइल बरामद करने के नाम पर दरोगा व सिपाही द्वारा रिश्वत मांगने का मामला सामने आया। इसकी जानकारी पर बीकेटी के विधायक योगेश शुक्ला नाराज हो गए और थाने में धरने पर बैठ गए। घटना की जानकारी होने पर डीसीपी उत्तरी ने तत्काल दरोगा और सिपाही को लाइन हाजिर कर दिया।

हनुमंतपुर के प्रधान शंकर लाल सिंह चौहान के अनुसार उनका भतीजा अजय सिंह चौहान बाइक लेकर कुम्हरावा गया था, जिसका चालान एसआई धीरेंद्र राय ने किया था। कई दिन बीतने पर भी बाइक का कागज नहीं भेजा गया और दरोगा पैसे की मांग करने लगा। इसी तरह पहाड़पुर निवासी गनेश ने बताया कि उनका मोबाइल चोरी हो गया था। 11 नवंबर को उन्होंने ऑनलाइन एफआईआर दर्ज कराई थी। 17 नवंबर को उनके पास कॉल आई और पैसे मांगे गए।

पीड़ितों ने इसकी जानकारी स्थानीय विधायक योगेश शुक्ला को दी। इसके बाद विधायक कार्यकर्ताओं संग थाने पहुंचे और धरने पर बैठ गए। जानकारी पर डीसीपी उत्तरी गोपाल चौधरी ने इंस्पेक्टर महिगवां से रिपोर्ट मांगी। इंस्पेक्टर राम कुमार गुप्ता ने डीसीपी को पूरा विवरण दिया, जिसके बाद दोनों पुलिसकर्मियों को लाइन हाजिर कर दिया गया। धरने पर विधायक के साथ जिला किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष अतुल मिश्रा, नगर पंचायत अध्यक्ष इटौंजा अवधेश कुमार अवस्थी, प्रधानी प्रतिनिधि इंदारा अमित गुप्ता सहित कई लोग मौजूद रहे।

हादसे में बाइक सवार की मौत, दो घायल

संवाददाता, काकोरी

अमृत विचार : काकोरी के गोलाकुआं बेहता नाला के पास तेज रफ्तार बाइक सामने चल रहे व्यक्ति से टकरा गई। हादसे में बाइक सवार अनुज यादव (26) की मौत हो गई। वहीं उसके साथ बैठा युवक और एक अन्य राहगीर गंभीर रूप से घायल हो गए। तीनों को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने अनुज को मृत घोषित कर दिया। दोनों घायलों को ट्रामा सेंटर रेफर किया गया है।

इंस्पेक्टर काकोरी सतीश राठौर के अनुसार, गुरुवार दोपहर गोलाकुआं गांव स्थित बेहता नाले के पास तेज रफ्तार बाइक के सामने बकरी मोहल्ला निवासी जगदीश आ गए। टक्कर में ठाकुरगंज के लालबाग रमना निवासी, मूल रूप से उन्नाव के हसनगंज स्थित हरौनी के रहने वाले अनुज यादव और संडीला के रसूलपुर निवासी गंगाराम घायल हो गए। पुलिस ने तीनों को काकोरी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया, जहां अनुज की मौत हो गई। गंगाराम और जगदीश को ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया। इंस्पेक्टर ने बताया कि बाइक सवार दूसरे युवक की हालत गंभीर है और मामले की जांच की जा रही है।

महिला पर कुल्हाड़ी से हमला

अमृत विचार, काकोरी : थाना क्षेत्र के बड़ागांव में गुरुवार को हरे पेड़ों की अवैध कटान के दौरान धान के खेत में गिर रही शाखाओं को देख महिला ने विरोध किया। इसपर दबंग भाइयों ने महिला पर कुल्हाड़ी से सिर पर हमला कर दिया। जिससे महिला गंभीर रूप से घायल हो गयी। घायल महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बड़ागांव निवासी रामकली ने बताया कि गुरुवार को विजय, संजय, लालजी ने दौड़ाकर कुल्हाड़ी से जानलेवा हमला कर दिया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

काकोरी की टीम ओवरऑल चैंपियन

अमृत विचार : परिषदीय विद्यालयों की जिला वार्षिक बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता में काकोरी ब्लॉक 123 अंकों के साथ ओवरऑल चैंपियन बना। गोसाईंगंज ब्लॉक की टीम उपविजेता रही। डायट के उप प्राचार्य राम प्रवेश ने खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–टेंडरिंग निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये प्रमुख मुख्य विद्युत अभियंता/पूर्वोत्तर रेलवे गोरखपुर निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (ई–टेन्डरिंग) के माध्यम से ''खुली'' निविदा आमंत्रित करते है। **कार्य का नाम:** इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी) मोड पर विद्युत कर्षण बिजली आपूर्ति प्रतिष्ठानों की क्षमता उन्नयन कार्य के लिए पूर्वोतर रेलवे के वाराणसी मंडल के वाराणसी–प्रयागराज खंड में 2X25 केवी एटी कर्षण फीडिंग सिस्टम के लिए संबद्ध स्विचिंग पोस्ट के साथ कर्षण उप स्टेशनों का डिजाइन, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग । **ई–निविदा सूचना सं०:** EPC-PSI-BSB-PRYJ_NER, **अनुमानित लागत (रु):** 1154267216.00, **बिड सिक्योरिटी (अमानत राशि) (रु):** 5771500.00, **निविदा बन्द होने की तिथि:** 21.01.2026, **स्वीकृत पत्र जारी होने के सयम से कार्य समापन/अवधि की तिथि:** 730 दिन, • पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेब साइट **www.ireps.gov.in** पर देखें। • यदि निविदा सूचना में हिन्दी एवं अंगेजी में अंतर होता है तो निविदा सूचना में अंगेजी संस्करण ही मान्य होगा।

मुख्य विद्युत अभियंता/प्रोजेक्ट
मुजाधि/विद्युत–191 लखनऊ

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

लखनऊ नगर निगम, लखनऊ

त्रिलोक नाथ मार्ग, लालबाग लखनऊ, लखनऊ - 226001 (उ०प्र०)
ई-मेल nnlko@up.nic.in website : https://etender.up.nic.in

ई–निविदा सू०सं०: 2046/P/उद्यान | दिनांक: 20.11.2025

ई-निविदा प्रणाली के अन्तर्गत अल्पकालिक निविदा सूचना

ई–निविदा प्रणाली के अन्तर्गत लखनऊ नगर निगम द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु दिनांक 20/11/2025 को ई–निविदायें, ई–निविदा पोर्टल https://etender.up.nic.in पर आमंत्रित की जाती है, पोर्टल https://etender.up.nic.in पर निविदा के साथ जमानत धनराशि एवं निविदा प्रपत्र की धनराशि आर०टी०जी०एस०/एन०ई०एफ०टी०/इण्टरनेट बैंकिंग के माध्यम से पोर्टल https://induscollect.indusind.com/pay/index.php पर लॉगिन करके जमा किया जायेगा। ई–निविदा दिनांक 20/11/2025 को अपराह्न 3:00 बजे तक ई–निविदा पोर्टल पर प्राप्त की जायेगी जिन्हें उसी दिन अपराह्न 4:00 बजे निविदा समिति के समक्ष खोला जायेगा। किसी भी ई – निविदा को स्वीकार एवं अस्वीकार करने का अधिकार सक्षम अधिकारी में निहित होगा। अन्य समस्त नियम/शर्तें तथा कार्य का नाम, आगणन धनराशि, निविदा प्रपत्र की धनराशि एवं जमानत धनराशि तथा निविदा प्रपत्र की सूचनायें पोर्टल https://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

अधीक्षक उद्यान
नगर निगम लखनऊ

अमृत विचार क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मैंने अपना नाम बलविन्दर सिंह सचदेवा से बदलकर बलविन्दर सिंह रख लिया है आज से मुझे नए नाम से जाना व पहचाना जाए। पता : नई बस्ती, लखीमपुर

सूचना

मैंने अपने पुत्र रविन्द्रर सिंह को इनके गलत आचरण के कारण अपनी समस्त चल – अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में इनके द्वारा किये किसी भी कृत्य की मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी – **गुरुदीप कौर पत्नी स्व. जगजीत पाल सिंह नि– म. नं. 112 दुर्गापुरी कालोनी, फ़ैज़ुल्ला गंज, लखनऊ**

सूचना

मैंने अपना नाम SHABIL AHMAD से बदल कर SABEEL AHMAD रख लिया है। अब मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। S/O: ABDUL RAUF R/O:551K/405, NIKAT DIXIT ATA CHAKKI AZAD NAGAR ALAMBAG LUCKNOW UTTAR PRADESH 226005

सूचना

मैंने अपना नाम MUKESH KUMAR KHARWAR से बदल कर MUKESH KHARAVAR रख लिया है। अब मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। S/O: NARAYAN KHARWAR R/O:90 BHARVALIYA NAIKA CHHAPRA KASYA KUSHINAGAR UTTAR PRADESH 274206

सूचना

मेरा पासपोर्ट पर नाम AQILA BEGUM है जो कि गलत छप गया है जबकि मेरा सही नाम AQLA BEGAM है जो कि मेरे सभी अभिलेख में दर्ज है इसी नाम से जाना जाये। **आकला बेगम पत्नी फ़करे आलम वारसी 126/B आस्ताना रोड चौधरियान कस्बा देवा बाराबंकी**

NOTICE

SIDDH GOPAL s/o SHIVDAYAL R/o Sikandarpura, Rath, Hamirpur, Uttar Pradesh. 210431. Have changed the name of my minor son Anshu Aged 6 yeres and he shall here after be known as Ansh Singh.

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं **विनोद कुमार यादव पुत्र स्व. सदाशिव यादव ग्राम पूरे दुर्जन भैरोंपुर मजरे रघुनाथपुर कटैली थाना भदोखर तहसील सदर ज़िला रायबरेली** का निवासी हूँ। मेरा पुत्र ऋषि यादव एक्सीलेंट पब्लिक स्कूल अनुरुद्धपुर में कक्षा 8 में अध्ययनरत है। मेरे पुत्र की जन्मतिथि विद्यालय के अभिलेखों में त्रुटिवश 23/12/2011 अंकित हो गई है जबकि जन्म प्रमाण पत्र और आधार पर जन्मतिथि 23/12/2012 दर्ज है जो वास्तविक रूप से सही है और उसे ही माना जाए।

सूचना

सूचित हो कि मेरे पासपोर्ट जिसका नं0 एल0 2763898 में मेरा नाम त्रुटिवश शमीमा खातून दर्ज हो गया है। जबकि मेरे समस्त कागजातों में मेरा नाम सैय्यदा शमीमा खातून है। उपरोक्त दोनों नाम मेरे ही हैं और मुझे दोनों नामों से जाना पहचाना जाता है। **सैय्यदा शमीमा खातून पत्नी सैय्यद सफीर अशरफ निवासी– 160 आजाद नगर अशरफपुर किछौछा तहसील टांडा, जिला अम्बेडकर नगर।**

सूचना

सूचित हो मेरी पुत्री **मनीषा** 16.05.2025 को घर से बिना बताये विकास कश्यप पुत्र विनोद कुमार निवासी– शिवलर, पो0 व थाना गोसाईंगंज, लखनऊ के साथ कहीं चली गई है और तब से घर वापस नहीं आई है। मैं अपनी पुत्री मनीषा से अब कोई भी सम्बन्ध नहीं रखना चाहता हूं और उसको अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। मनीषा व विकास कश्यप और उसके घर वाले मुझे धमकाते हैं यदि मेरी शिकायत पुलिस आदि में करोगे तो हम तुम लोगों को जान से मार देंगे। मनीषा द्वारा किये गये किसी भी अनैतिक चाल–चलन, कार्य या लेन–देन के लिए मैं भविष्य में जिम्मेदार नहीं होऊंगा, वह अपने कृत्य के लिए स्वयं जिम्मेदार होगी। **—मनोज कुमार पुत्र श्री मेवा लाल** निवासी–कंजेहरा, पो0 हसनपुर खेवली, थाना सुशान्त गोल्फ सिटी, सुल्तानपुर रोड, जिला लखनऊ

सूचना

सूचित हो मेरा कनिष्ठ पुत्र **शिवांश दुबे** शराब पीने का आदी है और रोज शराब पीकर गाली गलौज व झगड़ा करता रहता है और धमकाता है कि यदि मेरी शिकायत पुलिस आदि में करोगे तो मैं तुम लोगों को जान से मार दूंगा। मैं व मेरे परिवार वालों के साथ कोई हादसा शिवांश दुबे कारित कर सकता है। मैं अपने पुत्र शिवांश दुबे से कोई भी सम्बन्ध नहीं रखना चाहता हूं और उसको अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। शिवांश दुबे द्वारा किये गये किसी भी अनैतिक कार्य या लेन–देन के लिए अब मैं जिम्मेदार नहीं होऊंगा, वह अपने कृत्य के लिए स्वयं जिम्मेदार होगा। **—राजपाल दुबे पुत्र स्व0 रामनरेश दुबे** निवासी– सरसवां, पो0 अर्जुनगंज, सुल्तानपुर रोड, जिला लखनऊ

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड–गोण्डा

ई–प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना नोटिस

पत्रांक 724/ग्रा0अ0वि0/ई–निविदा/निर्माण/2025–26 | दिनांक 10.11.2025

महामहिम श्री राज्यपाल उत्तर प्रदेश की ओर से अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग प्रखण्ड–गोण्डा के द्वारा ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग उ0प्र0 में ए,बी,सी, एवं डी श्रेणी में कार्य की लागत के सीमा के अनुरूप पंजीकृत निविदादाताओं से ई–टेन्डरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर के आधार पर नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदादाता किसी एक कार्य अथवा सभी कार्यो के लिए निविदा दे सकता है।

1– कार्य से सम्बन्धित विवरण निम्नलिखित है।

क्र0 सं0	जनपद	कार्य का नाम	अनुमानित लागत लाख रू0 में (जीएसटी छोडकर)	बिड सिक्योरिटी लाख में	निविदा प्रपत्र का मूल्य जी0एस0टी सहित	कार्य पूर्ण करने की अवधि(वर्षा ऋतु सहित)
1	2	3	4	5	6	7
		वित्तीय वर्ष 2025–26 जिला ग्राम्य विकास संस्थान, गोण्डा।				
01	गोण्डा	जिला ग्राम्य विकास संस्थान गोण्डा पर छात्रावास एवं गोष्ठी कक्षों में टाइल्स कार्य।	6.18	0.13	150+300+GST	चार माह

2. वेबसाइट पर बिड डाक्यूमेंट की उपलब्धता 01.12.2025 से 09.12.2025 तक।
3. ई–निविदा प्राप्ति के लिए अंतिम तिथि/समय–09.12.2025 को दोपहर 12.00 बजे तक ।
4. ई–निविदा के माध्यम से निविदा खोलने की तिथि एवं समय–09.12.2025 को अपरान्हन् 12.30 बजे।
5. निविदा आमत्रणकर्ता को आई0टी0बी0 के क्लास के अनुसार परिशिष्ट/शुद्धि पत्र जारी करने का अधिकार है जो किसी भी समाचार पत्र में प्रकाशित नही किया जायेगा सभी निविदादाताओं को सलाह दी जाती है कि वह नियमित रूप से ई–निविदा पोर्टल पर निगरानी रखें।
6. अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट https://etender.up.nic.in पर लागिंन करें तथा डाक्यूमेंट को लोड करें।

अधिशासी अभियन्ता
ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग
प्रखण्ड–गोण्डा

UP-240783 दिनांक 18.11.2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, सुलतानपुर

पत्रांकः समग्र शिक्षा/के0जी0बी0वी0/29406–16 /2025–26 दिनांकः 20/11/2025

विज्ञप्ति

उ0प्र0 शासन के पत्र संख्या–1553/ 68–5–2020 बेसिक शिक्षा अनुभाग– लखनऊ दिनांकः 11.12.2020, महानिदेशक, स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक कार्यालय, समग्र शिक्षा, उ0प्र0, लखनऊ के पत्रांकः के0जी0बी0वी0/शिक्षक/8362/2020–21 दिनांकः 04.01.2021 एवं महानिदेशक, स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक कार्यालय, समग्र शिक्षा, उ0प्र0, लखनऊ के पत्रांकः के0जी0बी0वी0/11308/2022–23 दिनांकः 14.02.2023 शासनादेश संख्या–2805/68–5– 2023–02/2020 दिनांकः 01 फरवरी, 2023 एवं शासनादेश संख्या– I/570148/2024 File No- 68–5099/23/2024–5 () दिनांक 28–05–2024 तथा शासनादेश संख्या– I/775757/2024 File No.68–5099/23/2024–अनुभाग–5 दिनांक 21–10–2024 एवं तत्क्रम में राज्य परियोजना कार्यालय के पत्रांक के0जी0बी0वी0/1837/2024–25 दिनांक 30–05–2024 तथा पत्रांकः के0जी0बी0वी0/7114/2024–25 दिनांक 28.10.2024 के अनुपालन एवं जिलाधिकारी महोदय की अनुमति दिनांक 06.11.2025 के क्रम में जनपद सुलतानपुर में संचालित कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालयों/उच्चीकृत कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालयों (कक्षा 6 से 12) में शैक्षिक व गैर शौक्षिक कर्मचारियों के रिक्त पदों पर संविदा के आधार पर आगामी सत्र हेतु (11 माह 29 दिन) शैक्षिक व गैर शैक्षिक पदों पर उल्लिखित विवरण के अनुसार केवल महिला योग्यताधारी अभ्यर्थियों के आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है। पूर्णरूप से भरे हुए आवेदन पत्र दिनांक 10, दिसम्बर, 2025 तक पंजीकृत डाक/स्पीड पोस्ट द्वारा कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, विवेक नगर सुलतानपुर पिन कोड 228001 सायं 05 बजे तक प्राप्त किये जायेगें। रिक्त पदों की संख्या घट/बढ़ सकती है।

(1) **रिक्त पदों का विवरण (कक्षा–06 से 08) निम्नवत् है:–(समस्त पद महिला अभ्यर्थी हेतु आरक्षित)**

क्र0 सं0	पदनाम	आयु सीमा (आयु की गणना 01 अप्रैल, 2025 से की जायेगी)	पदों की संख्या	अनुसूचित जाति	अन्य पिछडा वर्ग	ई0डब्ल्यू0 एस0	अनारक्षित	पी0ए0बी0 द्वारा स्वीकृत नियत मानदेय प्रतिमाह(ई0पी0एफ0 सहित)
1	पूर्ण कालिक शिक्षिका (गणित)	25 से 45 वर्ष तक	02	01	-	-	01	25,410/-
2	पूर्ण कालिक शिक्षिका (हिन्दी/संस्कृत)		01	01	-	-	-	25,410/-
3	अंशकालिक शिक्षिका (कम्प्यूटर शिक्षा)		03	01	-	01	01	12,790/-
4	लेखाकार		03	01	02	-	-	14,357/-
5	मुख्य रसोइयां		03	-	01	-	02	9006/-
6	सहायक रसोइयां		06	-	-	01	05	6755/-
7	चपरासी		01	-	-	-	01	7,505/-

(2) रिक्त पदों का विवरण **(कक्षा–09 से 12)** निम्नवत् है:–**(समस्त पद महिला अभ्यर्थी हेतु आरक्षित)**

क्र0 सं0	पदनाम	आयु सीमा	पदों की संख्या	अनुसूचित जाति	अन्य पिछडा वर्ग	ई0डब्ल्यू0 एस0	अनारक्षित	मानदेय
1	कार्यालय अध्यक्ष	25 से 45 वर्ष तक	01	01	-	-	-	12,430/-
2	रसोइयां		13	05	06	02	-	6433/-
3	चपरासी		01	-	01	-	-	7,147/-
4	चौकीदार		06	02	03	01	-	7,147/-

शैक्षिक अर्हता–

- **पूर्णकालिक शिक्षिका –(गणित)**
  गणित (पी0सी0एम0 वर्ग से प्रशिक्षित स्नातक एवं उच्च प्राथमिक स्तर की टी0ई0टी0)
- **पूर्णकालिक शिक्षिका–(हिन्दी/संस्कृत) की अर्हता–**
  भाषा (हिन्दी–संस्कृत एवं अंग्रेजी में से न्यूनतम् एक वर्ग में प्रशिक्षित स्नातक एवं उच्च प्राथमिक स्तर की टी0ई0टी0)
- **अंशकालिक शिक्षिका–(कम्प्यूटर शिक्षा) की अर्हता–**
  कम्प्यूटर प्रशिक्षित स्नातक एवं पी0जी0डी0 सी0ए0/बी0सी0ए0/बी0एस0सी0 कम्प्यूटर साइंस अथवा स्नातक सहित डी0ओ0ई0ए0सी0सी0 या समकक्ष संस्था से "ओ–लेवल"/ए–लेवल डिप्लोमा।
- **लेखाकार**– स्नातक वाणिज्य तथा एम0एस0 आफिस पर कार्य करने का ज्ञान अनिवार्य होगा। डी0ओ0ई0ए0सी0सी0 या समकक्ष संस्था से कम्प्यूटर शिक्षा में ओ लेवल डिप्लोमा अथवा समकक्ष अन्य योग्यता की दशा में अभ्यर्थिनी को चयन में वरीयता दी जायेगी।
- **कार्यालय अधीक्षक/लिपिक की अर्हता–**

1– माध्यमिक शिक्षा परिषद, उ0प्र0 द्वारा आयोजित इण्टरमीडिएट परीक्षा अथवा उसके समकक्ष कोई अन्य परीक्षा उत्तीर्ण हो ।
2– माध्यमिक शिक्षा परिषद, उ0प्र0 के साथ–साथ केन्द्र अथवा किसी राज्य द्वारा स्थापित किसी संस्था/शिक्षा बोर्ड /परिषद द्वारा संचालित हाईस्कूल अथवा इण्टरमीडिएट परीक्षा में पृथक विषय के रूप में कम्प्यूटर साइंस विषय को लिया गया हो। अथवा कम्प्यूटर संचालन डोएक/NIELIT द्वारा प्रदत्त CCC प्रमाण–पत्र अथवा सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त संस्था से समकक्ष स्तर का प्रमाण–पत्र। अथवा कम्प्यूटर साइंस में डिप्लोमा/डिग्री
3– कम्प्यूटर पर हिन्दी टंकण गति न्यूनतम 25 शब्द प्रति मिनट एवं कम्प्यूटर पर अंग्रेजी टंकण गति न्यूनतम 30 शब्द प्रति मिनट

- **मुख्य रसोइयां की अर्हता**– कक्षा–8 उत्तीर्ण। अभ्यर्थी शारीरिक अक्षमता एवं संक्रामक रोग से ग्रस्त नहीं होना चाहिए।
- **सहायक रसोइयां की अर्हता**– कक्षा–8 उत्तीर्ण। अभ्यर्थी शारीरिक अक्षमता एवं संक्रामक रोग से ग्रस्त नहीं होना चाहिए।
- **रसोइयां की अर्हता**– कक्षा–8 उत्तीर्ण। अभ्यर्थी शारीरिक अक्षमता एवं संक्रामक रोग से ग्रस्त नहीं होना चाहिए।
- **चपरासी की अर्हता**– कक्षा–8 उत्तीर्ण। अभ्यर्थी शारीरिक अक्षमता एवं संक्रामक रोग से ग्रस्त नहीं होना चाहिए।
- **चौकीदार की अर्हता**– कक्षा–8 उत्तीर्ण। अभ्यर्थी शारीरिक अक्षमता एवं संक्रामक रोग से ग्रस्त नहीं होना चाहिए।

(2) **आयु–(आयु की गणना 01 अप्रैल, 2025 से की जायेगी)**
- पदों पर चयन, वर्ष की 01 अप्रैल को न्यूनतम आयु 25 वर्ष एवं अधिकतम आयु 45 वर्ष होगी।
- कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में सेवा हेतु अधिकतम आयु 60 वर्ष होगी।

(3) **आरक्षण**– राज्य सरकार के निर्धारित प्राविधानों के अनुसार आरक्षण देय होगा।
(4) **चरित्र**– किसी सेवा से बर्खास्त, नैतिक/चारित्रिक अधमता के अपराध के लिए दोष सिद्ध एवं दिवालिया चयन के लिए अर्ह नहीं होंगे।
(5) **चयन प्रक्रिया–**
अभ्यर्थी के चयन के लिए भारांक के अंकों का निर्धारण निम्न प्रकार किया जायेगा–

क्र0सं0	परीक्षा/उपाधि का नाम	गुणवत्ता अंक
1	हाईस्कूल	परीक्षा में प्राप्तांक का प्रतिशत X10/100
2	इण्टरमीडिएट	परीक्षा में प्राप्तांक का प्रतिशत X10/100
3	स्नातक उपाधि	परीक्षा में प्राप्तांक का प्रतिशत X20/100
4	परास्नातक उपाधि	परीक्षा में प्राप्तांक का प्रतिशत X20/100
5	प्रशिक्षण	सैद्धान्तिक एवं प्रयोगात्मक परीक्षा में प्राप्तांक का प्रतिशत X30/100

नोट–
- यदि दो या अधिक अभ्यर्थियों के गुणवत्ता अंक समान हों तो ऐसे अभ्यर्थी का नाम, जो आयु में ज्येष्ठ हो, सूची में उच्चतर रखा जायेगा।
- यदि दो या अधिक अभ्यर्थियों के गुणवत्ता अंक और आयु समान हो तो अभ्यर्थी का नाम, अंग्रेजी वर्णमाला क्रम के अनुसार सूची में रखा जायेगा ।
- रसोइयां, सहायक रसोइयां, मुख्य रसोईयां, चपरासी एवं चौकीदार के पद पर चयन साक्षात्कार के आधार पर किया जायेगा।
- पूर्णकालिक शिक्षिका, रसोइयां, सहायक रसोइयां, मुख्य रसोईयां, चपरासी एवं चौकीदार का पद पूर्णकालिक है, इन पदों पर चयनितकार्मिकों को विद्यालय में रात्रि निवास करना अनिवार्य होगा।

(6) **सत्यापन–**
शिक्षक/शिक्षणेत्तर स्टाफ के चयन के समय प्रस्तुत प्रमाण पत्रों का सत्यापन सम्बन्धित बोर्ड/संस्था से कराया जायेगा। कार्मिकों के मूल शैक्षिक अभिलेखों को जिला परियोजना कार्यालय में सुरक्षित/संरक्षित कराया जायेगा। अभिलेखों के सत्यापनोपरान्त ही मानदेय का भुगतान किया जायेगा।

उपरोक्त के सम्बन्ध में विस्तृत आवश्यक दिशा–निर्देश एवं आवेदन पत्र का प्रारूप जनपद के बेवसाईट **https://sultanpur.nic.in/** पर अपलोड है। आवेदन पत्र के साथ अपनी दो स्व–प्रमाणित फोटो, समस्त शैक्षिक अंकपत्र (स्नातक एवं परास्नातक के सभी वर्षो का अंकपत्र), प्रमाण–पत्र, अनुभव प्रमाण–पत्र, आधार कार्ड एवं अन्य वांछित प्रमाण–पत्रों की स्वप्रमाणित छायाप्रतियाँ तथा अपना नाम, पता लिखे हुए 02 लिफाफे स्पीड पोस्ट अथवा रजिस्टर्ड डाक के निर्धारित शुल्क के डाक टिकट लगे हुए अनिवार्य रूप से संलग्न करें। आवेदन पत्र के लिफाफे पर आवेदित पद का नाम व विषय तथा आरक्षण वर्ग अवश्य लिखें। प्रत्येक पद हेतु अलग–अलग आवेदन करना होगा। अपूर्ण, अस्पष्ट, बिना संलग्नकों वाले, बिना हस्ताक्षर, प्रारूप से भिन्न, अधूरे संलग्नकों वाले आवेदन पत्रों को निरस्त कर दिया जायेगा। साधारण डाक से प्रेषित व अंतिम तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्रों पर कोई विचार नहीं किया जायेगा और न ही इस सम्बन्ध में कोई सूचना दी जायेगी। काउन्सिलिंग/साक्षात्कार में प्रतिभाग करने वाले किसी भी अभ्यर्थिनी को यात्रा भत्ता देय नहीं होगा। विज्ञप्ति में किसी भी प्रकार के बदलाव/सुधार एवं किसी भी समय निरस्त करने का अधिकार जनपदीय चयन समिति का होगा। इसमें अभ्यर्थी का किसी प्रकार का दावा स्वीकार नहीं किया जायेगा।

(उपेन्द्र गुप्ता), जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, सुलतानपुर।

कार्यालय, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, सुलतानपुर के पत्रांकः समग्र शिक्षा/के0जी0बी0वी0/29406–16/2025–26 दिनांकः 20.11.2025

कस्तूरबा गॉधी आवासीय बालिका विद्यालय में रिक्त पद हेतु आवेदन पत्र का प्रारूप–(2025–26)

नवीनतम स्वप्रमाणित पासपोर्ट साइज रंगीन फोटो ग्राफ

01. आवेदित पद का नाम–........................
02. आवेदित विषय–........................
03. अभ्यर्थी/अभ्यर्थिनी का नाम (हिन्दी में)–........................
    (अंग्रेजी के बड़े अक्षरों में)–........................
04. अभ्यर्थी/अभ्यर्थिनी के पिता/पति का नाम–........................
05. जन्म तिथि (हाईस्कूल प्रमाण पत्र के अनुसार)–........................
06. आयु (01.04.2025) वर्ष .... माह.............. दिन ....
07. गृह जनपद–........................
08. लिंग – **केवल महिला अभ्यर्थिनियों हेतु आरक्षित है**
09. आरक्षित श्रेणी (अनारक्षित/अन्य पिछड़ा वर्ग/अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति)–..............
10. मोबाइल नं0–.............. आधार नं0–..............
11. स्थायी पता–........................
12. पत्राचार का पता–........................
13. कस्तूरबा गॉधी आवासीय बालिका विद्यालय के शिक्षक/शिक्षिका जो वर्ष 2020–21 में नवीन संविदा से वंचित हो गये हैं, की दशा में कार्य अनुभव– .... वर्ष ....माह .... दिन का अनुभव प्रमाण पत्र संलग्न ....
14. शैक्षिक योग्यता का विवरण–(स्वप्रमाणित प्रति संलग्न करें)

क0 सं0	परीक्षा का नाम	बोर्ड/विश्वविद्यालय का नाम	वर्ष	विषय	पूर्णांक	प्राप्तांक	प्रतिशत
1	जूनियर हाई स्कूल						
2	हाई स्कूल						
3	इण्टरमीडिएट						
4	स्नातक (तीनों वर्ष के अंक पत्र संलग्न करें)						
5	बी0एड0						
6	टी0ई0टी0/सी0टी0ई0टी0 (उच्च प्राथमिक स्तर)						
7	अन्य						

15. संलग्नकों का विवरण– 01. 02. 03. 04. 05. 06.

घोषणा

मैं एतद्दवारा घोषणा करती हूँ कि मैंने विज्ञप्ति में अंकित की गयी पात्रता की शर्तें भली–भॉति पढ़ ली है तथा मुझे मान्य हैं और उक्त शर्तें पूर्ण करती हूँ। इस आवेदन पत्र में दिये गये समस्त विवरण/सूचनाएं सत्य एवं सही हैं और मैंने इन सभी तथ्यों/विवरणों/सूचनाओं में कोई भी तथ्य छिपाया नहीं गया है। कोई तथ्य/विवरण/सूचना असत्य एवं गलत पाये जाने पर अथवा मेरे द्वारा छिपाये जाने पर मेरा आवेदन पत्र निरस्त कर दिया जाय।

दिनांक–

अभ्यर्थिनी के हस्ताक्षर

न्यूज ब्रीफ

खादी महोत्सव-2025 का उद्घाटन आज

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में स्थानीय उद्यमिता को प्रोत्साहन देने और पारंपरिक कला को नया बाजार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 21 से 30 नवंबर तक केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गोमती नगर में खादी महोत्सव 2025 का आयोजन किया जा रहा है। दस दिवसीय इस आयोजन का उद्घाटन सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, खादी एवं ग्रामोद्योग मंत्री राकेश सचान करेंगे। महोत्सव में प्रदेश के 160 से अधिक उद्यमी शामिल होंगे, जो अपने-अपने जिलों की विशिष्ट कला और स्वदेशी उत्पादों का प्रदर्शन व बिक्री करेंगे।

आयुष्मान फील्ड वर्कर्स को भुगतान जारी

अमृत विचार, लखनऊ : आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (आयुष्मान योजना) के क्रियान्वयन में फील्ड लेवल वर्कर्स को उनका लंबित भुगतान जारी कर दिया गया है। स्टेट हेल्थ एजेंसी ने कुल 14,751 फील्ड लेवल वर्कर्स को 61 लाख 44 हजार की राशि रिलीज की है। यह भुगतान 1 दिसंबर 2023 से 13 नवंबर 2025 की अवधि के लिए उन वर्कर्स को किया गया है, जिनकी बैंक विवरण एजेंसी के पास उपलब्ध थे।

63.55 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति

अमृत विचार, लखनऊ : शासन ने कृषि सांख्यिकी एवं फसल बीमा योजना के अन्तर्गत नेशनल क्राप इंश्योरेंस प्रोग्राम के लिए 63 करोड़ 55 लाख नौ हजार की वित्तीय स्वीकृति दी है। साथ ही सरदार बल्लभ भाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मेरठ के परिसर में नवनिर्मित केन्द्रीय पुस्तकालय, भवन पर सोलर फोटो वोलटेक की स्थापना के लिए भी 1.50 लाख रुपये की वित्तीय स्वीकृति दी गई है।

छात्रवृत्ति के लिए आवेदन 26 तक

अमृत विचार, लखनऊ : समाज कल्याण विभाग ने वित्तीय वर्ष 2024-25 की दशमोत्तर छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजना के लिए नई संशोधित समय-सारिणी जारी की है। समाज कल्याण विभाग के उपनिदेशक और योजनाधिकारी आनन्द कुमार सिंह ने बताया कि संस्थान स्तर पर मास्टर डेटा लॉक इसी 26 नवम्बर तक किया जाएगा। इसमें पाठ्यक्रम, सीटों की संख्या, मान्यता और संस्थान से संबंधित अन्य विवरणों का अद्यतन शामिल है। विश्वविद्यालय एवं एजेंसियों द्वारा संस्थानों के दस्तावेजों की जांच और सत्यापन 1 दिसम्बर तक किए जाएंगे। जिला समाज कल्याण अधिकारी संस्थानों की डिजिटल सत्यापन प्रक्रिया 4 दिसम्बर तक पूरी करेंगे।

कुशीनगर में पर्यटकों की संख्या में बढ़ोतरी

अमृत विचार, लखनऊ : पर्यटन विभाग द्वारा जारी रिपोर्ट में इस वर्ष 2025 के जनवरी से अक्टूबर माह के बीच 19 लाख 90 हजार 931 पर्यटक कुशीनगर पहुंचे। इनमें 17 लाख 76 हजार 247 घरेलू और 2,14,684 विदेशी पर्यटक शामिल रहे। यह जानकारी पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने गुरुवार को दी।

विधायक के निधन पर जताया शोक

अमृत विचार, लखनऊ : समाजवादी पार्टी के मऊ जिले के घोसी विधानसभा क्षेत्र से विधायक सुधाकर सिंह का गुरुवार को मेदांता हॉस्पिटल में निधन हो गया। 67 वर्षीय सुधाकर सिंह के निधन की जानकारी मिलते ही सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने मेदांता पहुंचकर विधायक के पुत्र सुजीत सिंह और शोकाकुल परिजनों से मिलकर ढांढस बंधाया और सांत्वना दी। शिवपाल सिंह यादव, राम गोविंद चौधरी सहित बड़ी संख्या में सपा के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने अंतिम दर्शन किए।

पंचायत चुनाव : वोटर लिस्ट तैयार करने का समय बढ़ा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सूची जारी करने की अंतिम तारीख बढ़ाकर 6 फरवरी की गई

अमृत विचार: प्रदेश में पंचायत चुनावों के मद्देनजर वोटर लिस्ट तैयार करने में कई जिलों की प्रगति धीमी है। ऐसे में राज्य निर्वाचन आयोग ने अब लिस्ट जारी करने की अंतिम तारीख बढ़ाकर 6 फरवरी कर दी है। पहले 15 जनवरी को यह वोटर लिस्ट जारी की जानी थी।

दरअसल, राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से जो संशोधित कार्यक्रम जारी किया गया है, उसके मुताबिक अब ड्राफ्ट वोटर लिस्ट 23 दिसंबर को जारी होगी। पहले इसे 5 दिसंबर को जारी किया जाना था। इतना ही नहीं लिस्ट पर दावे व आपत्तियों का निस्तारण 31 दिसंबर से 6 जनवरी तक किया जाएगा। पहले यह कार्य 13 दिसंबर से 19 दिसंबर के बीच किया जाना था। सूत्रों के मुताबिक, राज्य निर्वाचन आयोग से जारी हिदायतों के बावजूद जिलों में अधिकारी यूपी पंचायत चुनाव की वोटर लिस्ट से डुप्लीकेट मतदाताओं के नाम बाहर करने और नए मतदाताओं के नाम जोड़ने के कार्य में ढुलमुल रवैया बरत रहे हैं। एसआईआर अभियान के चलते पंचायत चुनाव की सूची के कार्य में देरी स्वाभाविक है।

गुरु तेग बहादुर के बलिदान दिवस पर अवकाश अब 25 को

अमृत विचार, लखनऊ : गुरु तेग बहादुर के बलिदान दिवस पर घोषित कार्यकारी अवकाश की तारीख बदली गई है। पूर्व में यह अवकाश 24 नवंबर 2025 को घोषित था, जिसे अब बदलकर 25 नवंबर 2025 (मंगलवार) कर दिया गया है। उत्तर प्रदेश शासन के सामान्य प्रशासन विभाग ने वर्ष 2025 के अवकाश कैलेंडर में संशोधन करते हुए यह सूचना साझा की है। प्रमुख सचिव मनीष चौहान की ओर से जारी आदेश में कहा गया कि शासन स्तर पर विचारोपरांत यह परिवर्तन आवश्यक पाया गया और पूर्व आदेश को उक्त सीमा तक संशोधित समझा जाएगा।

परिषदीय स्कूलों से 16 लाख बच्चे हुए नदारद

बेसिक शिक्षा विभाग के आंकड़ों के मुताबिक 93 हजार बच्चों ने छोड़ी पढ़ाई

मार्कण्डेय पाण्डेय, लखनऊ

- राजधानी लखनऊ में करीब 3 हजार से अधिक शिक्षक बीएलओ की ड्यूटी पर

अमृत विचार : उप्र. बेसिक शिक्षा विभाग के परिषदीय विद्यालयों से 16 लाख से अधिक बच्चे नदारद हैं। सत्र 2023-24 में 1 करोड़ 48 लाख बच्चे नामांकित थे, जबकि वर्तमान सत्र में 1 करोड़ 31 लाख बच्चे रिकार्ड में हैं। कुल 16 लाख बच्चों ने पढ़ाई छोड़ दी या परिषदीय विद्यालयों से संपर्क तोड़ लिया। यू-डायस 2025-26 के अंतर्गत स्कूल प्रोफाइल, टीचर प्रोफाइल और स्टूडेंट प्रोफाइल की डाटा एंट्री किए जाने के दौरान जारी आंकड़ों से यह सामने आया है।

बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा जारी

आंकड़े चौंकाने वाले हैं। पिछले दो सत्रों में लाखों बच्चे गायब हो गए, जिसकी चिंता विभाग को नहीं है। खास बात यह है कि इनमें से 93 हजार बच्चे आउट ऑफ स्कूल दिखाए गए हैं, यानी बच्चों ने पढ़ाई छोड़ रखी है। इसके अलावा करीब 2,34,339 बच्चों को अन्यत्र स्थानांतरण या माइग्रेंट कर दिया गया है। सत्र 2023-24 में प्रवेशित बच्चों में यदि जिले के अनुसार देखा जाए तो आजमगढ़ में सर्वाधिक 54,009, जौनपुर में 52,188, शाहजहांपुर में 40,312, गाजीपुर में 39,518, बाराबंकी में 39,039 और रायबरेली में 35,037 बच्चे स्कूलों से गायब हो गए।

प्रदेश में स्थिति

- सत्र 2023-24 में कुल छात्र-1,48,18,053
- वर्तमान सत्र में छात्र-1,31,67,503
- नामांकन अंतर- 16,50,550
- 2025-26 कुल ड्रॉपबाक्स विद्यार्थी-83,2,855

सुविधाओं का अभाव

अध्यापक बताते हैं कि प्रदेश में हजारों विद्यालय ऐसे हैं, जो एकल अध्यापक के सहारे संचालित हो रहे हैं। सुविधाओं का अभाव होने के कारण बच्चे प्राइवेट स्कूलों में नामांकन करा रहे हैं। साथ ही शिक्षा के अधिकार (आरटीई) के तहत प्राइवेट स्कूलों में एडमिशन से परिषदीय स्कूलों में बच्चों की काफी कमी आई है। लखनऊ में करीब 3 हजार से ज्यादा शिक्षक बीएलओ की ड्यूटी कर रहे हैं।

दो सौ से अधिक नंबर चिह्नित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

दिल्ली बम धमाका

- ज्यादातर नंबर फरीदाबाद, सहारनपुर, लखनऊ और कानपुर से जुड़े
- एनआईए ने गुरुवार को चार डॉक्टरों से की पूछताछ, एटीएस खंगाल रही डिटेल

अमृत विचार: दिल्ली बम धमाके से जुड़े आतंकी संगठन के सदस्यों की तलाश में जुटी एनआईए और एटीएस ने 200 मोबाइल नंबरों को चिह्नित किया है। आशंका है कि इन संदिग्ध नंबरों का प्रयोग इस धमाके में किया गया है। सभी को सर्विलांस पर लेकर जांच की जा रही है। इनमें ज्यादातर नंबर लखनऊ, सहारनपुर, कानपुर और फरीदाबाद से जुड़े डॉक्टरों के हैं। डॉ. शाहीन शाहिद, भाई डॉ. परवेज, डॉ. आदिल समेत लखनऊ व कानपुर के डाक्टरों से लंबी पूछताछ के बाद इन नंबरों की सूची तैयार की गई है।

एटीएस को डॉ. शाहीन और डा. आदिल के मोबाइल नंबर की कॉल डिटेल से ही उसके भाई डॉ. परवेज अंसारी व कानपुर के तीन डाक्टरों के बारे में पता चला था। इसके बाद ही एटीएस ने डॉ. परवेज के घर तलाशी के बाद कानपुर में कार्डियोलॉजिस्ट को पकड़ा था। इन सभी से महत्वपूर्ण जानकारियां मिली थी। डॉ. परवेज तो अभी तक जम्मू-कश्मीर पुलिस की हिरासत में है। उससे और उसके संपर्क में रहने वाले कई डाक्टरों से पूछताछ में कई सुराग मिले हैं। इस आधार पर ही एटीएस के साथ एनआईए भी अपनी पड़ताल आगे बढ़ा रही है। साथ ही यूपी एटीएस भी सहारनपुर और जम्मू-कश्मीर में गई अपनी टीम के संपर्क में है। वह भी लखनऊ, सहारनपुर, फरीदाबाद के कनेक्शन से जुड़े बिंदुओं पर काम कर रही है। दिल्ली विस्फोट के बाद पहली बार डाक्टरों का मॉडयूल सामने आया है। यही वजह है कि जांच एजेंसियां सतर्क है।

एनआईए ने गुरुवार को इंटीग्रल यूनिवर्सिटी और एरा मेडिकल कालेज के चार डाक्टरों से पूछताछ की है। ये लोग परवेज के संपर्क में लंबे समय तक रहे। हालांकि, इनकी कोई संलिप्तता दिल्ली विस्फोट में नहीं पाई गई है। इनसे डॉ. परवेज और उसकी बहन डॉ. शाहीन के बारे में पूछा जा रहा है। एटीएस इनमें से दो डाक्टरों से पहले पूछताछ कर चुकी है। एटीएस को भी इनसे कुछ खास नहीं पता चला था। एनआईए के मुताबिक इनके संपर्क में रहने वाले कानपुर के भी तीन डाक्टरों को रडार पर लिया गया है। ये तीनों भी परवेज व शाहीन के परिचित हैं और कानपुर में तीन-चार बार मिले भी हैं। इनकी भी कॉल डिटेल खंगाली जा रही है।

भागीदारी भवन में आयोजित तरंग कार्यक्रम के समापन समारोह में विजेता बच्चों को सम्मानित करतीं मंत्री बेबी रानी मौर्या व राज्य मंत्री प्रतिभा शुक्ला।

प्रतिभा, अभिव्यक्ति और बाल अधिकारों का हुआ उत्सव

अमृत विचार, लखनऊ : गुरुवार को विश्व बाल दिवस (20 नवम्बर) के अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग, उप्र द्वारा आयोजित दो दिवसीय राज्यस्तरीय कार्यक्रम "तरंग" का समापन भागीदारी भवन, गोमती नगर में किया गया। यह आयोजन बच्चों के अधिकारों, अभिव्यक्ति, रचनात्मकता और उनके उत्सव को समर्पित रहा। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री बेबी रानी मौर्य और राज्य मंत्री प्रतिभा शुक्ला मौजूद रहीं। समापन समारोह में अपर मुख्य सचिव लीना जौहरी, निदेशक संदीप कौर और यूनिसेफ चीफ जकारी एडम्स सहित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। तरंग कार्यक्रम में 19-20 नवम्बर को प्रदेशभर की राजकीय बाल देखरेख संस्थाओं से आए बच्चों ने नृत्य, संगीत, पेंटिंग, खेल, कहानी-कथन और कला आधारित गतिविधियों में प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विजेता बच्चों को प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया।

आउटसोर्स सेवा निगम बना, तंत्र नहीं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सरकार की मंजूरी पर लागू करने का प्रावधान फाइलों में कैद
- लाखों संविदा कर्मियों को प्रक्रिया निर्धारण का इंतजार

अमृत विचार : योगी कैबिनेट की मंजूरी के बाद भी आउटसोर्स सेवा निगम की नियमावली और कार्यान्वयन तंत्र अधूरा पड़ा है। इस देरी की वजह से लाखों संविदा आउटसोर्स कर्मियों की नियुक्ति, मानदेय, सुविधाओं के मसले अनसुलझे हैं। पुराने एजेंसियों के माध्यम से कर्मचारियों को वेतन, ईपीएफ-ईएसआई योगदान, सेवा-शर्त-सुरक्षा आदि में तमाम शिकायतें हैं। नए ढांचे के लागू न होने से ये समस्याएं लंबित बनी हुई हैं।

प्रदेश सरकार ने सितंबर में आउटसोर्सिंग सेवाओं के लिए एक बड़े कदम के रूप में उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम को कैबिनेट की मंजूरी दी। तीन वर्ष की अवधि के लिए संविदा नियुक्ति, निर्धारित सेवा-दिन, बैंक खाते में सीधा भुगतान, ईपीएफ-ईएसआई जैसी सोशल-सिक्योरिटी का प्रावधान था। लेकिन अभी तक निगम का गठन पूरी तरह नहीं हुआ है। इसकी नियमावली, प्रक्रिया-निर्धारण, एजेंसी-चयन की रूपरेखा अभी अधूरी पड़ी है। अभी तक कंपनी पंजीकरण, महानिदेशक-नियुक्ति जैसे आधिकारिक कदम पूरी तरह नहीं हुए हैं। आउटसोर्सिंग माध्यम से विभिन्न विभागों में कार्यरत संविदा कर्मियों का कहना है कि वे अब भी एजेंसियों के भरोसे हैं। मानदेय समय पर नहीं मिलता, सेवा-शर्तें स्पष्ट नहीं हैं, सामाजिक सुरक्षा के प्रावधान लागू नहीं हो पाए हैं। उदाहरण के रूप में नई व्यवस्था लागू होने तक उनका वेतन 16-20 हजार रुपये तय है, लेकिन यह अभी अधिकांश जगहों पर क्रियात्मक नहीं हुआ है। ऐसी संविदा स्थिति में लंबे समय तक काम कर रहे कर्मियों में असमर्थता, असमय सेवा-छंटनी, मानदेय में देरी और सामाजिक सुरक्षा-लाभ की कमी जैसी चिंताएं बढ़ रही हैं। दूसरी ओर सरकार कह रही है कि पंजीकरण व औपचारिकताएं पूरी हो रही हैं, इसके बाद विभिन्न विभागों में प्रक्रिया शुरू होगी।

आयुष कॉलेजों में अंतिम काउंसिलिंग आज से

अमृत विचार, लखनऊ : आयुष कॉलेजों में रिक्त स्नातक सीटों पर दाखिले के लिए स्ट्रे वैकेंसी की दूसरी काउंसिलिंग शुक्रवार 21 नवम्बर से शुरू हो रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सरकारी आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी के निजी कॉलेजों में रिक्त लगभग 350 सीटों के लिए दाखिले का अंतिम अवसर दिया गया है।

वहीं राजकीय व निजी आयुर्वेद, यूनानी एवं होम्योपैथी कॉलेजों में विभिन्न विषयों की रिक्त परास्नातक सीटों पर दाखिले के लिए स्ट्रे वैकेंसी प्रथम चरण की काउंसिलिंग शुक्रवार 21 नवंबर से शुरू हो रही है। शुरू में सात दिन 27 नवम्बर तक पंजीकरण और 28 नवम्बर को अभ्यर्थियों की मेरिट सूची जारी हो जाएगी।

लखनऊ समेत छह जिलों में 2009 करोड़ की नौ परियोजनाएं मंजूर

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- रेरा की 189वीं बोर्ड बैठक में दी गई मंजूरी, बनाए जाएंगे फ्लैट, प्लॉट और विला

अमृत विचार : उप्र रियल एस्टेट विनियामक प्राधिकरण (रेरा) ने लखनऊ, बाराबंकी, प्रयागराज, चंदौली, अलीगढ़ और गौतमबुद्ध नगर के नोएडा में नौ परियोजनाओं को मंजूरी दी है। बिल्डरों द्वारा 2009 करोड़ रुपये के निवेश से 1,586 यूनिट विकसित करके फ्लैट, प्लॉट और विला बनाए जाएंगे। इससे घर खरीदारों को राहत मिलेगी।

गुरुवार को न्यू हैदराबाद स्थित रेरा मुख्यालय पर अध्यक्ष संजय भूसरेड्डी की अध्यक्षता में प्राधिकरण की 189वीं बैठक हुई। वरिष्ठ अधिकारियों और विषय विशेषज्ञों ने भाग लिया। विभिन्न परियोजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई और आवासीय इकाइयों का प्रस्तुतिकरण दिया गया। इसमें लखनऊ, बाराबंकी, प्रयागराज, चंदौली, अलीगढ़ और गौतमबुद्ध नगर के नोएडा में कुल नौ परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई। इन जिलों में 2009 करोड़ से 1,586 इकाइयां बनेंगी। यह परियोजनाएं आवासीय एवं मिश्रित विकास मॉडल पर आधारित हैं, जो शहरी और उपनगरीय दोनों क्षेत्रों की आवश्यकताओं को पूरा करेंगी।

सबसे अधिक निवेश नोएडा में 1,536.99 करोड़ से तीन परियोजनाओं विकसित की जाएंगी। इसके अलावा लखनऊ में 283.76 करोड़ की एक परियोजना स्वीकृत हुई है। जबकि बाराबंकी में 120.85 करोड़ की दो परियोजनाएं उपनगरों और उभरते क्षेत्रों में रियल एस्टेट विस्तार को गति देगा। वहीं, प्रयागराज में 11.47 करोड़ और चंदौली में 37.85 करोड़ की एक-एक परियोजनाएं शामिल हैं। इसके साथ ही अलीगढ़ में 17.72 करोड़ की एक परियोजना स्वीकृत हुई है।

कफ सिरप तस्करी मामले में अमेरिकी कंपनी को नोटिस

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: नशे के लिए प्रयोग किये जाने वाले फेंसेडिल कफ सिरप व कोडीन युक्त दवाओं का प्रदेश में करीब 300 करोड़ रुपये का भंडारण किया गया है। यह भंडराण तस्करों की मिलीभगत से कारोबारियों ने किया। इसका खुलासा सहारनपुर से गिरफ्तार चार आरोपियों की पूछताछ में हुआ है। इस मामले में एसटीएफ ने अमेरिका की कंपनी को नोटिस भी भेजा है। ताकि इसकी भारत में तस्करी पर रोक लगाई जा सके।

एसटीएफ के अपर पुलिस अधीक्षक लाल प्रताप सिंह ने बताया कि कफ सिरप और अन्य दवाओं के नशे में इस्तेमाल करने के लिए भंडारण किया जाता है। जांच में पाया गया कि यह कंपनी अमेरिका से जुड़ी हुई है। कुछ देशों में यह पूरी तरह से प्रतिबंधित है। यह सिरप भारत में जहां बिक रही है, इसका पता लगाया जा रहा है। साथ ही इसे पूरी तरह से रोकने के लिए अमेरिका की कंपनी से पत्राचार किया जा रहा है। जांच में सामने आया कि रांची का सुपर डिस्ट्रीब्यूटर शैली ट्रेडर्स भी फेंसेडिल की तस्करी में शामिल है। इन लोगों ने मिलकर 300 करोड़ से अधिक का कारोबार किया है।

मेट्रो परियोजनाओं को मिले 49.90 करोड़

अमृत विचार, लखनऊ : योगी सरकार ने प्रदेश के दो बड़े मेट्रो प्रोजेक्ट कानपुर और आगरा मेट्रो को मजबूती देने के लिए कुल 49.90 करोड़ रुपये और जारी किए हैं। आवास एवं शहरी नियोजन विभाग की ओर से गुरुवार को जारी आदेश में यह धनराशि यूपी मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (यूपीएमआरसी) को उपलब्ध कराने की मंजूरी दी गई है। कानपुर मेट्रो परियोजना के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 में निर्धारित प्रावधान के अनुरूप 26.65 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई है। यह राशि अंशपूंजी निवेश, केंद्रीय कर भुगतान, राज्य कर भुगतान और भूमि हेतु सब-ऑर्डिनेट ऋण के रूप में प्रदान की गई है।

अंतरराष्ट्रीय मानकों को अपनाना होगा : योगेंद्र

अमृत विचार लखनऊ : उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को 6 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाने के लक्ष्य में शिक्षा की भी निर्णायक भूमिका होगी। इस क्रम में 2047 तक उत्तर प्रदेश के कम से कम 10 विश्वविद्यालयों को विश्व की शीर्ष 500 रैंक में शामिल करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए बेसिक, माध्यमिक और उच्च शिक्षा में अंतरराष्ट्रीय मानकों को अपनाना होगा। यह निष्कर्ष विकसित उत्तर प्रदेश @2047- संकल्प से समृद्धि तक राज्य स्तरीय अभियान के अंतर्गत गुरुवार को लखनऊ स्थित योजना भवन में उच्च शिक्षा कॉनक्लेव के दौरान निकला। कार्यक्रम की शुरुआत उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय और उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी ने किया।उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने कहा कि विकसित भारत-2047 का लक्ष्य एक राष्ट्रीय संकल्प है, जिसे पूरा करने के लिए सभी संस्थाओं को एकजुट होकर योगदान देना होगा।

गणना प्रपत्र भरने में आ रही दिक्कत, नहीं मिल रहे बीएलओ

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश में विशेष गहन मतदाता पुनरीक्षण अभियान के तहत गणना प्रपत्र घर-घर पहुंचाने का काम लगभग पूरा है। इस बीच कई जिलों से गणना प्रपत्रों को भरने में मतदाताओं को आ रही दिक्कतों की भी सूचना मिली है। वर्ष 2023 की मतदाता सूची के भाग संख्या व क्रमांक आदि कुछ परिवार से जुड़ी सूचनाएं भरने में सबसे अधिक दिक्कत हो रही है। कई सवालों को सुलझाने के लिए बीएलओ को तलाशना पड़ रहा है। दरअसल, गणना प्रपत्र में वर्तमान सूचनाओं के अलावा परिवार से जुड़ी सूचनाएं, पिछली 2023 की मतदाता सूची सूची के भाग संख्या व क्रमांक आदि का भी उल्लेख करना है। कई जिलों से ऐसी सूचना हैं कि वितरण के दौरान बीएलओ प्रपत्र से जुड़ी खास जानकारी मतदाताओं के बीच साझा नहीं कर रहे हैं।

दो आईएएस व आठ पीसीएस अधिकारियों का तबादला

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश सरकार ने गुरुवार को दो आईएएस व आठ पीसीएस अधिकारियों का तबादला किया है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के विशेष सचिव शीलधर सिंह यादव को अल्पसंख्यक कल्याण विभाग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के विशेष सचिव रमेश कुमार को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग में भेजा गया है। पीसीएस अधिकारियों के तबादलों में प्रतीक्षारत अरविंद कुमार मिश्रा को नोएडा का एसडीएम, इटावा के एसडीएम रहे हरी प्रताप सिंह को यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण, विशाल सारस्वत को अंबेडकरनगर में ट्रेनी एसडीएम,स्वाति शुक्ला को बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग में उपनिदेशक, प्रतीत त्रिपाठी को एसडीएम रामपुर, संतोष कुमार ओझा को एसडीएम मिर्जापुर, बदायूं में सेवारत रहीं प्रियंका को नोएडा में एसडीएम (न्यायिक) व विवेक राजपूत को रायबरेली में एसडीएम के पद पर स्थानांतरित किया गया है।

उपलब्धि | वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा, वर्तमान समय में सहकारिता की साख बढ़ रही

सहकारी समितियों के 50 लाख सदस्यों ने जुटाए 500 करोड़

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 एवं 72वें अखिल भारतीय सहकारी सप्ताह के समापन अवसर पर हुई गोष्ठी

अमृत विचार: वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने पूर्ववर्ती सरकारों में सहकारिता विभाग की स्थिति काफी दयनीय होने का हवाला देते हुए कहा कि यह विभाग आज उन्नति के मार्ग पर अग्रसर है। सहकारी समितियों के 50 लाख सदस्यों द्वारा 500 करोड़ रुपये की धनराशि एकत्र की गयी है, यह किसी चमत्कार से कम नहीं है। उन्होंने कहा कि साख के ऊपर ही अर्थशास्त्र काम करता है। साख बेहतर होती है तो हर चीज बेहतर होती है। वर्तमान समय सहकारिता की साख बढ़ रही है और बैंकों की स्थिति काफी सुदृढ़ हुई है।

वित्तमंत्री ने यह उद्गार अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 एवं 72वें अखिल भारतीय सहकारी सप्ताह के समापन अवसर पर गुरुवार को आयोजित एक गोष्ठी में प्रकट किए। सहकारिता भवन स्थित उत्तर प्रदेश सहकारी यूनियन सभागार लखनऊ में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), सहकारिता विभाग जेपीएस राठौर, अध्यक्ष पीसीयू सुरेश गंगवार, अध्यक्ष यूपीआरएनएसएस प्रेम सिंह शाक्य, आयुक्त एवं निबन्धक सहकारिता योगेश कुमार समेत अन्य अधिकारी व कर्मचारी शामिल रहे।

मृतक आश्रित को नियुक्ति पत्र प्रदान करते मंत्री सुरेश खन्ना व जेपीएस राठौर।

राज्यमंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) जेपीएस राठौर ने कहा कि गोदामों के आधुनिकीकरण, कंप्यूटरीकरण, सौर ऊर्जा के उपयोग और खाद वितरण में डिजिटल प्रणाली को आगे बढ़ाया है।

पांच मृतक आश्रितों को नियुक्ति पत्र

उत्तर प्रदेश सहकारी यूनियन के 5 मृतक आश्रितों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। नियुक्ति पत्र लाभार्थियों में धर्मेन्द्र कुमार पांडेय को जालौन में, अजीत यादव आगरा, अनिकेत गिरी मुजफ्फरनगर, श्रीमती अलका अमरोहा और नितिन कुमार को मेरठ में सहकारी कामदार के पद पर नियुक्ति दी गई है। जनता दुर्घटना बीमा योजना के तहत पात्र आश्रितों को 50 हजार रुपये के चेक सौंपे गए।

खाली बैठे सिटी बस परिचालकों को अपने साथ जोड़ेगा परिवहन निगम

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- करीब 500 परिचालक को मिलेगा रोजगार

अमृत विचार : उम्र पार कर चुके घटते नगर बसों के बेड़े में काम कर रहे करीब 500 परिचालकों को परिवहन निगम वापस लेगा। पुरानी नगर बसें हटने से बड़ी संख्या में यह परिचालक बेरोजगार थे। अब इनका उपयोग रोडवेज स्वयं करेगा। यह कर्मी संविदा पर निगम में आएंगे। इस संबंध में प्रस्ताव पर अनुमोदन करते हुए निर्णय ले लिया गया है। यह जानकारी परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक प्रभु एन सिंह ने दी।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2009 में नगरीय विकास विभाग की मांग पर विभिन्न महानगरों में संचालित होने वाली नगरीय परिवहन सेवा के संचालन की जिम्मेदारी निगम के अधिकारियों एवं पर्यवेक्षकों की थी। इसके तहत संचालन से जुड़े इन लोगों को किसी सेवा प्रदाता के माध्यम से नहीं, बल्कि सीधे ही इन्हें शामिल किया गया था। अब इनकी वापसी होगी। सिंह ने बताया कि वर्तमान में सिटी ट्रान्सपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड में संचालित बसों की आयु पूर्ण हो जाने के कारण अब पुरानी नगर बसों का संचालन पूरी तरह से बन्द हो गया है तथा बसें नीलाम हो रही है। सिटी ट्रान्सपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड में लगभग 15 वर्ष से अधिक परिचालन अनुभव को देखते हुए उन्हें निगम स्तर पर निर्धारित शर्तों पर परिचालक बनाया जाएगा। इससे खाली बैठे इन परिचालकों का समुचित उपयोग करते हुए उन्हें काम उपलब्ध कराया जाएगा। इससे परिवहन निगम में परिचालकों की कमी भी दूर होगी। महानगरीय परिवहन सेवाओं में कार्यरत संविदा परिचालक जो पूर्व में राज्य सड़क परिवहन निगम से सीधे रखे गए थे एवं जिनकी प्रतिभूति राशि निगम में ही जमा हुई।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	85,632.68	26,192.15
बढ़त	446.21	139.50
प्रतिशत में	0.52	0.54

सोना 1,26,700
प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,58,000
प्रति किलो

अमृत विचार

लखनऊ, शुक्रवार, 21 नवंबर 2025
www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

आईटीसी ने सीएसई से अपने शेयर हटाए

नई दिल्ली। विविध कारोबार करने वाली कंपनी आईटीसी ने कलकत्ता स्टॉक एक्सचेंज (सीएसई) से अपने शेयर को स्वेच्छा से हटाने की प्रक्रिया पूरी कर ली है। आईटीसी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि सीएसई ने 20 नवंबर 2025 से आईटीसी के साधारण शेयर को अपनी आधिकारिक एक्सचेंज सूची से स्वैच्छिक रूप से हटाने की मंजूरी दे दी है। यह ध्यान देने योग्य है कि कंपनी के साधारण शेयर, एनएसई और बीएसई पर अब भी सूचीबद्ध हैं। आईटीसी के निदेशक मंडल ने 30 अक्टूबर को हुई बैठक में सेबी (शेयर डीलिस्टिंग) विनियम, 2021 के विनियम 5 व 6 के तहत सीएसई से कंपनी के साधारण शेयर को स्वैच्छिक रूप से हटाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी थी।

आईपीओ से पैजसन एग्रो इंडिया जुटाएगा धन

नई दिल्ली। पैजसन एग्रो इंडिया ने एसएमई श्रेणी में आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये धन जुटाने के लिए बीएसई लिमिटेड से सैद्धांतिक मंजूरी मिलने की गुरुवार को जानकारी दी। आईपीओ दस्तावेजों (डीआरएचपी) के अनुसार, यह 10 रुपये प्रति शेयर अंकित मूल्य वाले 63.09 लाख से अधिक शेयर के नए निर्गम पर आधारित है। नए निर्गम से हासिल 57 करोड़ की शुद्ध आय का उपयोग आंध्र प्रदेश के विजयनगरम में दूसरा काजू प्रसंस्करण संयंत्र स्थापित करने और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। कंपनी के शेयर को बीएसई के एसएमई मंच पर सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है।

वैल्यू 360 को एसएमई आईपीओ की मिली मंजूरी

नई दिल्ली। एकीकृत संचार कंपनी वैल्यू 360 कम्युनिकेशंस लि. को एनएसई से अपने इक्विटी शेयरों को बाजार के एसएमई मंच...इमर्ज पर सूचीबद्ध कराने के लिए सैद्धांतिक मंजूरी मिल गई है। पब्लिक रिलेशन समेत संचार के अन्य कार्यों से जुड़ी कंपनी ने गुरुवार को कहा कि यह मंजूरी सभी नियामक आवश्यकताओं और जरूरी औपचारिकताओं को पूरा करने पर निर्भर है। वैल्यू 360 कम्युनिकेशंस ने जुलाई में कंपनी से जुड़ी जानकारी को लेकर विवरण पुस्तिका जमा की थी। यह सैद्धांतिक मंजूरी उसके बाद एक महत्वपूर्ण कदम है। कंपनी के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक कुणाल किशोर इस मंजूरी की जानकारी दी है।

केंद्रीय बैंक के पास विदेशी मुद्रा का अच्छा भंडार

आरबीआई गवर्नर मल्होत्रा बोले- रुपये के लिए किसी भी स्तर को लक्ष्य नहीं बनाया, डॉलर की मांग से गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने गुरुवार को कहा कि केंद्रीय बैंक ने रुपये के लिए किसी भी स्तर का लक्ष्य नहीं बनाया है और घरेलू मुद्रा में हाल में आई गिरावट की वजह डॉलर की मांग में तेजी है।

गवर्नर ने कहा कि केंद्रीय बैंक के पास विदेशी मुद्रा का काफी अच्छा भंडार है और बाह्य क्षेत्र को लेकर चिंता की कोई आवश्यकता नहीं है। दिल्ली स्कूल ऑफ इकॉनमिक्स में वीकेआरवी राव स्मृति व्याख्यान में मल्होत्रा ने कहा कि आरबीआई की सर्वोच्च प्राथमिकता प्रणाली में वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करना है और केंद्रीय बैंक जहां तक संभव हो, आवश्यक सुरक्षा उपायों एवं सुरक्षा-व्यवस्था को बनाए रखते हुए विनियमनों को सरल बनाने का प्रयास कर रहा है।

● मल्होत्रा बोले- आरबीआई की सर्वोच्च प्राथमिकता में वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करना है

डॉलर के मुकाबले रुपये के अवमूल्यन से जुड़े सवाल पर उन्होंने विश्वास जताया कि भारत, अमेरिका के साथ एक अच्छा व्यापार समझौता करेगा और इससे देश के चालू खाता शेष पर दबाव कम होगा। उन्होंने कहा कि भारतीय रुपये का हालिया अवमूल्यन व्यापारिक गतिविधियों और अमेरिकी शुल्क मुद्दों के कारण है। मल्होत्रा ने कहा कि हम किसी स्तर को लक्ष्य नहीं बनाते। रुपये में गिरावट क्यों आ रही है? ऐसा मांग के कारण है...यह एक वित्तीय साधन है। डॉलर की मांग है और यदि डॉलर की मांग बढ़ती है तो रुपये में गिरावट आती है। यदि रुपये की मांग बढ़ती है तो डॉलर में गिरावट आती है और रुपया मजबूत होता है। अमेरिकी मुद्रा में व्यापक मजबूती एवं अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की कम होती संभावनाओं के बीच रुपया गुरुवार को 23 पैसे टूटकर 88.71 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ।

विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बैठक से जुड़े ब्योरे में दिसंबर में नीतिगत दर में कटौती न करने का संकेत मिलने के बाद डॉलर में तेजी आई है और यह 100 के स्तर के पार पहुंच गया। इससे घरेलू मुद्रा पर दबाव बढ़ा है। बैंकिंग क्षेत्र से जुड़े एक अन्य सवाल के जवाब में गवर्नर ने कहा कि जिस तरह से भारतीय बैंक प्रदर्शन कर रहे हैं, बहुत जल्द उनमें से कुछ शीर्ष 100 वैश्विक ऋणदाताओं में शामिल होंगे।

दुनिया की शीर्ष 100 बैंकों की सूची में जल्दी होंगे भारतीय बैंक

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बृहस्पतिवार को कहा कि आर्थिक विस्तार और बैंकिंग प्रणाली में वृद्धि की गति को देखते हुए, भारत के और भी घरेलू बैंक जल्द ही दुनिया के शीर्ष 100 बैंकों की सूची में शामिल होंगे। मल्होत्रा ने छात्रों को बताया कि कहा कि आरबीआई भारत के कई बड़े बैंकों को वैश्विक सूची में शामिल नहीं कर सकता। जबकि इसमें उन्हें शामिल होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र और निजी क्षेत्र में कई बैंक हैं। जिस गति से वे बढ़ रहे हैं, मुझे लगता है कि यह केवल समय की बात है कि दुनिया के शीर्ष 100 बैंकों में हमारे कई बैंक शामिल होंगे। वर्तमान में, केवल भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और एचडीएफसी बैंक ही दुनिया के शीर्ष 100 बैंकों में शामिल हैं। ये दोनों बैंक क्रमशः 43वें और 73वें स्थान पर हैं। इस महीने की शुरुआत में, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी कहा था कि देश को बड़े और वैश्विक स्तर के बैंकों की जरूरत है और इस संबंध में रिजर्व बैंक और वित्तीय संस्थानों के साथ बातचीत जारी है। उन्होंने कहा था कि यह मौजूदा बैंकों से नए बैंक बनाने से नहीं हो सकता... विलय भी एक रास्ता हो सकता है। सही मायने में आपको एक ऐसे परिवेश की जरूरत है जिसमें ज्यादा बैंक काम कर सकें और आगे बढ़ सकें। भारत में यह माहौल पहले से ही अच्छी तरह से स्थापित है, लेकिन मुझे और ज्यादा गतिशील होने की जरूरत है...।

भारत में इजरायली कंपनियों के लिए निवेश के बड़े अवसर : गोयल

तेल अवीव, एजेंसी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत में इजराइली कंपनियों के लिए निवेश के काफी अवसर हैं और दोनों देशों के उद्योग बुनियादी ढांचे के विकास, विनिर्माण और कृत्रिम मेधा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ा सकते हैं।

गोयल ने कहा कि दोनों देशों के बीच सहयोग के अन्य क्षेत्रों में वित्तीय प्रौद्योगिकी, कृषि प्रौद्योगिकी, मशीन लर्निंग, क्वांटम कंप्यूटिंग, औषधि, अंतरिक्ष और रक्षा शामिल हैं। उन्होंने इजराइल के आर्थिक मामलों के मंत्री नीर बरकत के साथ भारत-इजराइल व्यापार शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच असीमित संभावनाएं और क्षमताएं हैं। यह पहली बार है जब कोई भारतीय वाणिज्य मंत्री इजराइल की यात्रा कर रहा है। गोयल इजराइल में 60 सदस्यीय व्यापार प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। वह द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए नेताओं और कंपनी प्रमुखों से मिलेंगे। मंत्री ने कहा कि कई ऐसी चीजें हैं जो भारत को एक आकर्षक निवेश गंतव्य बनाते हैं। इनमें लोकतंत्र, जनसंख्या संबंधी लाभांश, डिजिटलीकरण, तेज गति विकास और निर्णायक नेतृत्व हैं।

अक्टूबर में स्थिर रहा आठ प्रमुख उद्योगों का उत्पादन

नई दिल्ली, एजेंसी

● वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी किए आंकड़े

रिफाइनरी उत्पादों तथा इस्पात के उत्पादन में वृद्धि तथा बिजली और कोयला उत्पादन में गिरावट के मिश्रित प्रभाव से अक्टूबर में आठ प्रमुख उद्योगों का उत्पादन इस साल अक्टूबर में सालाना आधार पर स्थिर रहा।

अगस्त 2024 के बाद पहली बार आठ प्रमुख उद्योगों का उत्पादन शून्य या उससे कम रहा है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा गुरुवार को जारी आंकड़ों में बताया कि अक्टूबर 2024 की तुलना में इस साल रिफाइनरी उत्पादों, उर्वरकों, इस्पात और सीमेंट का उत्पादन बढ़ा है जबकि कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस और बिजली के उत्पादन में गिरावट दर्ज की गयी है। रिफाइनरी का उत्पादन 4.6%, इस्पात का 6.7, सीमेंट का 5.3 और उर्वरकों का 7.4% बढ़ा है। वहीं, बिजली उत्पादन में 7.6 और कोयला उत्पादन में 8.5% की गिरावट आई। प्राकृतिक गैस का उत्पादन 5 और कच्चे तेल का 1.2% घट गया। इससे पहले, सितंबर 2025 में 8 प्रमुख उद्योगों के उत्पादन में 3.3 और पिछले साल अक्टूबर में 3.8% की गिरावट रही थी। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल से अक्टूबर की अवधि के लिए सालाना उत्पादन में 2.5% की वृद्धि हुई। इस्पात उत्पादन 10.3 प्रतिशत, सीमेंट उत्पादन 7.3, रिफाइनरी उत्पादों का उत्पादन 0.4 और उर्वरक उत्पादन 0.7% बढ़ा है। वहीं, कोयला उत्पादन में 2, कच्चा तेल में 1.1, प्राकृतिक गैस 3.1 और बिजली में 0.1% की गिरावट रही।

कृषि क्षेत्र 10 साल में 4% की वृद्धि बनाए रख सकता है : नीति सदस्य

नई दिल्ली। नीति आयोग के सदस्य रमेश चंद ने गुरुवार को कहा कि भारत का कृषि क्षेत्र 10 साल में आसानी से 4% की वृद्धि दर बनाए रख सकता है। उन्होंने साथ ही देश की गोदाम अवसंरचना को बेहतर बनाने की जरूरत पर जोर दिया।

उद्योग निकाय पीएचडीसीसीआई के कार्यक्रम में चंद ने कहा कि कृषि उत्पादों की मांग 2.5% की दर से बढ़ेगी। इसलिए, मुझे लगता है कि हम 10 साल में कृषि क्षेत्र में इस 4% की वृद्धि को आसानी से बनाए रख सकते हैं। भारत के कृषि क्षेत्र ने 2025-26 की पहली तिमाही के दौरान 3.7% की वृद्धि दर्ज की। चंद ने कहा, हमारे कृषि उत्पादों की मांग उस दर से नहीं बढ़ रही है। इन उत्पादों का इस्तेमाल उद्योग के लिए करें, या निर्यात बाजार के लिए करें।

व्यय के रिकॉर्ड को समान वर्गीकरण व्यवस्था अपनाएं

नई दिल्ली, एजेंसी

● केंद्र और राज्यों से लेखांकन और लेखा परीक्षा में एकरूपता लाने की कैग ने दी सलाह

नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) ने केंद्र और सभी राज्यों से सरकारी खर्चों को दर्ज करने के लिए मानक श्रेणियों का उपयोग शुरू करने को कहा है। इसका मकसद वित्त वर्ष 2027-28 तक पूरे देश में लेखांकन और लेखा परीक्षा में एकरूपता लाना है। कैग का यह कदम व्यय मदों को अलग-अलग दिखाने को लेकर राज्यों के बीच व्यापक अंतर को दूर करने का प्रयास है।

उप नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सरकारी लेखा) और चेयरपर्सन (जीएएसएबी) जयंत सिन्हा ने कहा कि यह मामला कई पक्षों का ध्यान आकर्षित कर रहा था। साथ ही विभिन्न अवधियों और राज्यों के साथ-साथ केंद्र सरकार के साथ तुलना को भी प्रभावित कर रहा था। कैग ने अलग-अलग स्तर पर व्यय मदों की एक सामान्य सूची अधिसूचित की है। इसे सामान्य तौर पर विभिन्न श्रेणियों में व्यय कहा जाता है। आर्थिक प्रकृति के व्यय को अलग दिखाने में व्यापक विभिन्न अवधियों और राज्यों के साथ केंद्र सरकार के साथ तुलनाओं को भी प्रभावित करती है। अतः, केंद्र और राज्य सरकारों के व्यय के वर्गीकरण के मानकीकरण की जरूरत महसूस की गई है।

कैग कार्यालय द्वारा शुरू की गई इस प्रक्रिया के तहत, नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक, कुछ राज्य सरकारों, लेखा महानियंत्रक और रक्षा लेखा महानियंत्रक के अधिकारियों को लेकर एक कार्यसमूह का गठन किया गया। कैग के कार्यालय ज्ञापन में कहा गया है, कार्यसमूह की सिफारिशों और इस मुद्दे पर वित्त मंत्रालय, व्यय विभाग, भारत सरकार के साथ बातचीत के आधार पर, यह निर्णय लिया गया है कि केंद्र सरकार और सभी राज्य सरकारों पर लागू एक समान व्यय मदों की संरचना लागू की जा सकती है। इसमें कहा गया कि केंद्र सरकार और राज्य सरकारों द्वारा लागू की जाने वाली सामान्य मदों की संशोधित सूची को तैयारियों के स्तर को ध्यान में रखते हुए अपनाया जा सकता है। तरजीही रूप से वित्त वर्ष 2027-28 से प्रभावी होना चाहिए।

सिन्हा ने कहा कि व्यय के वस्तु मदों को सुसंगत बनाने वाली कैग की अधिसूचना राज्यों के बजट और लेखा ढांचे को प्रभावित करने वाले दशकों पुराने मुद्दे का समाधान करेगी और राष्ट्रीय सार्वजनिक व्यय क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण सुधार होगा। विशेष रूप से राज्यों में सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन को मजबूत करना कैग की रणनीतिक योजना का एक प्रमुख हिस्सा है। उच्च गुणवत्ता वाले लेखा परीक्षण और लेखांकन के माध्यम से जवाबदेही, पारदर्शिता और सुशासन को बढ़ावा देने और सभी हितधारकों को स्वतंत्र आश्वासन प्रदान करने के कैग के मिशन का अभिन्न अंग है।

राष्ट्रीय

बुद्धिजीवी आतंकवादी बन रहे जो अधिक खतरनाक होते हैं

पुलिस ने टिप्पणी करते हुए आरोपियों की जमानत का किया विरोध

दिल्ली दंगा

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली पुलिस ने गुरुवार को फरवरी 2020 के दंगों के मामले में कार्यकर्ता उमर खालिद, शरजील इमाम और अन्य की जमानत याचिकाओं का विरोध करते हुए सुप्रीम कोर्ट में कहा कि जब बुद्धिजीवी आतंकवादी बन जाते हैं तो वे जमीनी स्तर पर गतिविधियां संचालित कर रहे आतंकवादियों से अधिक खतरनाक होते हैं। पुलिस ने कहा कि डॉक्टरों और इंजीनियरों का देश विरोधी कामों में शामिल होना अब एक चलन बन गया है।

दिल्ली पुलिस की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) एसवी राजू ने न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और एनवी अंजारिया की पीठ को बताया कि सुनवाई में देरी आरोपियों की वजह से हुई है और वे इसका फ़ायदा नहीं उठा सकते। राजू ने नागरिकता संशोधन कानून के ख़िलाफ़ इमाम के भड़काऊ भाषणों के वीडियो शीर्ष अदालत में दिखाए। वीडियो में इमाम को फरवरी 2020 में दिल्ली में हुए दंगों से पहले 2019 और 2020 में चाखंड, जामिया, अलीगढ़ और आसनसोल में भाषण देते हुए देखा गया। इमाम इंजीनियरिंग स्नातक है। राजू ने कहा कि यह कोई साधारण नहीं है। ये हिंसक प्रदर्शन हैं। वे नाकेबंदी की बात कर रहे हैं।

न्यायमूर्ति कुमार ने पूछा कि क्या भाषण आरोपपत्र का हिस्सा थे, जिसका राजू ने 'हां' में जवाब दिया। एएसजी ने कहा कि सीएए विरोधी प्रदर्शन को अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की भारत यात्रा के दौरान जानबूझकर किया गया था ताकि अंतर्राष्ट्रीय मीडिया का ध्यान आकर्षित किया जा सके। असल मकसद सत्ता परिवर्तन और अर्थव्यवस्था का गला घोंटना और देश में अराजकता पैदा करना था। खालिद, इमाम, गुलफिशा फातिमा, मीरान हैदर और रहमान पर गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) और पूर्ववर्ती भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के प्रावधानों के तहत 2020 के दंगों के मास्टरमाइंड होने के आरोप में मामला दर्ज किया गया था। दंगों में 53 लोग मारे गए थे और 700 से ज्यादा घायल हो गए थे। यह हिंसा नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) और राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) के खिलाफ बड़े पैमाने पर प्रदर्शन के दौरान भड़की थी।

अब 61 वर्ष में सेवानिवृत्ति होंगे न्यायिक अधिकारी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को मध्य प्रदेश के न्यायिक अधिकारियों की सेवानिवृत्ति की उम्र 60 से बढ़ाकर 61 वर्ष कर दी। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई, न्यायमूर्ति प्रसन्ना बी वराले और के. विनोद चंद्रन की पीठ ने एक अंतरिम आदेश में तेलंगाना हाईकोर्ट द्वारा लिए गए इसी तरह के एक फैसले का हवाला दिया। पीठ ने पूछा कि जब राज्य सरकार ऐसा करने को तैयार है तो न्यायिक अधिकारियों को राहत देने से क्यों इन्कार किया जाए। पीठ ने कहा कि यह कहने की जरुरत नहीं है कि न्यायिक अधिकारियों के साथ राज्य सरकार के अन्य कर्मचारी भी उसी सरकारी खजाने से वेतन प्राप्त करते हैं। पीठ ने कहा कि राज्य सरकार के अन्य कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति आयु 62 वर्ष है। न्यायालय ने कहा कि किसी भी मामले में हाईकोर्ट के न्यायाधीशों और जिला न्यायालय के न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति आयु में एक वर्ष का अंतर होता है। हाईकोर्ट के न्यायाधीश 62 वर्ष की आयु में सेवानिवृत्त होते हैं और अब मध्य प्रदेश में जिला न्यायालय के न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति आयु 61 वर्ष होगी।

राहुल के खिलाफ अधीनस्थ अदालत की कार्यवाही पर रोक की बढ़ी अवधि

सेना पर की टिप्पणी का मामला

सुप्रीम कोर्ट ने 2022 की भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भारतीय सेना के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणी से संबंधित एक मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ कार्यवाही पर रोक लगाने के अपने अंतरिम आदेश की अवधि को बृहस्पतिवार को चार दिसंबर तक बढ़ा दिया। न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने मामले की सुनवाई स्थगित करते हुए कहा कि स्थगन के लिए एक पत्र दिया गया है। यह पीठ गांधी की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें उन्होंने इस मामले में अधीनस्थ अदालत के समन आदेश को चुनौती देने वाली याचिका खारिज करने के इलाहाबाद हाईकोर्ट के 29 मई के आदेश को चुनौती दी है। शीर्ष अदालत ने चार अगस्त को लखनऊ की एक अदालत में लंबित मामले में आगे की कार्यवाही पर सुनवाई की अगली तारीख तक रोक लगा दी थी। पीठ ने गांधी से उनकी कथित टिप्पणी को लेकर पहले कहा था, आपको कैसे पता चला कि 2,000 वर्ग किलोमीटर जमीन पर चीनियों ने कब्जा कर लिया है? क्या आप वहां थे? क्या आपके पास कोई विश्वसनीय जानकारी है? उसने कहा, बिना किसी सबूत के आप ये बयान क्यों दे रहे हैं? अगर आप सच्चे भारतीय हैं, तो आप ऐसी बात नहीं कहेंगे।

दो विधायकों का मंत्री बनना पिता के सपने का सच होना : चिराग

पटना, एजेंसी

केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा)-रामविलास के प्रमुख चिराग पासवान ने बृहस्पतिवार को कहा कि बिहार की नई सरकार में उनकी पार्टी के दो विधायकों को जगह मिलना एक बड़ी जीत है, जिसका सपना उनके दिवंगत पिता राम विलास पासवान ने देखा था।

चिराग ने कहा कि चुनावी जनादेश ने पार्टी पर विकसित बिहार की दिशा में काम करने की बड़ी जिम्मेदारियां भी सौंपी हैं। आज का दिन राम विलास पासवान जी को याद करने का है और बिहार को विकसित बनाने के लिए काम करने का है। यह बड़ा दिन है और इस दिन मैं सबसे पहले अपने नेता व पिता माननीय राम विलास पासवान जी को याद करता हूं। लोजपा (रामविलास) ने विधानसभा चुनाव में 19 सीट पर जीत हासिल की, जिनमें से संजय कुमार और संजय कुमार सिंह ने गुरुवार को मंत्री पद की शपथ ली। चिराग ने कहा कि मुझे पता है कि आज वह (राम विलास पासवान) सबसे ज्यादा खुश होते, जिस ऊंचाई पर वह हमारी पार्टी को देखना चाहते थे, आज पार्टी वहां पहुंची है। आज हमारी पार्टी के दो मंत्रियों ने शपथ ली। परिणाम बताते हैं कि पार्टी ने निश्चित रूप से बड़ी जीत हासिल की है। और मेरा मानना है कि बड़ी जीत के साथ बड़ी जिम्मेदारियां भी आती हैं। मैं उन जिम्मेदारियों से पूरी तरह अवगत हूं।

उन्होंने कहा कि पार्टी अब अपने विजन को पूरा करने के लिए युद्धस्तर पर काम शुरू करेगी। चिराग ने कहा कि आज से ही विकसित बिहार बनाने, बिहार को प्रथम और बिहारी को प्रथम बनाने की दिशा में हम तुरंत कार्य शुरू करेंगे। राजग सरकार में भाजपा के 89, जदयू के 85, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के 19, हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) के पांच और राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमा) के चार विधायक शामिल हैं।

नीतीश मंत्रिपरिषद में हुई जातीय संतुलन साधने की कोशिश

पटना। जनता दल-यूनाइटेड (जदयू) के प्रमुख नीतीश कुमार ने दसवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली और नई मंत्रिपरिषद में जातीय आधार पर संतुलन साधने की पूरी कोशिश की गई है। मंत्रिपरिषद में भाजपा से जहां 14 मंत्री हैं, वहीं जदयू को आठ मंत्री पद मिले हैं। लोजपा (रामविलास) को दो तथा राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) और हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (हम) को एक-एक मंत्री पद मिला है। मंत्रिपरिषद में ब्राह्मण समुदाय की हिस्सेदारी में काफी कमी देखने को मिली है। पिछली मंत्रिपरिषद में भाजपा ने मंगल पांडे और नीतीश मिश्रा को शामिल किया था, लेकिन इस बार भाजपा और जदयू ने ब्राह्मण प्रतिनिधित्व को आधे से भी कम कर दिया है। भाजपा की ओर से केवल मंगल पांडे को जगह मिली है। राजपूत समुदाय को इस बार सर्वाधिक प्रतिनिधित्व मिला है। भाजपा ने संजय सिंह टाइगर, श्रेयसी सिंह, लेसी सिंह और संजय सिंह जैसे चार नेताओं को शामिल कर अपने पारंपरिक समर्थन आधार को मजबूत करने का संकेत दिया है। भूमिहार समुदाय के दो प्रमुख चेहरों में विजय कुमार सिन्हा और विजय चौधरी के माध्यम से गठबंधन ने संतुलन बरकरार रखा है। इससे यह संदेश गया है कि यह समुदाय अब भी सत्ता समीकरण में महत्वपूर्ण है। कायस्थ समुदाय का प्रतिनिधित्व शहरी राजनीति के संदर्भ में महत्वपूर्ण माना जाता है। भाजपा ने नितिन नवीन को मंत्री बनाकर राजधानी पटना तथा शिक्षित मध्यमवर्गीय मतदाताओं के बीच अपनी पकड़ मजबूत करने का प्रयास किया है।

बिहार की नई सरकार विकसित भारत में देगी योगदान: जयशंकर

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को रिकॉर्ड 10वीं बार शपथ लेने पर बधाई दी और कहा कि उन्हें भरोसा है कि राज्य में नई राजग सरकार राज्य की तरक्की को तेज़ करेगी और देश को विकसित भारत बनाने में मदद करेगी। विदेश मंत्री ने एक्स पर पोस्ट किया कि नीतीश कुमार को बिहार के मुख्यमंत्री के तौर पर पुनः शपथ लेने पर दिल से बधाई। उप मुख्यमंत्रियों सम्राट चौधरी, विजय कुमार सिन्हा और आज पद संभालने वाले सभी मंत्रियों को शुभकामनाएं। मुझे विश्वास है कि नयी राजग सरकार बिहार की तरक्की को तेज़ करेगी और विकसित भारत की हमारी यात्रा में योगदान देगी।

नई सरकार लोगों की अपेक्षाओं पर खरा उतररक वादों को करे पूरा : तेजस्वी

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी प्रसाद यादव ने जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के लिए बधाई दी और कहा कि उन्हें उम्मीद है कि नई सरकार जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरते हुए अपने वादों और घोषणाओं को पूरा करेगी। नीतीश कुमार के शपथ ग्रहण कार्यक्रम में विपक्षी दलों का कोई प्रमुख नेता शामिल नहीं हुआ। तेजस्वी ने एक्स पर नीतीश कुमार को बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर हार्दिक बधाई। राजद नेता ने कहा, नई सरकार जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरते हुए वादों और घोषणाओं को पूरा करेगी तथा लोगों के जीवन में सकारात्मक और गुणात्मक परिवर्तन लाएगी।

हिंसा छोड़कर मुख्यधारा से जुड़ रहे नक्सली : मुर्मू

अंबिकापुर, एजेंसी

● छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर में जनजातीय गौरव दिवस समारोह को राष्ट्रपति ने किया संबोधित

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को कहा कि नक्सली हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा में शामिल हो रहे हैं तथा केंद्र और राज्य सरकारों के प्रयासों से वामपंथी उग्रवाद का उन्मूलन संभव होगा। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले के मुख्यालय अंबिकापुर में जनजातीय गौरव दिवस समारोह में मुर्मू ने कहा कि आदिवासी समाज को दूसरे अन्य समाजों के साथ कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ना चाहिए।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश में वामपंथी उग्रवाद का रास्ता छोड़कर लोग विकास की मुख्यधारा से जुड़ रहे हैं। केंद्र और राज्य सरकारों के सुविचारित और सुसंगठित प्रयासों से निकट भविष्य में ही वामपंथी उग्रवाद का उन्मूलन संभव हो जाएगा। यह एक बहुत ही संतोषजनक बदलाव है। राष्ट्रपति ने कहा कि 1.65 लाख से अधिक प्रतिभागियों ने हाल ही में आयोजित बस्तर ओलंपिक में हिस्सा लिया। यह बहुत खुशी की बात है। उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है जनजातीय महानायकों के आदर्शों पर चलते हुए, छत्तीसगढ़ के निवासी सशक्त, आत्मनिर्भर और विकसित भारत के निर्माण में अमूल्य योगदान देंगे। मुर्मू ने कहा कि महिलाएं समाज की धरोहर हैं और जब महिलाएं आगे बढ़ती हैं तो समाज आगे बढ़ता है।

मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में भारतीय महिला विश्व कप जीतने वाली क्रिकेट टीम के साथ हाल ही में हुई मुलाकात को याद करते हुए आदिवासी महिला क्रिकेटर क्रांति गौड़ की तारीफ की। मातृ-शक्ति या महिला-शक्ति के स्मरण से मुझे विश्व विजेता भारतीय महिला क्रिकेट टीम की याद आई। उन सभी बेटियों से मैं हाल ही में राष्ट्रपति भवन में मिली थी। जनजातीय समाज की बेटी क्रांति गौड़ ने उस टीम में अपना विशेष स्थान बनाया है।

दिल्ली में एक्यूआई बेहद खराब

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रीय राजधानी में हवा की गुणवत्ता सातवें दिन भी बेहद खराब रही। गुरुवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 398 रहा। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के समीर एप के अनुसार, 40 में से 21 केंद्रों पर एक्यूआई गंभीर श्रेणी में दर्ज किया गया। डीटीयू, बुराड़ी, चांदनी चौक, आनंद विहार, मुंडका, ओखला, बवाना और वजीरपुर उन केंद्रों में थे जहां एक्यूआई 400 से ऊपर रहा। गुरुवार को न्यूनतम तापमान 11.4 डिग्री रहा, अधिकतम 27 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है।

वर्ल्ड ब्रीफ

ट्रंप ने किए एपस्टीन की फाइलें जारी करने के विधेयक पर हस्ताक्षर

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को उस विधेयक पर हस्ताक्षर कर दिए, जो उनके प्रशासन को यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन से संबंधित फाइल सार्वजनिक करने के लिए बाध्य करता है। ट्रंप ने लंबे समय तक इसका विरोध किया था लेकिन अंततः अपनी ही पार्टी के राजनीतिक दबाव के आगे झुक गए। उन्होंने सोशल मीडिया पर इस विधेयक पर हस्ताक्षर करने की घोषणा करते हुए लिखा, डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता एपस्टीन मुद्दे का इस्तेमाल कर रहे हैं ताकि हमारी अद्भुत सफलताओं से ध्यान भटकाया जा सके। अब इस विधेयक के तहत न्याय विभाग को एपस्टीन से जुड़ी सभी फाइल, संचार और 2019 में एक संघीय जेल में उसकी मौत की जांच से संबंधित जानकारी 30 दिन के भीतर जारी करनी होगी।

भारत-पाकिस्तान की नौसेना के जहाज कोलंबो बंदरगाह पहुंचे

कोलंबो। श्रीलंकाई नौसेना ने बृहस्पतिवार को एक बयान में बताया कि भारतीय नौसेना का जहाज आईएनएस सुकन्या 'ऑपरेशनल टर्नअराउंड' के लिए कोलंबो बंदरगाह पहुंच चुका है। 'ऑपरेशनल टर्नअराउंड' का अर्थ उस प्रक्रिया से है जिसमें किसी जहाज को अभियानगत कार्यों को पूरा करने के बाद फिर तैयार किया जाता है, ताकि वह आगे की यात्रा या मिशन के लिए पुनः उपयोग में लाया जा सके। आईएनएस सुकन्या मंगलवार को कोलंबो पहुंचा, जहां श्रीलंका की नौसेना ने परंपराओं के मुताबिक उसका स्वागत किया। आईएनएस सुकन्या कमांडर संतोष कुमार वर्मा की कमान में कोलंबो पहुंचा। इस जहाज की लंबाई 101 मीटर है। इस बीच, उसी दिन ईंधन भरवाने के लिए श्रीलंका पहुंचा पाकिस्तानी नौसेना का जहाज सैफ बुधवार को रवाना हो गया।

दक्षिण कोरिया में 267 यात्रियों को ले जा रहा जहाज समुद्र में फंसा

सोल। दक्षिण कोरिया के पश्चिमी समुद्री क्षेत्र में बुधवार को 267 यात्रियों को ले जा रहा एक यात्री जहाज फंस गया। समाचार एजेंसी योनहास के मुताबिक कल रात 8:17 बजे तट रक्षक बल को सूचना मिली कि 246 यात्रियों और 21 चालक दल के सदस्यों को लेकर जा रहा जहाज राजधानी सोल से लगभग 310 किमी दक्षिण-पश्चिम में सिनान काउंटी के एक द्वीप के पास फंस गया है। यह जहाज दक्षिणी रिसॉर्ट द्वीप जेजू से रवाना होकर दक्षिण-पश्चिमी बंदरगाह शहर मोकपो की ओर जा रहा था।

जेसीएम न्यायसंगत जलवायु कार्रवाई के लिए बना सबसे महत्वपूर्ण साधन

सीओपी 30 में भारत ने रखा पक्ष, कहा- उत्सर्जन न्यूनीकरण में ये ढांचा सफल

बेलेम (ब्राजील), एजेंसी

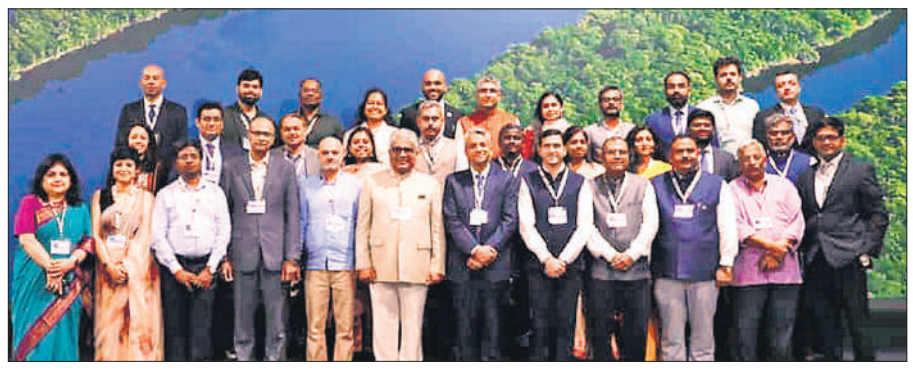

ब्राजील के बेलेम में आयोजित सीओपी 30 सम्मेलन में पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव की अगुवाई में पहुंचा भारतीय दल।

भारत ने कहा कि संयुक्त क्रेडिटिंग तंत्र (जेसीएम) वैश्विक स्तर पर न्यायसंगत एवं व्यापक जलवायु कार्रवाई को आगे बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण साधन बनकर उभरा है। यह उन्नत निम्न कार्बन प्रौद्योगिकियों को तेजी से अपनाने की क्षमता रखता है और भारत के उत्सर्जन लक्ष्यों को समर्थन दे सकता है।

पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने बुधवार को कहा कि यहां सीओपी 30 के इतर 11वें जेसीएम साझेदार देशों की बैठक में कहा, जेसीएम जैसे तंत्र जलवायु कार्रवाई को मजबूत करने के साथ-साथ राष्ट्रीय प्राथमिकताओं विशेषकर विकासशील देशों के हितों को भी समर्थन देते हैं। जेसीएम जैसे सहयोगी ढांचे भारत की तरह देशों की विकास प्राथमिकताओं के अनुरूप वैश्विक उत्सर्जन न्यूनीकरण प्रयासों को मजबूत करते हैं।

पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि जेसीएम अनुच्छेद 6 के सहयोगात्मक ढांचे के अनुरूप है और सरकारों तथा निजी क्षेत्र को संयुक्त रूप से उत्सर्जन-न्यूनन परियोजनाएं विकसित करने, वित्त जुटाने, उन्नत तकनीक लागू करने और उत्सर्जन कटौती को पारदर्शी ढंग से आवंटित करने का मार्ग प्रदान करता है। भूपेंद्र यादव ने सभी देशों से जेसीएम को पारदर्शी, प्रभावशाली और न्यायसंगत जलवायु साझेदारी का मॉडल बनाने की अपील की। संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन रूपरेखा सम्मेलन के अंतर्गत होने वाले वार्षिक सीओपी30 में 190 से अधिक देशों के वार्ताकार भाग ले रहे हैं। सीओपी30 का आयोजन ब्राजील के अमेजन क्षेत्र के बेलेम में 10 से 21 नवंबर तक हो रहा है।

जेसीएम में 31 देश साझीदार, 280 परियोजनाएं

सत्र की अध्यक्षता करने वाले जापान के पर्यावरण मंत्री हिरोताका इशिहारा ने बताया कि जेसीएम अब 31 साझेदार देशों तक विस्तृत हो गया है और पेरिस समझौते के अनुच्छेद 6 के तहत 280 से अधिक परियोजनाएं लागू की जा रही हैं। जापान का लक्ष्य है कि इस सहयोग को दीर्घकालिक निवेश, क्षमता निर्माण और लचीलापन परियोजनाओं के माध्यम से और बढ़ाया जाए। भारत और जापान ने इस वर्ष अगस्त में जेसीएम पर एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे। जेसीएम एक तंत्र है जिसमें भारत और जापान जैसे देश मिलकर कम-कार्बन तकनीक वाली परियोजनाएं लगाते हैं। इन परियोजनाओं से होने वाली उत्सर्जन कमी को दोनों देश क्रेडिट के रूप में बांटते हैं ताकि अपने-अपने जलवायु लक्ष्यों को पूरा कर सकें। यह स्वच्छ तकनीक, निवेश और सहयोग को बढ़ावा देता है।

लूला के साथ जीवाश्म ईंधन के खात्मे पर चर्चा

बेलेम। ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा ने संयुक्त राष्ट्र सीओपी30 जलवायु शिखर सम्मेलन में पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव के नेतृत्व वाले भारतीय प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की और उन जरूरी मुद्दों पर चर्चा की जिन पर वार्ताकार अंतिम रूपरेखा तैयार करने के लिए गहन चर्चा कर रहे हैं। दोनों पक्षों ने मुख्य रूप से जीवाश्म ईंधन पर एक संभावित रूपरेखा को लेकर चर्चा की और पता लगाया कि क्या इस शिखर सम्मेलन में इससे जुड़ा कोई खाका पेश किया जा सकता है। राष्ट्रपति सीओपी30 में इस विषय पर काफी जोर दे रहे हैं। बंद कमरे में हुई यह बैठक करीब 20 मिनट चली और इस बातचीत के दौरान दोनों तरफ के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

अमेरिका में कुशल प्रवासियों का स्वागत, इस पर आलोचना झेलने को तैयार : ट्रंप

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह ऐसे कुशल प्रवासियों का देश में स्वागत करेंगे जो अमेरिकी श्रमिकों को चिप और मिसाइल जैसे जटिल उत्पाद बनाने की तकनीक सिखाएंगे। ट्रंप ने यह भी माना कि इस मुद्दे पर उन्हें अपने उस समर्थक वर्ग से थोड़ी आलोचना झेलनी पड़ सकती है, जो कड़ी आव्रजन पाबंदियों का समर्थन करता है।

ट्रंप ने बुधवार को अमेरिका-सऊदी अरब निवेश मंच को संबोधित करते हुए कहा कि अमेरिका में बड़ी संख्या में संयंत्र बन रहे हैं जिनमें कई बेहद जटिल कार्यों से जुड़े हैं और वे देश की आर्थिक वृद्धि में बड़ा योगदान देंगे। उन्होंने कहा कि चूंकि इन संयंत्रों में टेलीफोन, कंप्यूटर और मिसाइल जैसे अत्यधिक जटिल उत्पाद बनाए जाएंगे इसलिए कंपनियों को विदेशों से कुशल कर्मियों को लाना होगा जो अमेरिकी श्रमिकों को प्रशिक्षण दे सकें।

नेपाल: जेन जी फिर आक्रामक बारा जिले में दोबारा लगा कर्फ्यू

काठमांडू, एजेंसी

- **ओली की पार्टी के कार्यकर्ताओं से झड़प में 10 घायल, आगजनी और गोलीबारी भी हुई**

नेपाल के एक जिले में बृहस्पतिवार को उस समय नए सिरे से तनाव पैदा हो गया, जब जेन जी के युवाओं की अपदस्थ प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की पार्टी के सदस्यों के साथ झड़प में 10 लोग घायल हो गए। इसके बाद अधिकारियों को भारत की सीमा से लगे नेपाल के बारा जिले में स्थिति को नियंत्रित करने के लिए फिर से कर्फ्यू लगाना पड़ा।

'काठमांडू पोस्ट' की अखबार के अनुसार, बारा जिले के सिमारा चौक पर उस समय तनाव बढ़ गया जब युवक ओली की पार्टी सीपीएन-यूएमएल के कार्यकर्ताओं के साथ झड़प के एक दिन बाद सड़कों पर लौट आए। उन्होंने पुलिस पर बुधवार की झड़पों को लेकर अपनी शिकायत में नामित व्यक्तियों को गिरफ्तार नहीं करने का आरोप लगाया। प्रदर्शनकारी पूर्वाह्न 11 बजे से सिमारा चौक पर एकत्र हुए। बारा में प्रशासन ने जान-माल के संभावित नुकसान को रोकने के लिए दोपहर एक बजे से रात आठ बजे तक कर्फ्यू लगा दिया था। समाचार पोर्टल 'खबरहब' के अनुसार, हालांकि, निषेधाज्ञा लागू नहीं हो पाई और प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतर आए और पुलिस से भिड़ गए।

प्रदर्शनकारियों द्वारा कर्फ्यू का उल्लंघन किए जाने और आगे बढ़ने पर अधिकारियों ने आंसू गैस के छह गोले दागे और हवा में दो चक्र गोलियां चलाईं।कहा गया, प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षाबलों पर पथराव भी किया, जिसमें छह पुलिसकर्मी घायल हो गए, जबकि जेन जी के चार प्रदर्शनकारियों के भी घायल होने की खबर है। पोर्टल के अनुसार, एक अलग घटना में, जेन जी के प्रदर्शनकारियों ने सिमारा बाजार में पुलिस चौकी में आग लगा दी। प्रदर्शनकारियों ने यूएमएल कार्यालय का सामान भी हटा दिया और उसे आग लगा दी। उन्होंने पुलिस पर पहले हुई झड़पों में शामिल यूएमएल कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार करने में आनाकानी करने का आरोप लगाया।

350% टैरिफ लगाने की धमकी दी तो मोदी-शरीफ ने मुझे किया फोन

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

- **ट्रंप ने एक बार फिर किया भारत पाकिस्तान युद्ध रुकवाने का दावा**

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि उन्होंने भारत एवं पाकिस्तान को 350 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी देकर उनके बीच जारी हमलों को रुकवाया था और इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें फोन करके कहा था कि 'हम युद्ध नहीं करेंगे।' ट्रंप अब तक 60 से अधिक बार इस दावे को दोहरा चुके हैं कि उन्होंने इस साल मई में भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव शांत करने में मदद की जबकि भारत किसी तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप के दावे को लगातार नकारता रहा है।

ट्रंप ने बुधवार को कहा, ...मैं झगड़े सुलझाने में अच्छा हूं और हमेशा से ऐसा रहा हूं। मैंने पिछले कुछ साल में, यहां तक कि इससे पहले भी इस दिशा में बहुत अच्छा काम किया है। मैं अलग-अलग लड़ाइयों के बारे में बात कर रहा हू।. भारत, पाकिस्तान परमाणु हथियारों से हमले करने वाले थे। ट्रंप ने 'अमेरिका-सऊदी निवेश मंच' में दावा किया कि उन्होंने परमाणु हथियार रखने वाले दोनों पड़ोसी देशों से कहा था कि वे युद्ध जारी रख सकते हैं लेकिन मैं दोनों देशों पर 350 प्रतिशत टैरिफ लगा रहा हूं। 'अमेरिका-सऊदी निवेश मंच' में सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान भी शामिल हुए। ट्रंप के अनुसार, उन्होंने दोनों देशों से कहा था, मैं नहीं चाहता कि आप लोग एक-दूसरे के खिलाफ परमाणु हथियार का इस्तेमाल करें, लाखों लोगों को मारें और लॉस एंजिलिस पर परमाणु धूल उड़े। ट्रंप ने दावा किया कि भारत और पाकिस्तान दोनों ने उनसे ऐसा नहीं करने के लिये कहा था। प्रधानमंत्री मोदी ने फोन करके कहा, हम युद्ध नहीं करेंगे। इसके बाद उन्होंने मोदी को धन्यवाद दिया।

अब सूडान में गृहयुद्ध समाप्त कराएंगे ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को कहा कि वह अब सूडान में जारी भीषण गृहयुद्ध को समाप्त करने में मदद पर अधिक ध्यान देने की योजना बना रहे हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि उन्होंने मंगलवार को व्हाइट हाउस में सऊदी अरब के शासक के साथ हुई विस्तृत बातचीत में सूडान के गृहयुद्ध पर चर्चा की। क्राउन प्रिंस ने उनसे अनुरोध किया कि वह अपने पद की शक्ति व प्रभाव का उपयोग कर युद्ध को समाप्त करने में मदद करें। सूडान पर नियंत्रण के लिए जारी संघर्ष में 40,000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और 1.4 करोड़ से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं, जिससे यह विश्व का सबसे बड़ा मानवीय संकट बन गया है।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच सहयोग के सभी क्षेत्रों में उल्लेखनीय विस्तार

नई दिल्ली, एजेंसी

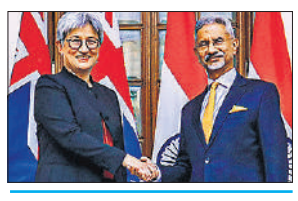

- **ऑस्ट्रेलियन समकक्ष पेनी वॉन्ग के साथ बैठक में बोले जयशंकर**

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच सहयोग के सभी क्षेत्रों में उल्लेखनीय विस्तार हुआ है, जिनमें व्यापार तथा निवेश, रक्षा तथा सुरक्षा, शिक्षा तथा कौशल, विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी और अंतरिक्ष तथा ऊर्जा शामिल हैं। जयशंकर ने ऑस्ट्रेलिया की अपनी समकक्ष पेनी वॉन्ग के साथ यहां 16वीं भारत-ऑस्ट्रेलिया विदेश मंत्रियों की रूपरेखा वार्ता की अध्यक्षता की।

जयशंकर ने अपने प्रारंभिक वक्तव्य में कहा, हम अपने प्रधानमंत्रियों को जो सिफारिशें देंगे, वे उनके लिए महत्वपूर्ण होंगी, जिन्हें वे शीघ्र ही मिलने पर संज्ञान में रखेंगे। जयशंकर की यह टिप्पणी इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दक्षिण अफ्रीका द्वारा आयोजित 20वें जी-20 समूह के नेताओं के शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए 21 से 23 नवंबर तक जोहान्सबर्ग की यात्रा पर रहेंगे। इसके अलावा, ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज की वेबसाइट पर जारी एक बयान के अनुसार वह 20 से 22 नवंबर तक जी-20 समूह के नेताओं के वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग की यात्रा करेंगे। कहा गया है कि दक्षिण अफ्रीका में रहते हुए, अल्बनीज ऑस्ट्रेलिया के आर्थिक और रणनीतिक हितों को आगे बढ़ाने के लिए विश्व के अन्य नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी करेंगे।

बांग्लादेश में सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम सरकार की बहाली का आदेश दिया

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के उच्चतम न्यायालय ने किसी राजनीतिक दल के प्रति झुकाव नहीं रखने वाली अंतरिम सरकार को बहाल करने का बृहस्पतिवार को आदेश दिया। प्रधान न्यायाधीश सैयद रेफात अहमद के नेतृत्व वाली उच्चतम न्यायालय के शीर्ष अपीलीय प्रभाग ने यह आदेश जारी किया। इस आदेश में पिछले संवैधानिक प्रावधान को बहाल किया, जिसे अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग सरकार के दौरान रद्द कर दिया गया था। हालांकि, उच्चतम न्यायालय के फैसले में इस प्रणाली को धीरे-धीरे लागू करने की बात कही गई है। शीर्ष अदालत ने कहा कि यह योजना 13वें संसदीय चुनावों पर लागू नहीं होगी, जिससे अब प्रतिबंधित हो चुकी अवामी लीग चुनाव की दौड़ से बाहर हो जाएगी।

विविध

मैनुअल तरीके से कार्य करना कोर्ट के निर्देशों की अवहेलना

विधि संवाददाता, प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जमानत मामलों में आवश्यक रिपोर्ट और निर्देश प्राप्त करने में होने वाली लंबी देरी पर नाराज़गी जताते हुए स्पष्ट किया कि तकनीकी सुविधा उपलब्ध होने के बावजूद प्रक्रिया का मैनुअल ढंग से चलना न सिर्फ "अदालत के निर्देशों की अवहेलना" है, बल्कि आपराधिक न्याय प्रशासन में अनावश्यक विलंब भी पैदा करता है। कोर्ट ने इस स्थिति को "चिंताजनक" करार देते हुए कहा कि आज के तकनीकी दौर में जब आईसीजेएस और सीसीटीएनएस प्रणाली देश भर में लागू है, तब भी जमानत मामलों में पुलिस से निर्देश आने में दो सप्ताह से अधिक समय लगना बेहद अप्रासंगिक और अनुचित है। उक्त टिप्पणी न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल की एकलपीठ ने रतवर सिंह की जमानत याचिका पर विचार करते हुए की। मौजूदा मामले में अपर शासकीय अधिवक्ता ने कोर्ट को बताया कि 10 नवंबर को नोटिस मिलने के बावजूद संबंधित थाने से अब तक निर्देश नहीं मिल सके। कोर्ट ने तत्काल जांच की प्रक्रिया समझने के लिए अभियोजन निदेशालय के संयुक्त निदेशक (प्रभारी) धनंजय त्रिपाठी को बुलाया।

मनुष्य के लिए वस्तुगत विशेषण प्रयुक्त करना निंदनीय: हाईकोर्ट

विधि संवाददाता, प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मुज़फ्फरनगर पुलिस द्वारा एक लड़की को कोर्ट के स्पष्ट स्टे आदेश के बावजूद हिरासत में लेने और उसे केस डायरी में "कब्ज़ा पुलिस लिया जाता है" लिखकर 'कब्ज़े' में दिखाने पर तीखी नाराज़गी व्यक्त की है। कोर्ट ने कहा कि ऐसा रवैया 21वीं सदी में बिल्कुल अस्वीकार्य है। 'कब्ज़ा' शब्द वस्तुओं के लिए प्रयुक्त होता है, मनुष्यों के लिए नहीं। किसी व्यक्ति पर कब्ज़ा दिखाना न सिर्फ कानून का अपमान है बल्कि सभ्य समाज में घोर निंदनीय मानसिकता को दर्शाता है। कोर्ट ने पुलिस की इस कार्रवाई की तुलना अमेरिका के एक प्रसिद्ध मामले ड्रेड स्कॉट बनाम सैंडफोर्ड से करते हुए कहा कि यह सोच दर्शाती है कि संबंधित अधिकारी मानवाधिकारों की बुनियादी समझ से भी दूर हैं। कोर्ट ने मामले में राष्ट्रीय महिला आयोग, स्कूल प्रधानाचार्य और जांच अधिकारी को पक्षकार बनाते हुए व्यापक जांच का आदेश दिया है। उक्त आदेश न्यायमूर्ति जे.जे. मुनीर और न्यायमूर्ति संजीव कुमार की खंडपीठ ने श्रीमती सानिया और अन्य की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर सुनवाई करते हुए पारित किया।

कुशाग्र हत्याकांड में वैज्ञानिक की गवाही दर्ज, शिवा को पहचाना

कानपुर। कुशाग्र हत्याकांड में गुरुवार को एडीजे 11 सुभाष सिंह की कोर्ट में 10 वें गवाह विधि विज्ञान प्रयोगशाला के वैज्ञानिक डा. प्रवीण श्रीवास्तव की गवाही और जिरह हुई। डॉ.ने अपनी जिरह में बताया कि घर पर फिरौती वाला पत्र डालने वाला शिवा ही था। मामले में शुक्रवार को विवेचक को गवाही के लिए तलब किया गया है। 30 अक्तूबर 2023 को जयपुरिया स्कूल के कक्षा 11 के छात्र कुशाग्र कनोडिया की कोचिंग जाते समय अपहरण कर हत्या कर दी गई थी। इस हत्याकांड में पूर्व ट्यूशन टीचर रचिता वत्स, उसका प्रेमी प्रभात शुक्ला, और सहयोगी शिवा गुप्ता को गिरफ्तार किया गया था। आरोपियों की निशानदेही पर शव प्रभात शुक्ला के घर से बरामद किया गया था। एडीजीसी भास्कर मिश्रा ने बताया कि कन्नौज में तैनात वैज्ञानिक डॉ. प्रवीण श्रीवास्तव से रचिता, शिवा और प्रभात के अधिवक्ताओं ने जिरह की। इस दौरान वैज्ञानिक ने साबित किया कि गला घोंटकर हत्या करने के मामले में कई बार हाईट बोन नहीं टूटती है। स्कूटी से शिवा पत्र डालने आया था। उस स्कूटी की गद्दी जहां पर फटी है, वहीं सीसीटीवी में दिख रही है। डालने वाला लड़का शिवा ही है। स्कूटी में नंबर प्लेट से छेड़छाड़ की गई है। नंबर में एक्स को ई बनाया गया था। वैज्ञानिक की जिरह और गवाही पूरी हो गई।

पुलिस टीम पर हमला, दो दरोगा और सिपाही घायल

बल्दीराय, सुलतानपुर। हलियापुर थाना क्षेत्र के डोभियारा लाला का पुरवा गांव में गुरुवार को एक आरोपी को पकड़ने गई अयोध्या के कुमारगंज थाना पुलिस पर आरोपी व उसके परिवार के लोगों ने हमला कर दिया। हमले में दो दरोगा व एक सिपाही घायल हो गए। आरोप है कि हमलावरों ने एक दारोगा को बंधक बनाया, बाद में उसकी सरकारी पिस्टल छीनकर फरार हो गए। घटना के बाद सक्रिय हुई सुल्तानपुर, अयोध्या व अमेठी जिले की पुलिस आरोपियों की तलाश में दबिश दे रही है।

चार दिन पहले कुमारगंज निवासी एक व्यक्ति पर तमंचे से जानलेवा हमला हुआ था। पीड़ित की तहरीर पर थाना कुमारगंज पुलिस ने आदर्श सिंह निवासी डोभियारा लाला का पुरवा समेत दो नामजद और दो अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या के प्रयास सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया था। थाने के उप निरीक्षक अकील हुसैन व भानु प्रताप शाही और कांस्टेबल उमेश गौतम आदर्श को गिरफ्तार करने के लिए गुरुवार को उसके गांव गए तो वहां पहले से मौजूद आरोपी आदर्श व दशरथ सिंह समेत करीब 24 लोगों ने पुलिस टीम पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया।

बाराबंकी में चार दिन रहेगा रूट डायवर्जन

बाराबंकी: अमृत विचार। अयोध्या में 25 नवंबर को श्रीराम मंदिर ध्वजारोहण समारोह के मद्देनज़र बाराबंकी में 23 से 26 नवंबर तक डायवर्जन लागू रहेगा। भारी वाहनों को अयोध्या की ओर जाने से प्रतिबंधित किया गया है। अयोध्या की ओर जाने वाले वाहन चौपुला तिराहे से रामनगर तिराहे की ओर जाएंगे। वहां से ये वाहन मसौली, रामनगर, चौकाघाट होकर जरवल रोड-बहराइच के रास्ते करनैलगंज-गोण्डा की ओर जाएंगे। थाना सफदरगंज में वाहन सफदरगंज चौराहे से बदोसरांय होते हुए चौकाघाट, फिर जरवल रोड-बहराइच से करनैलगंज-गोण्डा की ओर जाएंगे। उधौली से वाहनों को तहसील सिरौली गौसपुर होते हुए बदोसरांय-रामनगर-चौकाघाट-जरवल रोड होकर बहराइच-करनैलगंज-गोण्डा मार्ग पर भेजा जाएगा।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति: 21 नवंबर, शुक्रवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, प्रतिपदा 14.47 तक तत्पश्चात द्वितीया।

आज का पंचांग

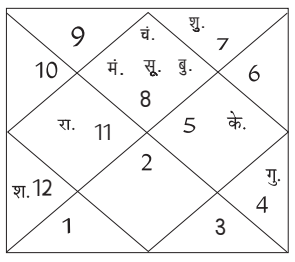

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल-वृषभ, मिथुन, कन्या, वृश्चिक, मकर, कुंभ।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-अनुराधा 13.56 तक तत्पश्चात ज्येष्ठा।

मेष - आज व्यर्थ के कार्यों में धन खर्च हो सकता है। अनावश्यक बातों पर त्वरित प्रतिक्रिया न दें। कार्यक्षेत्र को लेकर थोड़े तनाव में हो सकते हैं। अपनी बातों को अच्छी तरह रख नहीं पाएंगे। म्युचुअल फंड आदि में किया गया निवेश लाभकारी सिद्ध होगा।

वृष - आज सरकारी कार्यों में आपको सफलता मिलेगी। थोड़ी मेहनत से आपको अधिक अच्छे परिणाम मिल जाएंगे। पैतृक कारोबार में विस्तार हो सकता है। घर में किसी प्रकार के मांगलिक कार्यक्रम हो सकते हैं। रूठे मित्रों को मनाने के लिए दिन अनुकूल है।

मिथुन - आज आयात-निर्यात संबंधी कारोबार में वृद्धि होगी। अधिकारी आपसे अप्रसन्न हो सकते हैं। गुप्त शत्रुओं से सावधान रहें। परिजन आपकी बातों का गलत मतलब निकाल सकते हैं। कार्यक्षेत्र में किसी महिला सहकर्मी से झगड़ा हो सकता है।

कर्क - आज व्यवसाय में नए अनुबंध करने को लेकर सावधानी रखें। प्रेमी जन से अपने दिल की बात शेयर कर सकते हैं। उच्च शिक्षा में उत्तम परिणाम मिलने से मन उत्साहित रहेगा। आयात-निर्यात से जुड़े व्यवसाय में बड़ा धन लाभ होगा। बच्चे अपनी गलतियों में सुधार करेंगे।

सिंह - आज अनजाने लोगों से ऑनलाइन लेनदेन सावधानी पूर्वक करें। गूढ़ आध्यात्मिक चर्चाओं में सम्मिलित हो सकते हैं। छोटे उद्योगों में घाटा हो सकता है। होटल कारोबारियों के व्यापार में कमी होने की आशंका है। दूसरों के मामलों में टांग न अड़ाएं।

कन्या - आज आपके सम्मान में वृद्धि होगी। रुके हुए कार्यों के शुरू होने से आपकी उन्नति होगी। आय के वैकल्पिक स्रोत विकसित कर सकते हैं। व्यवसाय में आपके कारोबार में स्थिरता रहेगी। बुजुर्ग लोग पुराने अनुभवों का स्मरण कर प्रसन्न रहेंगे।

तुला - आज उटपटांग कार्यों में आपका मन उलझेगा। बेरोजगार लोगों को नौकरी की चिंता हो सकती है। कारोबार को स्थिर रखने के लिए उधार लेना पड़ सकता है। आपकी सामाजिक छवि काफी अच्छी रहेगी। तनाव युक्त परिस्थितियों से बचें।

वृश्चिक - आज का दिन कला जगत से जुड़े लोगों के लिए विशेष रहेगा। कार्यक्षेत्र में परिस्थितियां अनुकूल रहेंगी। वित्तीय स्थिति मजबूत रहेगी। परिजनों के साथ अच्छा समय बिताएंगे। लव लाइफ काफी रोमांटिक रहने वाली है।

धनु - आज स्वभाव में विनम्रता का भाव बनाकर रखें। कमर से निचले भाग में दर्द की शिकायत हो सकती है। विवाहेतर संबंधों को लेकर थोड़े आकर्षित हो सकते हैं। आपका विवेक सदैव आपके पक्ष में रहेगा। पर्यटन के लिए यात्रा करने से बचें।

मकर - आज रुके हुए कार्य तेजी से पूर्ण कर लेंगे। नौकरी को लेकर इंटरव्यू में सफलता मिल सकती है। लोग आपकी विचारधारा से बहुत जल्दी प्रभावित हो जाएंगे। बड़े भाई-बहनों के जीवन में कुछ सकारात्मक परिवर्तन आ सकते हैं।

कुंभ - आज आर्थिक समस्याओं का निराकरण होगा। निर्माण कार्यों में गति आएगी। दिनचर्या काफी अच्छी रहेगी। अधीनस्थ कर्मचारियों पर अधिक विश्वास न करें। स्वादिष्ट भोजन का आनंद उठाएंगे। व्यवसाय में सहयोगियों से सहायता ले सकते हैं।

मीन - आज महिलाओं को अत्यधिक प्रशंसा मिलेगी। विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। पिता और गुरुओं का मार्गदर्शन लेना उत्तम होगा। अपनी योग्यता को सिद्ध करने का अवसर मिलेगा। भाग्य आपका साथ देगा।

सुडोकू-167

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

1								
				1				
						3		
	7							
		9						
					3		2	
		8						
				7				
						9		

सुडोकू - 166 का हल

1	6	5	2	9	8	7	3	4
4	9	8	5	3	7	1	6	2
7	2	3	4	6	1	9	8	5
3	1	2	7	8	4	5	9	6
5	7	6	3	2	9	4	1	8
8	4	9	6	1	5	2	7	3
9	8	4	1	5	3	6	2	7
2	3	7	9	4	6	8	5	1
6	5	1	8	7	2	3	4	9

जहां अलख निरंजन की गूंज आज भी सुनाई देती है

- बरेली का नाम लेते ही बहुतों के मन में सबसे पहले "नाथ नगरी" की छवि उभरती है। कहा जाता है कि इस नगर की आत्मा शिव में बसती है। यहाँ की हवा में भभूती की महक है, और गलियों में हरदम किसी योगी के कदमों की आहट सुनाई देती है। वैदिक काल से चली आ रही परपंरा अलखनाथ मंदिर इसकी गवाही दे रहा है। बरेली का अलखनाथ मंदिर केवल एक ऐतिहासिक धरोहर नहीं, बल्कि वैदिक युग की आस्था, योग-परंपरा और नागा साधुओं की साधना-भूमि का जीवंत प्रतीक है। मान्यता है कि यह 6500 वर्ष पुराना है। यदि इसे 6500 वर्ष पुराना माना जाए, तो यह काल लगभग 4475 ईसा पूर्व या विक्रम संवत 4532 के आसपास आता है। यह वही समय था जब प्रारंभिक वैदिक सभ्यता (सप्तसिंधु क्षेत्र) में यज्ञ, वेद पाठ और शिव-अग्नि-सूर्य उपासना का आरंभिक रूप प्रचलित था। उस युग में पूजा के केंद्र प्रकृति आधारित होते थे यानि बरगद, पीपल और यज्ञ कुंड के रूप में। अलखनाथ मंदिर का प्रमुख प्रतीक बड़ (बरगद) के नीचे स्थित शिवलिंग इसी वैदिक परंपरा की निरंतरता का संकेत देता है। इससे यह स्थल वैदिक युग की प्राकृतिक देव-उपासना परंपरा और आधुनिक मंदिर पूजा प्रणाली के बीच एक सेतु प्रतीत होता है।
- बरेली के पुराने हिस्से में जब आप अलखनाथ या त्रिवतीनाथ मंदिर की ओर बढ़ते हैं, तो लगता है मानो किसी सुरंग में प्रवेश कर रहे हैं जहाँ शोर नहीं, केवल अलख निरंजन की अनुगूंज है।
- अलखनाथ मंदिर — जिसे बरेली का आध्यात्मिक केंद्र कहा जाता है — नाथ संप्रदाय का सबसे प्रमुख स्थान है। इसका नाम ही बताता है कि यहाँ अलख निरंजन की उपासना होती है, यानी उस परम सत्ता की, जिसे देखा नहीं जा सकता पर महसूस किया जा सकता है।

अलखनाथ मंदिर का इतिहास: साधना की अनंत परंपरा

अलखनाथ मंदिर बरेली शहर के हृदय में स्थित है। मंदिर परिसर में प्रवेश करते ही सबसे पहले विशाल नंदी की मूर्ति दिखाई देती है। चारों ओर साधुओं के छोटे-छोटे कुटीर हैं, जिनमें वर्षों से तप कर रहे नागा बाबा, सिद्ध योगी और गृहस्थ भक्त रहते हैं। मंदिर की दीवारों पर समय की परतें जमी हैं — जिनमें भक्ति, साधना और तप की कहानियाँ लिखी हैं। लोककथाओं के अनुसार, गुरु गोरखनाथ के शिष्य अलखनाथ ने यहाँ साधना की थी। उनके नाम पर ही यह स्थान प्रसिद्ध हुआ। हर वर्ष चैत्र मास में लगने वाला अलखनाथ मेला केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि आस्था और लोकसंस्कृति का उत्सव बन चुका है। नागा साधु यहाँ अपने अखाड़ों के साथ पहुँचते हैं, भभूती रमाते हैं और अलख पुकारते हैं अलख निरंजन

- महंत कालू गिरी कहते हैं कि यह स्थान केवल शिवभक्तों का नहीं, बल्कि हर उस व्यक्ति का है जो सत्य की तलाश में है। यही कारण है कि यहाँ हिंदू, मुस्लिम, सिख, जैन — सभी श्रद्धालु बिना भेदभाव के दर्शन करने आते हैं। बताते हैं कि आनंद अखाड़े के अध्यक्ष गुरुदेव देवगिरी, धर्मगिरी, बालकगिरी की समाधि भी मंदिर में ही है।

अलखनाथ मंदिर की सज्जा

मंदिर की वास्तुकला मंदिर पारंपरिक और आधुनिक वास्तुकला शैलियों का मिश्रण दर्शाता है। इसमें जटिल नक्काशी, सुंदर कलाकृति और एक विशाल प्रांगण है। गर्भगृह में मुख्य देवता, भगवान शिव, एक शिवलिंग के रूप में स्थित हैं। मंदिर महत्वपूर्ण हिंदू त्योहारों के दौरान बड़ी संख्या में भक्तों को आकर्षित करता है। खासकर श्रावण महीने (जुलाई-अगस्त) के दौरान जब भक्त प्रार्थना करते हैं और विशेष अनुष्ठान करते हैं। महाशिवरात्रि, सावन सोमवार और कार्तिक पूर्णिमा कुछ प्रमुख अवसर हैं जिन्हें मंदिर में भक्ति और उत्साह के साथ मनाया जाता है।

तपेश्वर नाथ मंदिर

- तपेश्वरनाथ मंदिर के पुजारी बिशन महाराज बताते हैं कि यह मंदिर साधु संतो की तपस्थली रहा है। यहां पहले वन हुआ करता था। इसी के पास रामगंगा नदी बहती थी। वन में एक बाबा ने कठोर तपस्या की थी। इसके अलावा हिमालय से लौटते समय महर्षि के शिष्य ने यहां सैकड़ो वर्ष तप किया। उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव यहां स्वयं विराजमान हुए। तभी से इसका नाम तपेश्वर नाथ पड़ा। महाराज बताते हैं कि यह सिद्धपीठ मंदिर है।

मढ़ीनाथ

मढ़ीनाथ मंदिर शिवभक्तों के प्राचीन और अत्यंत आस्थावान धामों में गिना जाता है। यह स्थान अपनी शक्ति, सिद्धि और शांत आध्यात्मिक ऊर्जा के लिए प्रसिद्ध है। माना जाता है कि मढ़ीनाथ की भूमि सदियों से साधकों, संतों और श्रद्धालुओं की पूजा—साधना का केंद्र रही है।मढ़ीनाथ मंदिर को कई स्थानीय ग्रंथों और लोककथाओं में बहुत प्राचीन शिव-पर्वत स्थल बताया गया है।इसकी स्थापना का काल सटीक रूप से प्रमाणित नहीं है, लेकिन परंपरा के अनुसार यह स्थान कई सौ वर्षों से शिवभक्ति का प्रमुख केंद्र है। मढ़ीनाथ क्षेत्र में पहले तपस्वी साधु ध्यान और तपस्या करते थे। इन्हीं साधकों की साधना शक्ति से यहाँ शिव की चेतना प्रकट होने की मान्यता है। स्वयंभूत ऊर्जा का स्थानमढ़ीनाथ को "सिद्ध पीठ" भी कहा जाता है, क्योंकि यहाँ की ऊर्जा साधारण मंदिरों से अधिक प्रबल मानी जाती है। यहाँ रूद्राभिषेक और महामृत्युंजय जाप अत्यंत फलदायी माने जाते हैं।सावन, महाशिवरात्रि और सोमवार को यहाँ भक्तों की भारी भीड़ रहती है।
कई परिवारों में किसी भी नए काम की शुरुआत से पहले मढ़ीनाथ के दर्शन की परंपरा है।

मढ़ीनाथ से कई रोचक कथाए जुड़ी हैं—

- कहा जाता है किसी समय यहाँ एक संत ने कठिन तपस्या की थी। उनके तप से प्रसन्न होकर शिव शक्ति ने यहाँ स्वयंभू स्वरूप में प्रकट होने का वरदान दिया।
- एक अन्य कथा में माना जाता है कि मढ़ीनाथ महादेव नजर दोष, संकट और खतरों को दूर करते हैं। इसी कारण कई लोग यहाँ विशेष पूजा कराते हैं।
- मढ़ीनाथ केवल पूजा का स्थान नहीं बल्कि स्थानीय समाज का सांस्कृतिक केंद्र भी है।
- मढ़ीनाथ मंदिर बरेली की आध्यात्मिक विरासत का महत्वपूर्ण अंग है।

पशुपति नाथ मंदिर

- यह सांस्कृतिक, धार्मिक और ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण शिव मंदिरों में से एक है। इसकी स्थापना 2001 में पीलीभीत बाईपास के पास की गई थी और इसे नेपाल के प्रसिद्ध पशुपतिनाथ मंदिर की तर्ज पर बनाया गया है यह मंदिर व्यापारी जगमोहन सिंह के मन में आए विचार से अस्तित्व में आया, जो स्वयं नेपाल के पशुपतिनाथ मंदिर के दर्शन के लिए जाया करते थे। उन्होंने 2001 में बरेली में इस मंदिर की स्थापना कराई। मंदिर का नाम जगमोहन नाथ के नाम से भी जाना जाता है। यहां के प्रमुख शिवलिंग के चारों ओर 108 शिवलिंग स्थापित किए गए हैं, जो भगवान शिव के 108 नामों को समर्पित हैं। मंदिर की स्थापना में जगतगुरु शंकराचार्य स्वरूपानंद सरस्वती जी भी शामिल हुए थे धार्मिक महत्व यहां पंचमुखी शिवलिंग स्थापित किया गया है, जो नेपाल मंदिर की विशेषता भी है। मंदिर में 108 छोटे शिवलिंग भगवान शिव के विभिन्न नामों के प्रतीक हैं और इन पर जल अर्पित करने से भक्तों को मानसिक शांति प्राप्त होती है। सावन महीना विशेष रूप से प्रसिद्ध हैं, जिसमें हजारों श्रद्धालु पूजा-अर्चना और दर्शन के लिए आते हैं। ऐसी मान्यता है कि यहां के सरोवर में मछलियों को भोजन देने वाले भक्तों की मनोकामनाएं पशुपतिनाथ जरूर पूरी करते हैं

विशेषताएं

- मंदिर का परिसर एक सुंदर सरोवर और पर्यटन स्थल के रूप में भी जाना जाता है, जिसमें मछलियां, बत्तख और रामेश्वरम के रामसेतु से लाए गए तैरते पत्थर आकर्षण के केन्द्र हैं । परिसर में कैलाश पर्वत की झांकी, भैरव मंदिर, रुद्राक्ष और चंदन के वृक्ष भी हैं
- परिसर में रोजाना भव्य शिव श्रृंगार और आरती होती है।यहां आने वाले भक्तों का विश्वास है कि सच्चे मन से भगवान शिव की पूजा करने पर उनकी हर मनोकामना पूरी होती है।

आध्यात्मिक व एकता की भूमि

6th वार्षिकोत्सव विशेष फीचर

बरेली: नाथ नगरी

मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

नाथ कॉरिडोर से पर्यटन नक्शे पर बरेली को मिलेगी आध्यात्मिक नगरी की पहचान

काशी और अयोध्या की तर्ज पर बरेली के सात नाथ मंदिरों को पर्यटन के नक्शे पर पहचान दिलाने के लिए नाथ कॉरिडोर का निर्माण तेजी से कराया जा रहा है। कॉरिडोर के अंतर्गत बरेली शहर की चारों दिशाओं की मुख्य सड़कों पर कॉरिडोर को दर्शाते हुए भव्य द्वार बनाए गए हैं। कॉरिडोर बनने से बरेली शहर के नाथ मंदिरों के साथ ही हर बरेलियंस को नई पहचान मिलेगी। पर्यटकों की आवाजाही बढ़ने से होटल इंडस्ट्री से लेकर तमाम वर्गों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से लाभ मिलेगा। रोजगार के भी साधन बढ़ेंगे। इसके साथ नाथनगरी में सभ्यता की 5000 साल पुरानी गाथा भी शहर में गूंजेगी। शहर में बनाई जा रहीं 19 फोकस वॉल पर भित्ति कला प्रदर्शित होगी। इससे बरेली सांस्कृतिक और आध्यात्मिक नगरी भी बनेगी।

बरेली शहर के धोपेश्वरनाथ मंदिर, पशुपतिनाथ मंदिर, वनखंडीनाथ मंदिर, अलखनाथ मंदिर, तपेश्वरनाथ मंदिर, त्रिवटीनाथ मंदिर व मढ़ीनाथ मंदिर के साथ रामनगर ब्लॉक के अहिच्छत्र क्षेत्र में श्रद्धालुओं को हर वो सुविधाएं दी जाएं, जिनसे पर्यटक आकर्षित हों, इसको ध्यान में रखते हुए नाथ कॉरिडोर की रूपरेखा तैयार की गई। नाथ मंदिरों की भव्यता और पौराणिक इतिहास को दर्शाते हुए पर्यटकों को इस ओर आकर्षित करने के लिए पर्यटन विभाग ने कार्ययोजना तैयार की। नाथ कॉरिडोर को राज्य सरकार ने 2023 में मंजूरी दी थी। इसके बाद बीडीए से प्रपोजल मांगा गया। जून, 2023 में बीडीए ने 70 पेज की डीपीआर बनाकर शासन को भेजी। अब करीब 231 करोड़ रुपये से नाथ कॉरिडोर के निर्माण कार्यों को कराया जा रहा है। कॉरिडोर के अंतर्गत सात नाथ मंदिरों को आने-जाने वाली सड़कों के निर्माण की जिम्मेदारी पीडब्ल्यूडी को मिली है। करीब 36 करोड़ से सड़कें बनेंगी। वहीं, बाबा वनखंडी नाथ मंदिर में करीब पांच करोड़ रुपये, तपेश्वरनाथ मंदिर में 8.36 करोड़ रुपये, धोपेश्वरनाथ मंदिर में करीब 7 करोड़ रुपये, अलखनाथ मंदिर में करीब 11.50 करोड़ रुपये से कार्य होंगे। नाथ कॉरिडोर के अंतर्गत तुलसी मठ में करीब 9.71 करोड़ रुपये से कार्य होंगे। मठ का प्रवेश द्वार बनेगा। स्टोर, भंडार गृह, धर्मशाला बनेगी। वैदिक लाइब्रेरी सहित अन्य कार्य होंगे।

भित्ति कला से बरेली बनेगी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक नगरी

बरेली : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की महत्वाकांक्षी परियोजना से नाथ नगरी बरेली अब सांस्कृतिक-आध्यात्मिक कला के वैश्विक केंद्र के रूप में विकसित होने जा रही है। शहर के प्रमुख चौराहों, मार्गों, धार्मिक स्थलों और सरकारी परिसरों में 19 भव्य फोकस वॉल का निर्माण होगा। भित्ति वॉल पर भारत की प्राचीन सभ्यता, नाथ परंपरा, महाभारतकालीन इतिहास और स्थानीय सांस्कृतिक और आध्यात्मिक धरोहरों का संगम का शानदार प्रदर्शन होगा। क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी रविंद्र कुमार के अनुसार मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप युवाओं को भारत के गौरवशाली अतीत, प्राचीन और समृद्धशाली संस्कृति से परिचय करायेगी। युवाओं और पर्यटकों को बरेली के 5000 वर्ष पुराने इतिहास और आध्यात्मिक विरासत से जोड़ने का माध्यम बनेगी। फोकस वॉल का विचार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उस परिकल्पना से प्रेरित है, जिसमें उत्तर प्रदेश की सभ्यता को ग्लोबल टूरिज्म मॉडल से जोड़कर रोजगार, पर्यटन और सांस्कृतिक अर्थव्यवस्था को बढ़ाना शामिल है। इन फोकस वॉल पर बनने वाले भित्ति-चित्र अजंता-एलोरा की शैली पर आधारित होंगे। इन चित्रों में भगवान शिव के त्रिशूल और डमरू, नाथ योगियों के प्रतीक, देवी-देवताओं की आकृतियां, बरेली की आध्यात्मिक पहचान, महाभारतकालीन नगर की विरासत और स्थानीय लोककला को जीवंत कलात्मक स्वरूप दिया जाएगा। पर्यटन विभाग ने सर्वे करने के बाद ऐसे स्थानों को चुना है। जहां से सबसे ज्यादा पर्यटक और राहगीर गुजरते हैं। इस परियोजना पर कुल 621.33 लाख रुपये (लगभग 6 करोड़ 21 लाख 33 हजार रुपये) खर्च किए जाएंगे। क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी रविंद्र कुमार ने कहा कि बरेली केवल झुमके तक ही सीमित नहीं है। यह योगियों, सिद्ध—नाथों, ऋषि-मुनियों और प्राचीन सभ्यता का नगर है। फोकस वॉल आने वाली पीढ़ियों को बरेली की असली आत्मा से परिचित कराएगी। यह न सिर्फ शहर के सौंदर्यीकरण की योजना है, बल्कि बरेली के सांस्कृतिक पुनरुद्धार और पर्यटन अर्थव्यवस्था की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है।

सातों नाथ मंदिरों का नाथ सर्किट बनाने का उद्देश्य

- एक नाथ मंदिर से दूसरे नाथ मंदिर तक यात्रा को आसान बनाने और पूरे सर्किट में सुरक्षित और उचित सुविधाएं प्रदान करने का प्रस्ताव नाथ सर्किट में शामिल किया हैं। इसमें कनेक्टिविटी और सुगमता में सुधार के लिए आईपीटी और अन्य सार्वजनिक परिवहन जोड़े गए हैं। मंदिरों तक पैदल आवागमन को सुगम बनाने के लिए चौड़ी सड़कों पर फुटओवर ब्रिज बनेंगे। आगंतुकों के लिए पार्किंग क्षेत्र होगा। पहचान में सुधार के लिए संकेतों और अन्य दृश्य चिह्नों का उपयोग होगा। नाथ नगरी सर्किट की पहचान सभी नाथ मंदिरों के जुड़ाव को ध्यान में रखकर की गई है।

प्रत्येक नाथ मंदिर में इतनी सुविधाएं होंगी - प्रवेश मार्ग, आंतरिक सड़क विकास, फुटपाथ, स्टॉल, स्ट्रीट लाइटिंग, साइनेज, कूड़ेदान, स्ट्रीट फर्नीचर, भूनिर्माण, भूमिगत संग्रहालय भवन, पार्किंग, पर्यटक सुविधाएं, खोया-पाया सुविधा, प्राथमिक चिकित्सा, पुलिस बूथ, पेयजल, सूचना कियोस्क।

6.21 करोड़ से शहर में 19 स्थानों पर फोकस वाल बनेगी

नाथ कॉरिडोर के तहत शहर में 19 स्थानों पर फोकस वाल बनाने की योजना है। 6.21 करोड़ रुपये से कार्य कराए जाएंगे। फोकस वाल का आठ स्थानों पर निर्माण शुरू करा दिया गया है। इसमें पेंटिंग, डिजाइन और पौराणिक कलाकृतियों को दीवार पर उकेरा जाएगा। मनोहर भूषण इंटर कॉलेज ग्राउंड, एमजेपी रुहेलखंड विश्वविद्यालय, सुरेश शर्मा नगर चौराहा, डीडी पुरम पार्क, नियर स्टेडियम, कुदेशिया अंडरपास, बीसलपुर चौराहा, विकास भवन चौराहा, आयुक्त कार्यालय, उद्योग विभाग कार्यालय, त्रिवटी नाथ मंदिर मैकेनियर रोड, 100 फुटा तिराहा आदिनाथ चौक, इन्वर्टिस तिराहा बड़ा बाइपास, रेलवे स्टेशन, मिनी बाइपास इज्जतनगर रेलवे स्टेशन, झुमका तिराहा, और पर्यटन कार्यालय रोहिला होटल वॉल।

नाथ कॉरिडोर के मंदिरों की दूरी

- धोपेश्वरनाथ से पशुपति नाथ मंदिर-8.2 किमी
- पशुपतिनाथ मंदिर से बनखंडी नाथ-3.0 किमी
- वनखंडीनाथ मंदिर से त्रिवटीनाथ मंदिर-7.0 किलोमीटर
- त्रिवटीनाथ मंदिर से मढ़ीनाथ मंदिर-3.2 किलोमीटर
- अलखनाथ मंदिर से मढ़ीनाथ मंदिर-3.5 किलोमीटर
- मढ़ीनाथ मंदिर से तपेश्वरनाथ मंदिर-2.5 किलोमीटर
- तपेश्वरनाथ मंदिर से धोपेश्वरनाथ मंदिर-5.8 किलोमीटर

त्रिवटी नाथ मंदिर के पुजारी रवीन्द्र शर्मा बताते हैं 1476 विक्रम संवत में जंगल में चरवाह आया वह वट वृक्ष के नीचे सो रहा था। तब बाबा ने उसे जगाया और अपने यहां होने की बात कही। चरावाहे ने बाबा के प्रकट होने की बात आसपास के लोगों को बताई। इसके बाद तो यहां जनसैलाब उमड़ पड़ा। खुदाई के बाद यहां शिवलिंग प्रकट हुआ। जैसे जैसे सभ्यता और संस्कृति का प्रचार हुआ। उसका बढ़ना शुरु हुआ त्यों त्यों मंदिर का स्वरूप भी बढ़ता गया। इस समय मंदिर में पुरातन सिद्धहस्त शिवलिंग है ही साथ ही मंदिर के स्वरूप को भव्यता प्रदान करने वाले भोलेशंकर के तांबे की भव्य आकृतियां भी है। जो यहां आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों का मन मोह लेती हैं। प्रदेश सरकार ने बरेली को नाथ नगरी के रूप में विकसित किया है। यह पुरातन मंदिर भी नाथनगरी कॉरीडोर का हिस्सा है और यहां कारीडोर के तहत निर्माण कार्य चल रहा है।

अलखनाथ मंदिर के महंत और आनंद अखाड़े के सचिव कालू गिरी बताते हैं कि यह मंदिर मुगलों के समय का है। मुगलों ने भी कई बार यहां हिन्दू मंदिरों के प्रति अपनी दुर्भावना का प्रदर्शन किया लेकिन सफल नहीं हो पाए। वे बताते हैं कि मुगलों के बाद राजा महाराजा आए। उनके समय भी यहां रहने वाले बाबा अलख जगाते थे। राजा महाराजा यह सेवा देखते आ रहे थे। तब बाबा ने राजाओं से जमीन देने को कहा तो राजा ने जमीन दान दी थी। वे बताते हैं कि सनातन तो मानता ही रहा है साथ ही नवाबों अंग्रेजों ने भी नागाओं के प्रभाव को माना है। नाथ संप्रदाय की जड़ें बरेली में बहुत गहरी हैं।

काशी और अयोध्या की तर्ज पर बरेली के सात नाथ मंदिरों को पर्यटन के नक्शे पर पहचान दिलाने के लिए नाथ कॉरिडोर का निर्माण तेजी से कराया जा रहा है। त्रिवटीनाथ मंदिर व मढ़ीनाथ मंदिर के साथ रामनगर के निर्माण कार्यों को कराया जा रहा है। कॉरिडोर के अंतर्गत सात नाथ मंदिरों को आने-जाने वाली सड़कों के निर्माण की जिम्मेदारी पीडब्ल्यूडी को मिली है। करीब 36 करोड़ से सड़कें बनेंगी। वहीं, बाबा वनखंडी नाथ मंदिर में करीब पांच करोड़ रुपये, तपेश्वरनाथ मंदिर में 8.36 करोड़ रुपये, धोपेश्वरनाथ मंदिर में करीब 7 करोड़ रुपये, अलखनाथ मंदिर में करीब 11.50 करोड़ रुपये से कार्य होंगे। नाथ कॉरिडोर के अंतर्गत तुलसी मठ में करीब 9.71 करोड़ रुपये से कार्य होंगे। मठ का प्रवेश द्वार बनेगा। स्टोर, भंडार गृह, धर्मशाला बनेगी। वैदिक लाइब्रेरी सहित अन्य कार्य होंगे।

सिख धर्म की सेवा और भक्ति

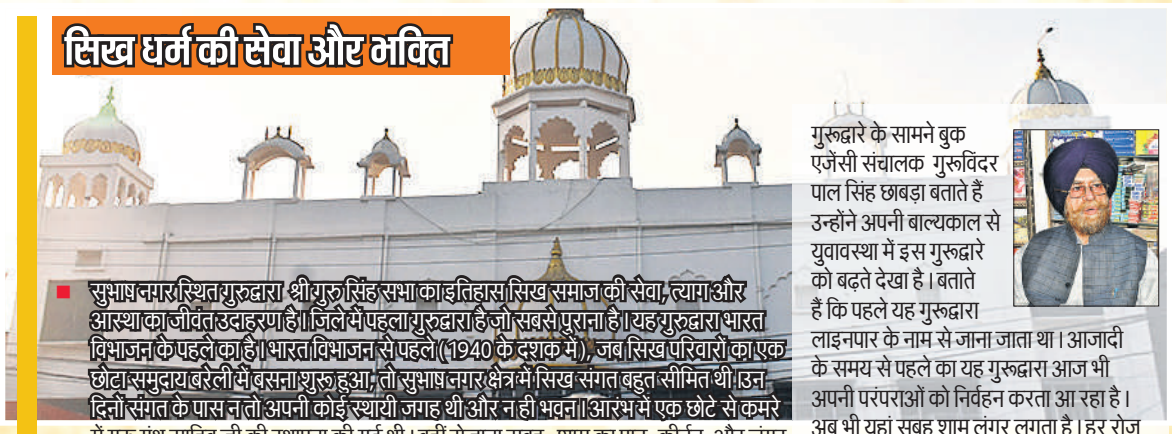

- सुभाष नगर स्थित गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा का इतिहास सिख समाज की सेवा, त्याग और आस्था का जीवंत उदाहरण है। जिले में पहला गुरुद्वारा है जो सबसे पुराना है। यह गुरुद्वारा भारत विभाजन के पहले का है। भारत विभाजन से पहले (1940 के दशक में), जब सिख परिवारों का एक छोटा समुदाय बरेली में बसना शुरू हुआ, तो सुभाष नगर क्षेत्र में सिख संगत बहुत सीमित थी।उन दिनों संगत के पास न तो अपनी कोई स्थायी जगह थी और न ही भवन। आरंभ में एक छोटे से कमरे में गुरु ग्रंथ साहिब जी की स्थापना की गई थी। वहीं रोज़ाना सुबह-शाम का पाठ, कीर्तन, और लंगर सेवा शुरू हुई। यह छोटा-सा कमरा ही गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह साहिब लाइन पार का बीज साबित हुआ। समय के साथ जब सिख परिवारों की संख्या बढ़ी, तो संगत ने मिलकर गुरुद्वारा का विस्तार करने का निश्चय किया।
- 1950—60 के दशक में स्थानीय संगत के सहयोग और चंदे से पक्का भवन बनाया गया। धीरे-धीरे इसमें दीवान हॉल, लंगर हॉल, और संगत के ठहरने हेतु कमरों का निर्माण हुआ। नवनिर्माण के साथ गुरुद्वारे में गुरु नानक जयंती, वैशाखी, और अन्य प्रमुख गुरपुरब बड़ी श्रद्धा से मनाए जाने लगे। अब सुभाष नगर का यह गुरुद्वारा एक बृहद परिसर में विकसित हो चुका है। इसमें शानदार दीवान हॉल, आधुनिक लंगर हॉल, सेवादार आवास, और सिख इतिहास पर आधारित चित्र सजावट शामिल हैं। प्रतिदिन सुबह-शाम दीवान, कीर्तन दरबार, और निशुल्क लंगर सेवा जारी रहती है।

गुरूद्वारे के सामने बुक एजेंसी संचालक गुरूविंदर पाल सिंह छाबड़ा बताते हैं उन्होंने अपनी बाल्यकाल से युवावस्था में इस गुरूद्वारे को बढ़ते देखा है। बताते हैं कि पहले यह गुरूद्वारा लाइनपार के नाम से जाना जाता था। आजादी के समय से पहले का यह गुरूद्वारा आज भी अपनी परंपराओं को निर्वहन करता आ रहा है। अब भी यहां सुबह शाम लंगर लगता है। हर रोज शाम को तमाम फकीर गुरूद्वारे के लंगर के ही भरोसे जीवन यापन कर रहे हैं। स्टेशन के पास होने के कारण यहां यात्री भी आकर ठहरते हैं। यह निशुल्क सेवा है। एक कमरे से गुरूद्वारे का सफर हुआ था। अब यहां दस कमरे हैं। बड़े हाल हैं। यहां गुरूनानक के जन्मदिन पर प्रकाशपर्व का नगर कीर्तन इसी गुरुद्वारे से निकलता आ रहा है। वे बताते हैं कि गुरूद्वारे में हर धर्म के लोग आते हैं। यहां कोई भेदभाव नहीं है।

6th वार्षिकोत्सव विशेष फीचर

मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

शिव की त्रिविध ज्योति का प्रतीक

नाथ परंपरा की दूसरी प्रमुख कड़ी है — त्रिवतीनाथ मंदिर। यह मंदिर भी शिव के त्रिवेणी रूप का प्रतीक माना जाता है — ब्रह्मा, विष्णु और महेश की त्रिविध ज्योति यहाँ एक साथ विराजमान है। मंदिर का स्थापत्य अद्भुत है — ऊँचे शिखर पर लगा स्वर्ण कलश दूर से ही श्रद्धा जगाता है। सावन के महीने में जब कांवड़िए यहाँ गंगाजल चढ़ाने आते हैं, तो पूरा बरेली शहर भक्ति में डूब जाता है।

यहाँ कोई एक दिन भी ऐसा नहीं जाता जब 'हर हर महादेव' की आवाज़ न गूंजे। भक्त सुबह से ही शिवलिंग पर बेलपत्र, दूध और जल चढ़ाने आते हैं। यह मंदिर बरेली का आध्यात्मिक नाड़ी बिंदु है।" त्रिवतीनाथ मंदिर का परिसर केवल पूजा स्थल नहीं, बल्कि समाज सेवा का केंद्र भी है। मंदिर के ट्रस्ट द्वारा निशुल्क भोजन, चिकित्सा शिविर और गौसेवा के कार्य नियमित रूप से किए जाते हैं। मंदिर के बगल में स्थित सरोवर में हर अमावस्या को हजारों श्रद्धालु स्नान करते हैं। यह वही सरोवर है जहाँ कभी योगी अपने ध्यान की शुरुआत करते थे।

वनखंडीनाथ मंदिर

बरेली की प्राचीन धरती में अनेक ऐतिहासिक, पौराणिक और आध्यात्मिक स्थल बसे हैं, उन्हीं में से एक अत्यंत प्रतिष्ठित शिवधाम है, वनखंडीनाथ मंदिर यह मंदिर बरेली के सबसे पुराने धार्मिक स्थलों में गिना जाता है। वनखंडी क्षेत्र के हृदय में स्थित यह मंदिर स्थानीय लोकपरंपरा, पुरातन आस्था और सदियों से प्रवाहित शिवभक्ति का अद्भुत केंद्र है। कहा जाता है कि जिस स्थान पर यह मंदिर स्थित है, वह क्षेत्र प्राचीन समय में घने वनों से आच्छादित था। तब यह स्थान निर्जन, शांत और वन्य क्षेत्र का हिस्सा था, इसलिए इस स्थान को नाम मिला—"वनखंडीनाथ", अर्थात् वनखंडों में विराजमान भगवान शिव।वनखंडीनाथ जी का आध्यात्मिक महत्व वनखंडीनाथ मंदिर केवल पूजा का स्थान नहीं, बल्कि शिवभक्ति की जीवंत ऊर्जा का केंद्र है।

रामनगर जैन मंदिर

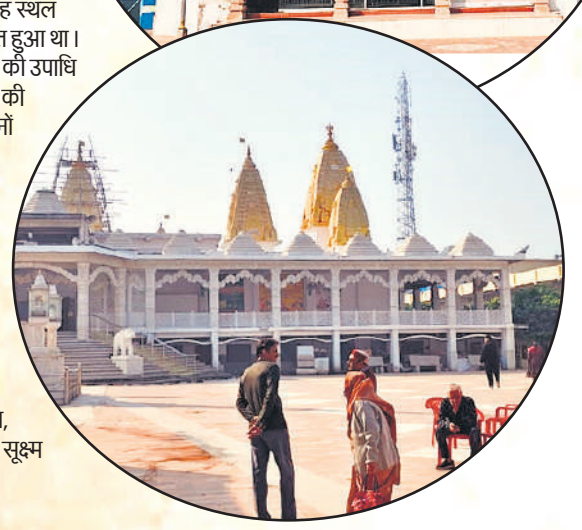

बरेली के आंवला में रामनगर में जैन मंदिर भी विश्व प्रसिद्ध है। रामनगर न केवल प्रदेश बल्कि देशभर के प्रसिद्ध जैन तीर्थों में से एक है। यह तीर्थ अपनी आध्यात्मिक, पौराणिक और ऐतिहासिक महत्ता के कारण देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को आकर्षित करता है। भगवान पार्श्वनाथ की तपस्या स्थली रामनगर आंवला है। पार्श्वनाथ का जन्म वाराणसी में लेकिन उन्हें ज्ञान रामनगर में प्राप्त हुआ। यही वह स्थल है जहां पार्श्वनाथ को ज्ञान प्राप्त हुआ था। यही पर पार्श्वनाथ को भगवान की उपाधि मिली। यहां भगवान पार्श्वनाथ की प्रतिमा हरित पन्ने की है। विद्वानों का मत है कि यह प्रतिमा देव द्वारा स्थापित की गई है। रामनगर जैन मंदिर की वास्तुकला अत्यंत भव्य और पारंपरिक है। मुख्य मंदिर में भगवान पार्श्वनाथ हरितपन्ने की प्रतिमा विराजमान है, जिसकी मुद्रा अत्यंत शांत और ध्यानमग्न है। मंदिर की दीवारों पर जैन पुराणों के दृश्य, तीर्थंकरों के जीवन प्रसंग और सूक्ष्म नक्काशी देखने योग्य हैं।

ईसाई धर्म की शांति — चर्च और उनके सामाजिक योगदान

बरेली का सीएनआई चर्च अंग्रेजों के समय का चर्च है। 1838 में इटालियन डिजाइन से बना इस चर्च में अंग्रेज प्रार्थना करने आते थे। मुगल काल के समय जब रुहेलों और अंग्रेजों की लड़ाई हुई तब रुहेलों ने इसी चर्च पर आक्रमण कर इसे आग के हवाले कर कई अंग्रेजों को मौत के घाट उतारा था। उस समय लगभग 100 से ज्यादा अंग्रेज मारे गये थे। यहां के पुराने पादरियों की कब्र भी इसी चर्च के अंदर है। चर्च जलाने के बाद इसका फिर से पुनर्निर्माण किया गया। 1947 में देश आजाद हुआ तो अंग्रेजों ने कुछ चर्च संस्थाएं भारतीयों के हाथ में दी गई। तब छह ग्रुपों को मिलाकर चर्च आफ नार्थ इंडिया संगठन बनाया गया और उसी के अधीन चलता रहा। फिर विवाद सामने आए तो 1960 से यहां प्रार्थना आराधना बंद हो गई। फिर एक बैपिस्ट चर्च ने सीएनआई चर्च को किराये पर लिया और 1989 से यहां फिर से अराधना और प्रार्थना होने लगी। इस चर्च के पहले पास्टर डा. विलियम सैमुअल बने। मौजूदा समय ऐतिहासिक चर्च के पादरी मेल्विन चार्ल्स हैं।

डा. सैमुअल बताते हैं कि यह चर्च अंग्रेजों के समय का चर्च है। यह एतिहासिक है। इसे पर्यटन के रूप में विकसित किया जा सकता है। डा. विलियम ने बताया कि बरेली का जीरो प्वाइंट भी चर्च को ही माना गया है। कैंट में बिशप के पास स्टीफन चर्च है। बरेली का माइलेज यहीं से नापा जाता है। कुछ लोग कुतुबखाना को जीरो प्वाइंट मानते हैं लेकिन अंग्रेजों के समय का जीरो प्वाइंट सेंटस्टीफन चर्च है। शहर की ऐतिहासिक धरोहरों में एक अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान रखता है। 19वीं शताब्दी के मध्य में ब्रिटिश शासन के दौरान निर्मित यह चर्च न केवल ईसाई समुदाय के धार्मिक जीवन का केंद्र रहा है, बल्कि बरेली की सांस्कृतिक विविधता का भी एक सुंदर प्रतीक है। अंग्रेजों द्वारा उत्तर भारत में मिशनरी गतिविधियों के विस्तार के साथ यह चर्च स्थापित हुआ।

इस चर्च की सबसे बड़ी विशेषता इसका वास्तुशिल्प है। गोथिक शैली में निर्मित यह भवन अपनी ऊँची मेहराबों, नुकीले आर्च, पत्थर की पारंपरिक दीवारों और रंगीन काँच की खिड़कियों के कारण दूर से ही पहचान में आ जाता है। चर्च के भीतर लगे स्टेन ग्लास पैनलों पर उत्कीर्ण बाइबिल की कथाएँ न केवल कलात्मक सौंदर्य का अद्भुत उदाहरण हैं, बल्कि आध्यात्मिक अनुभूति भी कराती हैं।

धार्मिक दृष्टि से यह चर्च सदियों से ईसाई समाज का केंद्र रहा है, जहाँ क्रिसमस, गुड फ्राइडे और ईस्टर जैसे प्रमुख पर्व अत्यंत भव्यता और श्रद्धा से मनाए जाते हैं।

बरेली जैसे बहु-सांस्कृतिक और बहु-धार्मिक शहर में सीएनआई चर्च सौहार्द और सह-अस्तित्व की खूबसूरत मिसाल है। अलखनाथ मंदिर, आला हज़रत दरगाह, जैन तीर्थ, प्राचीन गुरुद्वारों और अन्य धार्मिक स्थलों के साथ यह चर्च बरेली की विविध आध्यात्मिक विरासत को और भी समृद्ध बनाता है। शहर के इतिहास, औपनिवेशिक वास्तुकला और धार्मिक सौहार्द का अध्ययन करने वाले पर्यटकों व शोधकर्ताओं के लिए यह चर्च विशेष आकर्षण का केंद्र है।

समय के साथ बरेली बदलता रहा, पर यह चर्च अपनी गरिमा, शांति और आध्यात्मिक महत्त्व के साथ आज भी उसी तरह खड़ा है। यह केवल ईसाई समुदाय का प्रतीक नहीं, बल्कि बरेली की सांस्कृतिक विरासत और ऐतिहासिक स्मृति का एक जीवंत अध्याय है।

धोपेश्वरनाथ

- पांडवकालीन यह मंदिर सिद्धपीठ मंदिर है। यहां द्रोपदी के गुरु धूम्र ऋषि ने तपस्या की। उनके तप से प्रसन्न होकर शिव ने वरदान मांगने को कहा तो ऋषि ने जनता की मंगल कामना और कल्याण के लिए शिव से यहीं पर लिंग रूप में रहने का वरदान मांगा। वरदान स्वरूप शिव यहीं स्थापित हो गये। नाथ मंदिर में यह ऐसा मंदिर है जिसे अर्धनारीश्वर का रूप भी कहा जाता है। मंदिर के महंत घनश्याम जी बताते हैं ग्रामीण क्षेत्रों में धोपा मंदिर को अर्धनारीश्वर का रूप भी माना जाता है। इसका प्रमाण आज भी प्रचलित है। इसी मंदिर में भादों माह में आखिरी के दो गुरुवार को मेला आज भी लगता है। यह मेला धोपा मइया के नाम से प्रचलित है। जब आवागमन के साधन नहीं थे तो लोग एक दिन पहले आकर रुकते थे लेकिन अब लोग गुरुवार को आकर धोपा के सरोवर में स्नान करते हैं इससे चर्म रोग ठीक होते हैं। इसके बाद यहां स्थित रायसती मठिया में प्रसाद चढ़ाते हैं। नाथ मंदिरों में यह धोपेश्वर नाथ भी प्रसिद्ध और सिद्ध मंदिर है। यह इशान कोण में स्थित है।

शहर में नाथ योगियों से लेकर सूफी संतों तक को एक साथ स्थान दिया। यही वजह है कि इसे आज भी नाथ नगरी कहा जाता है, तो वहीं "आला हजरत की नगरी" के रूप में भी इसकी पहचान है। दो नाम, दो परंपराएँ पर एक ही आत्मा, जो इंसानियत और आस्था को जोड़ती है। यहाँ की गलियाँ धर्मों के इतिहास की जीवंत गवाही देती हैं। अलखनाथ मंदिर के आसपास की गलियों में आज भी नागा साधुओं के डेरों की गंध आती है। त्रिवतीनाथ मंदिर की घंटियाँ उसी श्रद्धा से बजती हैं, जैसे सैकड़ों साल पहले बजती थीं। वहीं, नौमहला की पत्थर जड़ी गलियों से होकर गुजरने वाला हर शख्स आला हजरत की दरगाह की तरफ सिर झुकाए निकलता है। उस गली के कोनों पर बैठा कोई दुकानदार अगर "जय भोले" कह दे तो सामने वाला "सलाम वालेकुम" के साथ मुस्कुरा देता है यही है बरेली की पहचान। इतिहास के पन्ने बताते हैं कि 1657 में मुगल शासन के दौरान बरेली को आधिकारिक रूप से बसाया गया। लेकिन इस नगर की आत्मा इससे भी पुरानी है। स्थानीय किंवदंतियाँ बताती हैं कि यह क्षेत्र "महा योगी गोरखनाथ" की तपोभूमि था, जहाँ से नाथ परंपरा का एक प्रमुख केंद्र विकसित हुआ। गोरखनाथ संप्रदाय के अनुयायी आज भी बरेली को "उत्तर भारत की योग नगरी" कहते हैं। मुगल काल में जब सूफी संत हज़रत शाह शरीफ और फिर इमाम अहमद रज़ा खान आला हजरत इस भूमि पर आए, तो इस शहर में आध्यात्मिकता का एक नया स्वर जुड़ गया। उनके अदब, इल्म और इंसानियत ने न सिर्फ मुसलमानों, बल्कि हर मजहब के लोगों के दिल में जगह बनाई। यही वह दौर था जब बरेली ने हिंदू-मुस्लिम एकता की ऐसी मिसाल पेश की, जो आज भी कायम है। बरेली के इतिहास की एक और खासियत है , यहाँ धर्म ने कभी राजनीति का रूप नहीं लिया। चाहे अंग्रेज़ों का दौर रहा हो या स्वतंत्रता संग्राम का समय, बरेली की धार्मिक संस्थाएँ हमेशा समाज के निर्माण में लगी रहीं। मंदिरों ने शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा को आगे बढ़ाया, तो दरगाहों ने सामाजिक न्याय और बराबरी का संदेश दिया। यही कारण है कि यहाँ की मिट्टी हर इंसान को अपनाने का माद्दा रखती है।आज जब कोई यात्री बरेली जंक्शन पर उतरता है, तो उसके स्वागत में दो प्रतीक खड़े दिखाई देते हैं ।

अल्लाह की याद और इंसानियत का पैग़ाम साथ

अगर कोई बरेली की आत्मा को महसूस करना चाहता है, तो उसे सिर्फ नाथ मंदिर ही नहीं, बल्कि नौमहला की गलियों तक भी जाना होगा। यह इलाका बरेली की तहज़ीब, आस्था और एकता का सबसे सुंदर प्रतीक है। यहाँ हर दीवार सूफ़ियों, मोहब्बत और इंसानियत की किसी कहानी को बयाँ करती है — बरेली में जैसे शिव के साधकों की परंपरा गहरी है, वैसे ही सूफ़ी संतों की रूहानियत भी हर पत्थर में बसती है। और इसी रूहानियत की सबसे ऊँची चोटी पर है — आला हजरत की दरगाह।

आला हजरत इमाम अहमद रज़ा खान (1856–1921) न केवल बरेली के, बल्कि पूरे इस्लामी जगत के एक महान विद्वान और सूफ़ी संत थे। उन्होंने अपने ज्ञान, तर्क और करुणा से दुनिया को यह दिखाया कि धर्म का असली उद्देश्य नफरत नहीं, बल्कि इंसान को इंसान से जोड़ना है। कहा जाता है कि आला हजरत ने बरेली की मिट्टी को अपनी कलम से अमर बना दिया। उन्होंने फतावा-ए-रज़विया जैसे ग्रंथों के माध्यम से इस्लामी दर्शन को एक नई दृष्टि दी। वे उस दौर में भी धार्मिक कट्टरता के विरोधी थे, जब समाज गुटों में बँट रहा था। अगर कोई व्यक्ति किसी दूसरे धर्म के उपासक को तकलीफ़ देता है, तो वह खुद इस्लाम की शिक्षा के विरुद्ध जाता है। इसी सोच ने बरेली की पहचान धर्म से पहले इंसानियत की बनाई ।

उर्स-ए-रज़वी — आध्यात्मिक मेला और इंसानियत का उत्सव

हर साल रबी-उल-अव्वल महीने में मनाया जाने वाला "उर्स-ए-रज़वी" बरेली का सबसे बड़ा धार्मिक आयोजन है। तीन दिनों तक दरगाह परिसर में आध्यात्मिक वातावरण रहता है। देश-विदेश से आए आलिम, मौलाना और सूफी यहाँ तकरीरें (विचार भाषण) देते हैं।

- दरगाह परिसर के बाहर लगने वाला मेला, जिसमें किताबें, इत्र, तस्बीह और सूफी संगीत की धुनें गूंजती हैं, वह श्रद्धालुओं के लिए किसी उत्सव से कम नहीं।
- हर साल लगभग दस लाख से अधिक लोग इस मौके पर बरेली पहुँचते हैं। रेलवे और नगर प्रशासन विशेष प्रबंध करते हैं। खास बात यह है कि इस दौरान न सिर्फ मुस्लिम, बल्कि हिंदू, सिख और ईसाई समुदाय के लोग भी सेवा में शामिल होते हैं। नगर निगम की टीम से लेकर पुलिस कर्मियों तक सभी इसे "धार्मिक नहीं, मानवीय पर्व" की तरह मानते हैं। सूफी संगीत और रूहानी माहौल
- आला हजरत की दरगाह में शाम के वक्त जब कव्वाली शुरू होती है — "नज़र-ए-मदीना से मंज़र-ए-बरेली तक" तो लगता है जैसे आत्मा और संगीत एकाकार हो गए हों। सूफी गायकों की तान और दुआ की लय वातावरण को भक्ति में डूबो देती है।
- कई प्रसिद्ध कव्वालों जैसे मो. अफज़ल साबरी और शहनवाज़ खान — ने अपनी शुरुआत इसी दरगाह के उर्स मंच से की थी। आज भी दरगाह का कव्वाली मंच नई पीढ़ी के कलाकारों के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

आला हजरत का संदेश "इंसानियत सबसे ऊपर"

आला हजरत का दर्शन यह था कि धर्म किसी दीवार का नहीं, बल्कि एक पुल का नाम है। उनके विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं जितने सौ साल पहले थे। उन्होंने कहा था "जब तक किसी भूखे को खाना और किसी नंगे को कपड़ा नहीं मिलेगा, तब तक तुम्हारी नमाज़ें भी अधूरी हैं।" बरेली के लोग आज भी इस संदेश को जीते हैं। दरगाह के लंगर में रोज़ाना हज़ारों लोगों को बिना किसी भेदभाव के भोजन कराया जाता है । यहाँ कोई यह नहीं पूछता कि कौन हिंदू है, कौन मुसलमान। सब एक ही कतार में बैठकर खाना खाते हैं, और यही इस शहर की असली ताकत है।

दरगाह आला हजरत : श्रद्धा और शांति का संगम

- दरगाह आला हजरत केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि लाखों श्रद्धालुओं की भावनाओं का केंद्र है। हर साल उर्स-ए-रज़वी" के अवसर पर देश-विदेश से हजारों ज़ायरीन यहां आते हैं। पाकिस्तान, बांग्लादेश, ब्रिटेन और दक्षिण अफ्रीका तक से लोग चादर चढ़ाने आते हैं।
- दरगाह परिसर में प्रवेश करते ही जो सुकून महसूस होता है, वह शब्दों में नहीं बताया जा सकता। चारों ओर कुरआनी आयतें, गुलाब की खुशबू और या रज़ा की पुकार वातावरण को आध्यात्मिक बना देती है।
- यहाँ का मुख्य गुम्बद सफ़ेद संगमरमर का है, जिस पर सुनहरे अक्षरों में लिखा है —रज़ा का शहर बरेली, मुहब्बत की ज़मीन।
- आला हजरत की मज़ार के पास की जाने वाली "सलात-ओ-सलाम" (प्रार्थना) में जो विनम्रता दिखती है, वही इस दरगाह की आत्मा है।
- दरगाह के प्रमुख खादिम मौलाना फ़ैज़ान रज़ा बताते हैं —
- यहाँ हर आने वाला ज़ायरीन सबसे पहले 'सलाम' करता है और फिर दूसरों के लिए दुआ मांगता है। यही सूफ़ियत का असली मतलब है — अपने लिए नहीं, सबके लिए भलाई मांगना।"
- नौमहला — तहज़ीब और एकता की गवाही देने वाला इलाका आला हजरत की दरगाह के आसपास का इलाका "नौमहला कहलाता है। यह नाम मुगलकालीन स्थापत्य से आया है। यहाँ नौ मंज़िलों वाले पुराने महलों के अवशेष कभी मौजूद थे। आज यह इलाका धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से बरेली का हृदय बन चुका है।
- नौमहला की गलियाँ संकरी हैं, लेकिन दिल बहुत बड़े हैं। यहाँ दरगाह के ठीक सामने एक प्राचीन शिव मंदिर भी है, जिसके पुजारी हर साल उर्स के दौरान मुसलमानों को जल पिलाने का "सेवा स्टॉल लगाते हैं। वहीं, दरगाह की ओर से भी सावन में कांवड़ियों को पानी और नींबू-शरबत बाँटा जाता है। यह दृश्य बरेली की "गंगा-जमनी तहज़ीब" का जीवंत उदाहरण है।
- स्थानीय निवासी सलीम बताते हैं , हमारे यहाँ कोई दीवार नहीं जो बांट सके। उर्स में पंडितजी भी आते हैं, और सावन में मौलवी साहब भी कांवड़ियों को आशीर्वाद देते हैं।
- इसी सौहार्द की वजह से नौमहला सिर्फ धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि एक सामाजिक प्रतीक बन चुका है।

अमृत विचार

शुक्रवार, 21 नवंबर 2025

सभी जटिल चीजों में अराजकता अंतर्निहित है। दृढ़ता के साथ प्रयास करते रहो।
–महात्मा बुद्ध

सख्त संदेश के निहितार्थ

सुप्रीम कोर्ट का यह कहना कि मामूली फेरबदल करके सरकार हमारे आदेशों को निष्प्रभावी नहीं कर सकती, दरअसल अनुच्छेद 141 के तहत न्यायालय के आदेशों की बाध्यता और शक्ति को पुनः स्थापित करता है। यह निर्णय न केवल न्यायिक स्वतंत्रता बल्कि न्यायिक समीक्षा की संवैधानिक भूमिका को भी मजबूत करता है। सुप्रीम कोर्ट को यह कठोर टिप्पणी इसलिए करनी पड़ी, क्योंकि ट्रिब्यूनल रिफॉर्म्स एक्ट-2021 में सरकार ने ठीक वही प्रावधान दोबारा शामिल कर दिए थे, जिन्हें शीर्ष अदालत पहले ही खारिज कर चुकी थी। अदालत के अनुसार यह कदम उसकी अधिकारिता को कमजोर करने जैसा था। इसी कारण उसने पुनः स्पष्ट किया कि संविधान के मूल ढांचे के तहत न्यायपालिका की स्वतंत्रता और न्यायिक आदेशों की बाध्यता पर संसद हस्तक्षेप नहीं कर सकती। फैसले में अदालत ने ट्रिब्यूनल रिफॉर्म्स एक्ट 2021 की कई प्रमुख धाराओं को असंवैधानिक घोषित किया। इनमें खासतौर पर ट्रिब्यूनल सदस्यों का कार्यकाल तय करना, न्यूनतम आयु नियत करना एवं सर्च-कम-सेलेक्शन कमेटी की सिफारिशों को बाध्यकारी न मानना था। अदालत को गंभीर आपत्ति इसलिए थी, क्योंकि इन धाराओं में बदलाव न्यायिक निकायों की आज़ादी को प्रभावित कर सकती थीं। कम अवधि का कार्यकाल सदस्यों को कार्यपालिका पर निर्भर बनाता है, न्यूनतम 50 वर्ष की आयु सीमा युवा और योग्य विशेषज्ञों को बाहर करती है और चयन समिति की भूमिका को कमजोर करने से नियुक्तियों में पारदर्शिता पर प्रश्न उठते हैं। सरकार ने वे प्रावधान पुनः जोड़ दिए थे, जिन्हें 2020 के फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने खारिज किए थे। अदालत द्वारा इसे 'प्रत्यक्ष अवज्ञा' मान कर रद्द कर देना उचित है।

इस फैसले में सकारात्मक पहलू यह है कि अदालत ने ट्रिब्यूनल प्रणाली की स्वतंत्रता और दक्षता को प्राथमिकता दी, यानी वह प्रशासनिक ट्रिब्यूनलों को सरकार के प्रभाव से मुक्त रखना चाहता है, ताकि वे निष्पक्ष न्याय देने में सक्षम रहें। इससे भविष्य में ट्रिब्यूनलों की विश्वसनीयता और कामकाज दोनों बेहतर होंगे। यह फैसला सरकार को स्पष्ट संदेश देता है कि न्यायिक आदेशों का पालन केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि संवैधानिक आवश्यकता है। इससे संसद और न्यायपालिका के बीच संस्थागत संवाद अधिक संतुलित होगा। निस्संदेह सरकार के लिए यह फैसला किसी झटके से कम नहीं, क्योंकि वह जिस संरचना को लागू करना चाहती थी, वह अब न्यायालय द्वारा पूरी तरह अस्वीकार कर दी गई है।

सरकार की प्रतिक्रिया शांत, संयत और संविधानसम्मत होनी चाहिए। उसे अदालत की टिप्पणियों को गंभीरता से लेते हुए ट्रिब्यूनलों के सुधार पर पुनर्विचार करना चाहिए। सरकार का अगला कदम यही होना चाहिए कि वह न्यायपालिका से संवाद कर एक व्यावहारिक, पारदर्शी और संविधान-सम्मत ढांचा तैयार करे। सहयोग और संवैधानिक मर्यादा के साथ ही ट्रिब्यूनल सुधारों का भविष्य सुरक्षित और प्रभावी बन सकता है, संसद और न्यायपालिका के बीच एक न्यायपूर्ण संबंध तथा संतुलन बनेगा।

प्रसंगवश

गौर करें, आपके आसपास कम हो रहे हैं पंछी

कभी मुंडेर पर कांव-कांव करने वाला कव्वा और आंगन में चीचीं करती नन्ही गौरैया कम हो रही है। पेस्टिसाइड और शहरीकरण ने हमारे आसपास के तमाम पंछियों को खत्म कर दिया है। आपको एक घटना बताती हूं। कुछ दिनों पहले मैंने अपने स्कूल में एक कौवा मरा पड़ा देखा। बहुत सामान्य सी बात है। मैंने भी इस बात पर बहुत ध्यान नहीं दिया। अगले दिन स्कूल में तीन कौवे मरे पड़े थे। थोड़ा अजीब लगा। बच्चे आपस में कुछ सुगबुगाहट कर रहे थे। मैंने पूछा, पर कुछ खास जवाब नहीं आया। तीन कौवे स्कूल में मरे पड़े हैं। अब यह बात थोड़ा ध्यान में रुक गई। अगले कुछ दिनों में मरे कौवो की संख्या बढ़ती ही गई।

मैंने कक्षा पांच के कुछ बच्चों से बात की। एक बच्चा प्रिंस बोला, ऐसी बात नहीं है मैडम! मेरे चाचा और पापा रात बात कर रहे थे। मैंने सुना वह लोग कह रहे थे खेतों में दवाई इस बार ज्यादा पड़ गई है। हम सब शांत हो गए। फिर मैंने प्रिंस से पूछा, कैसी दवाई? बच्चों की नादान बुद्धि के उत्तर आप भी सुनिए- खीरे को बड़ा करने की दवाई, कद्दू को जल्दी से फसल पर उतर लेने की दवाई, फसल में कीड़े लग जाने की दवाई। ऐसी बहुत सी दवाइयां मैडम हम डालते हैं। मैंने पूछा, तो कौवे क्यों मर रहे हैं? प्रिंस ने कहा, दवाई ज्यादा डल जाने से जान भी ले सकती है और कौवे मोर और चिड़िया यह सब खेत से सीधे अनाज, फल, सब्जी खाते हैं, तो दवाई से यह सब मर गए।

निवेदिता शर्मा
शिक्षिका

मैं सोच में पड़ गई कि बेजुबान जानवर इन दवाइयों का शिकार होकर मर रहे हैं और हम सबको खबर भी नहीं लग पा रही है। उससे भी बड़ी समस्या यह है कि लोग इस बड़ी समस्या को भी सामान्य मान रहे हैं। उनकी नजर में दवाई डालना एक बहुत ही सामान्य काम है। इस सामान्यीकरण से बच्चों के मानसिक और शारीरिक दोनों किस्म के विकास पर बहुत गहरा प्रभाव पड़ रहा है ।

फसलों को कीट-पतंग, कीड़ों से बचाने के लिए कीटनाशक का प्रयोग किया जाता है। यह कीटनाशक हमारे खाने के सहारे हमारे शरीर में धीरे-धीरे जमा हो जाते हैं और यह हमारे शरीर में जाकर सेंट्रल नर्वस सिस्टम को इफेक्ट करते हैं। डॉक्टरों का कहना है कि लंग कैंसर, ब्लड कैंसर का कारण मुख्य रूप से पेस्टिसाइड्स ही हैं। पेस्टिसाइड्स वे दवाइयां हैं, जिन्हें फसलों में, खेतों में, कीटों चूहों आदि से बचाने के लिए डाला जाता है। जानने की बात यह है कि इन्हें खाकर चूहा या कीट भागते नहीं है बल्कि मर जाते हैं।

जरा सोचिए जब यही दवाई हमारे शरीर में जाती है तो कुछ तो असर करती ही होगी न। पेस्टिसाइड्स का प्रयोग हरित क्रांति के समय हुआ। उपज को बढ़ाने और मुनाफा कमाने के लक्ष्य ने इसे बढ़ावा दिया। पेस्टिसाइड्स प्रयोग करने की मात्रा, समय, सभी कुछ अच्छे से निर्देशित होने के बावजूद लाभ कमाने के लालच, जागरूकता की कमी की वजह से किसानों ने ताबड़तोड़ मात्रा में कीटनाशक का प्रयोग किया है।

केरल के कासर कोड की घटना की तरफ सबका ध्यान जाना जरूरी है। एक पेस्टिसाइड का स्प्रिंग काजू की खेती पर 25 साल तक लगातार उपयोग किया गया। डॉ. मोहन कुमार, कासर कोड में डॉक्टर के रूप में आए। उन्होंने देखा कि अधिकतर घरों में बच्चे न्यूरो प्रॉब्लम्स कैंसर, क्रॉनिक प्रॉब्लम्स से संबंधित बीमारियों से लंबे समय से जूझ रहे हैं। उन्होंने अपनी रिसर्च में पाया कि जो पेस्टिसाइड काजू की खेती पर छिड़का जा रहा था, वह धीरे-धीरे सबके शरीर में जमा होता चला गया और वह आने वाली पीढ़ी के लिए इतनी बड़ी समस्या का सबब बना।

डिजिटल अरेस्ट खौफ का दोहन करते अपराधी

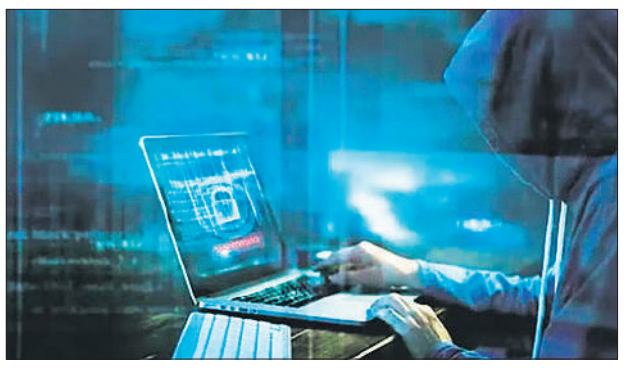

विवेक सक्सेना
अयोध्या

भारत में डिजिटल अरेस्ट एक खतरनाक साइबर अपराध के रूप में उभर रहा है। जो कि बेहद चिंताजनक है। साइबर अपराधी नए-नए तरीके से लोगों को अपना शिकार बना रहे हैं। साइबर ठग लोगों को डिजिटल अरेस्ट स्कैम में फंसा कर उनको डराते-धमकाते हैं। उन पर मनी लॉन्ड्रिंग, ड्रग्स व अवैध गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाते हैं। डिजिटल अरेस्ट स्कैम में फोन करने वाले कभी पुलिस, सीबीआई, नारकोटिक्स, आरबीआई और दिल्ली या मुंबई पुलिस अधिकारी बनकर आत्मविश्वास से बात करते हैं। वॉट्सएप या स्काइप कॉल पर जब कनेक्ट करते हैं, तो आपको फर्जी अधिकारी एकदम असली से लगते हैं। वे लोग पीड़ित को इमोशनली और मेंटली टॉर्चर करते हैं। साइबर फ्रॉड के शिकार होने वालों में छात्रों से लेकर बुजुर्ग, होम मेकर्स से लेकर काम कामकाजी महिलाएं, किसान से लेकर आईटी सेक्टर में काम करने वाले और बड़े-बड़े पदों पर आसीन पेशेवर भी शामिल हैं। फ्रॉड करने के लिए ऐसे जाल-बिछाते हैं कि पढ़े-लिखे और जागरूक लोग भी उनके चंगुल में फंसकर अपनी मेहनत की कमाई के लाखों-करोड़ों गंवा देते हैं।

देश में तेजी से बढ़ रहे इस खतरनाक क्राइम को लेकर उच्चतम न्यायालय ने भी आश्चर्य जताते हुए कहा कि ऐसे अपराधियों से सख्ती से निपटे जाने की जरूरत है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि यह चौंकाने वाली बात है कि देशभर में वरिष्ठ नागरिकों समेत अन्य पीड़ितों से 3000 करोड़ रुपये से अधिक की उगाही की जा चुकी है।

2024 में डिजिटल अरेस्ट से 92,000 से अधिक लोग प्रभावित हुए, जिनसे 1,616 करोड़ से अधिक की ठगी हुई। सुप्रीम कोर्ट और सरकार ने इस बढ़ती प्रवृत्ति पर कड़ी चिंता जताई है। अदालत ने सख्त कदम उठाने के लिए कहा। अपराधियों की रणनीति वीडियो कॉल, व्हाट्सएप कॉल, स्पूफ कॉल, फर्जी वेबसाइट आदि ये मुख्य तरीके हैं, जिनसे स्कैम चलाया जाता है। वरिष्ठ नागरिक, अकेले रहने वाले युवा, डिजिटल साक्षरता से दूर लोग इस अपराध के आसानी से शिकार बन रहे हैं। जागरूकता की कमी के चलते पढ़े-लिखे लोग भी इन जालसाजियों का शिकार हो जाते हैं। तकनीकी विकास के साथ-साथ टेक साक्षरता, जागरूकता और कड़े कानून का अनुपालन बेहद जरूरी है, वरना आम नागरिक भय, जानकारी की कमी और व्यवस्था के कमजोर पहलुओं के चलते बार-बार शिकार बनेंगे।

हाल ही में साइबर अपराध यानी हैकिंग से जुड़ी एक ग्लोबल रिपोर्ट सामने आई है, जिसने भारत को चिंता में डाल दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, हैकिंग के मामले में भारत, दुनिया के टॉप 10 देशों में शामिल हो गया है, जो कि डिजिटल सुरक्षा के लिहाज से एक गंभीर चेतावनी है। तीन वर्षों में महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश लगातार साइबर अपराध से सर्वाधिक प्रभावित शीर्ष दो राज्यों के रूप में स्थान पर रहे हैं। 2025 में, महाराष्ट्र साइबर अपराध के 1.6 लाख मामलों के साथ सबसे बुरी तरह प्रभावित राज्य होगा। इसके बाद उत्तर प्रदेश (1.4 लाख) और कर्नाटक (एक लाख) का स्थान होगा।

इसी साल अगस्त में लखनऊ के संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. रुचिका टंडन को भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण का अधिकारी बता फोन करने वाले ने सात दिन तक डिजिटल अरेस्ट रखा और 2.81 करोड़ रुपये की ठगी कर ली। वर्धमान ग्रुप के चेयरपर्सन और पद्मश्री एसपी ओसवाल को भी साइबर ठगों ने सीबीआई अधिकारी बनकर फोन किया और एक पुराने मामले में अरेस्ट वारंट का हवाला देकर डरा-धमकाकर सात करोड़ रुपये ठग लिए। इससे पहले मुंबई निवासी 75 वर्षीय रिटायर्ड शिप कैप्टन को शेयर मार्केट में हाई रिटर्न दिलाने का झांसा देकर अगस्त 2024 से लेकर नवंबर 2024 के बीच 11.16 करोड़ रुपये की ठगी की गई। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में एक नाबालिग छात्र को भी साइबर ठगों ने कॉल कर अश्लील वीडियो देखने की धमकी देकर पैसों की मांग की। छात्र इतना डर गया कि उसने सुसाइड कर लिया। नोएडा सेक्टर 82 में रहने वाली एक महिला आईटी इंजीनियर को डिजिटल अरेस्टट कर 20 लाख रुपये की ठगी कर ली गई। हाल में ही राजधानी दिल्ली के रोहिणी में रहने वाले एक 72 वर्षीय रिटायर्ड इंजीनियर को साइबर ठगों ने आठ घंटे तक डिजिटल अरेस्ट कर 10 करोड़ रुपये से ज्यादा की ठगी कर ली।

ये मामले सिर्फ बानगी भर हैं। सच तो ये है कि देश में रोज इस तरह के अपराध हो रहे हैं और डिजिटल अरेस्ट जैसी साइबर ठगी भारत की डिजिटल प्रणाली के सामने गंभीर चुनौती बन चुकी है। अदालत और नीति-निर्माताओं को फौरन कड़े कदम उठाने चाहिए। साथ ही, आमजन को भी सतर्क रहना और डिजिटल शिक्षा अपनाना जरूरी है। साइबर अपराध नियंत्रण के लिए (Indian Cyber Crime Coordination Centre) केंद्रीय भूमिका निभा रहा है। भुक्तभोगियों को साइबर हेल्पलाइन 1930 पर तुरंत रिपोर्ट करने की सलाह दी जाती है।

डिजिटल अरेस्ट की पहचान करने और बचने के लिए सतर्कता जरूरी है। आपके पास अनजान नंबर से फोन या वॉट्सएप कॉल आती है तो सावधानी बरतें। ध्यान रखें कि पुलिस अधिकारी कभी खुद की पहचान बताने के लिए वीडियो कॉल नहीं करेंगे। किसी भी राज्य की पुलिस आपको कभी कोई भी ऐप डाउनलोड करने को नहीं कहेगी। पहचान पत्र, एफआईआर की कॉपी और अरेस्ट वारंट ऑनलाइन नहीं भेजा जाता है। पुलिस अधिकारी कभी भी वॉयस या वीडियो कॉल पर बयान दर्ज नहीं कराते। देश के कानून में डिजिटल अरेस्ट का कोई प्रावधान नहीं है।

पूरी दुनिया डर के धंधे पर टिकी हुई है। इसी खौफ का दोहन कुछ शातिर अपराधी कर रहे हैं। जीवन को बर्बाद होने के डर की बड़ी कीमत साइबर ठग डिजिटल अरेस्ट के नाम पर वसूल रहे हैं।

आमने

10,000 में क्या मिलता है? 10,000 में बिहार सरकार मिलती है। वे पैसे के बल पर जीते हैं। उन्होंने महिलाओं को खुलेआम पैसे दिए और महिलाओं ने उन्हें वोट दिया। अब सरकार को 'जीविका दीदी' को किए वादे को पूरा करना चाहिए।

–मुकेश सहनी, अध्यक्ष
विकासशील इंसान पार्टी

सामने

मैं समझती हूं कि इस प्रकार के अजीबोगरीब बयान नहीं देने चाहिए। इलेक्शन कमीशन देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को बनाए रखने वाली सर्वप्रथम संस्था है। ऐसी संस्था के बारे में कहना राष्ट्रद्रोह जैसा है। उनको अपनी वाणी पर लगाम रखनी चाहिए।

–अपर्णा यादव, उपाध्यक्ष
उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग

होमवर्क में बदलाव से बढ़ेगी सीखने की भूख

रोहित माहेश्वरी
स्वतंत्र पत्रकार

पढ़ाई करते समय बच्चे अक्सर किसी टॉपिक को दोहरा कर सीखने की कोशिश करते हैं, जिसे कहते हैं कि रट-रट कर परीक्षा देने जाते हैं। जिसकी जितनी अच्छी रटने की शक्ति, उतना अच्छा वो उत्तर लिखता है और परिणाम के आधार पर बुद्धिमान बच्चा कहलाता है, पर गहराई से सोचें, क्या वह बच्चा वाकई में बुद्धिमान है? क्या सच में उसने कोई ऐसा ज्ञान अर्जित किया जो भविष्य में कभी उसके काम आएगा? जवाब है नहीं! ऐसे बच्चों की रटने की क्षमता तो बहुत अच्छी होती है, लेकिन वे जीवन के असल ज्ञान से वंचित रह जाते हैं और अपनी शिक्षा का उपयोग सही तरीके से नहीं कर पाते हैं।

शिक्षा का अर्थ है सीखना। स्कूल में पढ़ाई करने के पश्चात आपने ऐसा क्या सीखा जिसका उपयोग आप जीवन को सार्थक बनाने के लिए करते हैं! यही स्कूली शिक्षा का आधार है, इसलिए रटने से अच्छा है कि किसी बात को गहराई से समझें, जिससे वो बात आपके दिमाग में अच्छी तरह से बैठ जाए। पहले स्कूलों में होमवर्क का मतलब होता था, गणित के एक जैसे सवाल बार-बार हल करना या लंबा-लंबा निबंध लिखना, लेकिन अब यह बदल रहा है।

पूरे भारत की कक्षाएं जब बदलते शिक्षण तौर-तरीकों के अनुसार खुद को ढाल रही हैं, तो 'होमवर्क' जैसे साधारण कार्य में भी धीरे-धीरे बदलाव आ रहा है। यह अब बोझिल काम न रहकर, बल्कि खोज, सहयोग और रचनात्मकता के लिए उपयोगी उपकरण बन गया है। शिक्षाविदों का कहना है कि 'होमवर्क', जो पहले रटने पर आधारित था, अब नीतिगत बदलावों, डिजिटल उपकरणों और नए शिक्षण तौर तरीकों से बदल रहा है। ये रचनात्मकता, आलोचनात्मक सोच और छात्रों के कल्याण पर जोर देते हैं।

इसका मकसद छात्रों को सिर्फ पढ़ाई के लिए मजबूर करना नहीं, बल्कि सीखने की प्रक्रिया को मजेदार बनाना है। अब होमवर्क में सिर्फ याद करने के बजाय सोचने, समझने और नई चीजें बनाने पर जोर दिया जा रहा है। स्कूलों में बच्चों को प्रोजेक्ट बनाना, ग्रुप में काम करना और नयी जानकारी पर खोज करने जैसे काम दिए जा रहे हैं। इससे बच्चे अपने खुद के तरीके से सीखते हैं। इससे उनकी सोचने की क्षमता भी बढ़ती है।

इस संदर्भ में देखा जाए तो राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी), 2020 के जरिये स्कूली छात्रों के होमवर्क में आ रहा बदलाव स्वागतयोग्य है, जिसमें रटने के बजाय सीखने पर ज्यादा जोर है। इस नीति में छात्रों पर शैक्षणिक बोझ कम करने तथा गतिविधि आधारित शिक्षा को प्रोत्साहित करने की वकालत की गई है। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) समेत कई राज्य बोर्डों ने शिक्षकों से ऐसे होमवर्क देने को कहा है, जिन्हें करने में बच्चों को खुशी हो और उनमें प्रयोग करने की गुंजाइश हो।

ऐसे में, स्कूलों की कोशिश है कि छात्रों को होमवर्क में ही व्यस्त न रखा जाए। ज्यादातर स्कूल आज प्रोजेक्ट आधारित काम देने लगे हैं और बच्चों को सामुदायिक जुड़ाव वाली गतिविधियों में शामिल करने लगे हैं। छात्रों के होमवर्क को आसान और दिलचस्प बनाया जा रहा है, ताकि वे केवल किताबी कीड़ा बनकर न रह जाएं। जोर इस पर दिया जा रहा है कि छात्र चीजों के बारे में खुद से सोचने, समझने और उन्हें बनाने की कोशिश करें। इससे बच्चों की रचनात्मकता जागती है और उनमें सोचने की क्षमता बढ़ती है। दरअसल, छात्रों को मिल रहे भारी-भरकम होमवर्क से उनकी रचनात्मकता खत्म होने लगी थी और इसे लेकर देशभर में चिंता जताई जा रही थी।

वर्ष 2018 की वार्षिक शिक्षा स्थिति पर रिपोर्ट में पाया गया था कि 74 प्रतिशत शहरी छात्रों को दैनिक होमवर्क मिलता है, जिसमें उनके तीन से चार घंटे का समय चला जाता है, जबकि सीखने के मोर्चे पर उसका कोई विशेष लाभ नहीं होता। पिछले दिनों प्रधानमंत्री ने भी शिक्षकों को एक खास तरह का होमवर्क दिया था, जिसमें उन्हें छात्रों के साथ स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने के अभियान से जोड़ा गया था, ताकि 'मेक इन इंडिया' और 'वोकल फॉर लोकल' को प्रेरणा मिल सके। यह बच्चों में देशभक्ति की भावना के साथ व्यावहारिक सोच बढ़ाने में भी मददगार साबित होगा।

अमेरिका में नेशनल पीटीए (राष्ट्रीय अभिभावक शिक्षक संघ) और नेशनल एजुकेशन एसोसिएशन द्वारा बनाया गया '10-मिनट नियम' यह बताता है कि बच्चों को हर रात अपनी कक्षा के हिसाब से लगभग 10 मिनट 'होमवर्क' करना चाहिए। इसका मतलब है कि पहली कक्षा के बच्चों को 10 मिनट 'होमवर्क' करना चाहिए, जबकि बारहवीं क्लास के बच्चों को 120 मिनट तक 'होमवर्क' करना चाहिए। भारत में 'होमवर्क' की अवधारणा भले ही बदल गई हो, लेकिन असल में कई भारतीय छात्र अक्सर रोजाना 3-4 घंटे 'होमवर्क' करने में बिताते हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि 'होमवर्क' की अवधारणा में बदलाव का एक कारण राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 भी है, जो छात्रों पर पढ़ाई का बोझ कम करने और गतिविधियां आधारित सीखने को बढ़ावा देने पर जोर देती है। कई राज्य बोर्ड और केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने इसके बाद परिपत्र जारी कर शिक्षकों से ऐसे काम देने को कहा है जो 'मनोरंजक, प्रायोगिक और व्यावहारिक हों।

कक्षाएं जब बदलते शिक्षण तौर-तरीकों के अनुसार खुद को ढाल रही हैं, तो होमवर्क में भी धीरे-धीरे बदलाव आ रहा है। अब यह बोझिल काम न रहकर, बल्कि खोज, सहयोग और रचनात्मकता के लिए उपयोगी उपकरण बन गया है।

सोशल फोरम

एक छोटे से आविष्कार ने बदल दी दुनिया

वह 37 साल की उम्र में मर गया- कंगाल। भुला दिया गया, लेकिन आज भी, हर दिन, आप उसी की बनाई चीज पहनते हैं।1880 में एक जोड़ी जूते की कीमत इतनी थी कि उसे खरीदने के लिए आम परिवार एक हफ्ते की कमाई भी खर्च नहीं कर पाते थे। न तो चमड़ा कम था, न मोची लालची थे। समस्या थी एक असंभव सी प्रक्रिया, जिसे दुनिया का कोई भी आविष्कारक मशीन से नहीं कर पाया था। इसे कहा जाता था 'लास्टिंग'। जूते के ऊपरी हिस्से को उसके तले से जोड़ना। यह काम इतनी बारीकी, इतना कौशल मांगता था कि सिर्फ माहिर कारीगर ही कर सकते थे।

प्रशांत पांडेय
ब्लॉगर

वो भी दिन भर की मेहनत के बाद लगभग 50 जोड़ी जूते बना पाते। दर्जनों आविष्कारकों ने इस काम को मशीन से करवाने की कोशिश की, लेकिन सब असफल।

फिर एक युवा अश्वेत आप्रवासी एक लड़का, जो अंग्रेजी तक ठीक से नहीं बोलता था, ने ठान लिया कि वह इस असंभव को हल करेगा। जान एर्न्स्ट मैटजेलिगर का जन्म 1852 में सूरीनाम में हुआ। 19 साल की उम्र में वह जहाजों पर काम करने निकल पड़े। 21 की उम्र में वो अमेरिका के लिन, मैसाचुसेट्स पहुंचे, जो उस समय जूता उद्योग की राजधानी था। वहीं फैक्ट्री में काम करते हुए उन्होंने उस bottleneck को देखा जो पूरी इंडस्ट्री को जकड़े हुए था। उन्होंने देखा कि कोई यह मानने को तैयार नहीं था कि एक अश्वेत मजदूर वह कर सकता है जो दुनिया के दिमाग नहीं कर पाए।

उन्होंने अनुमति नहीं मांगी। बस शुरू कर दिया। 10–10 घंटे फैक्ट्री में काम और फिर रात में अपने छोटे कमरे में वापस आना। अंग्रेजी सीखना, मशीन ड्रॉइंग सीखना, इंजीनियरिंग सीखना। सब कुछ खुद, मोमबत्ती की रोशनी में। और फिर- मॉडल पर मॉडल बनाना, टूटना, फिर बनाना, फिर टूटना। 6 साल तक लगातार असफलताएं। निवेशक हंसते थे। साथी मजदूरों को भरोसा नहीं था और नस्लभेद के चलते हर दरवाजा उनके लिए बंद ही रहा। 20 मार्च 1883 को, अमेरिकी पेटेंट ऑफिस ने पेटेंट नंबर 274,207 उन्हें जारी किया। उनकी Lasting Machine काम कर गई। और सिर्फ ठीक ही नहीं, बल्कि क्रांतिकारी थी। जहां एक माहिर कारीगर 50 जोड़ी जूते बनाता था, मैटजेलिगर की मशीन 150 से 700 जोड़ी तक बनाती थी। तेज, सटीक, और बिना थके। कुछ ही सालों में जूतों की कीमत आधी हो गई। –फेसबुक वाल से

सामयिकी

मुफ्त अनाज का वितरण और जनवादी डाटा

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत मुफ्त अनाज दिसंबर के बाद भी एक साल तक मिलता रहेगा। कथित गरीबों के लिए एक और सुखद खबर है कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून के तहत दो रुपये किलो गेहूं और तीन रुपये किलो चावल के तौर पर जो अनाज उपलब्ध कराया जा रहा था, सरकार के रिकॉर्ड में जो लोग 'गरीब' के तौर पर दर्ज हैं, उनकी बल्ले-बल्ले हो गई है। दरअसल भारत सरकार का यह सरोकार नहीं है कि मुफ्त अनाज के कितने लाभार्थी ऐसे गेहूं, चावल को बाजार में बेच देते हैं, क्योंकि उन्हें वह अनाज 'घटिया' लगता है। मोदी सरकार अपना डाटा 'जनवादी' बनाए रखना चाहती है कि वह 81.35 करोड़ गरीब नागरिकों को बिल्कुल मुफ्त अनाज मुहैया करा रही है।

आकाश सपेलकर
अधिवक्ता, सुप्रीम कोर्ट

बेशक अर्थव्यवस्था पर इसके व्यापक विपरीत प्रभाव न पड़ें और वित्तीय घाटा भी परिधियों के बाहर न हो, लेकिन कुछ सवाल लगातार पूछे जा रहे हैं कि कोरोना-काल के बाद आर्थिक गतिविधियां सामान्य होने के बावजूद मुफ्त अनाज बांटते रहना क्या और क्यों जरूरी है? यदि 81 करोड़ से अधिक लोगों को पांच किलो मुफ्त अनाज, प्रति व्यक्ति प्रति माह, मुहैया नहीं कराया जाएगा, तो क्या वे भूखे मर जाएंगे? क्या भारत में इतनी गरीबी और संभावित भुखमरी के हालात हैं?

तो फिर गरीबी उन्मूलन योजनाओं का क्या हो रहा है? निःशुल्क अनाज की अवधि बढ़ाने से देश के खजाने पर दो लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का जो अतिरिक्त बोझ पड़ेगा, उसके फलितार्थ क्या होंगे? बहरहाल इन दोनों योजनाओं को मिला दें, तो करीब 10 करोड़ टन अनाज मुफ्त बांटना पड़ेगा। यह भारत के कुल अनाज उत्पादन का एक-तिहाई होगा। बीती पहली दिसंबर तक केंद्रीय पूल में, गेहूं और चावल के मौजूदा भंडारण, करीब 5.54 करोड़ टन थे। यह एक साल पहले के भंडारण की तुलना में एक-तिहाई से भी कम अनाज है। भारतीय खाद्य निगम के भंडारण में इतना भी अनाज नहीं है, जितना कोरोना-काल के लॉकडाउन के बाद था। उस अनाज को लोगों में वितरित किया गया। यह सवाल स्वाभाविक है कि सरकार कब तक मुफ्त अनाज बांटती रहेगी? कमोबेश यह गरीबी और बेरोजगारी का वैकल्पिक समाधान नहीं है।

दरअसल यह मोदी सरकार का राजनीतिक तौर पर बेहद चतुर निर्णय है। बेशक भाजपा चुनाव प्रचार के दौरान मुफ्त अनाज मुहैया कराने का प्रचार करे या न करे, लेकिन प्रतीकात्मक तौर पर लोगों के मानस पर इसका प्रभाव रहता ही है। भाजपा कई चुनावों में इस फॉर्मूले को आजमा चुकी है। खासकर महिलाओं पर इस योजना का जबरदस्त सकारात्मक प्रभाव देखा गया है। नतीजतन महंगाई, बेरोजगारी, किसानी, असंतोष, सांप्रदायिकता आदि मुद्दों के बावजूद भाजपा को जनादेश मिलता रहा है।

राज्यों में चुनाव हैं और अधिकतर राज्यों में भाजपा-एनडीए की सरकारें हैं। राजनीतिक तौर पर भाजपा के लिए अग्नि-परीक्षा से कम दौर नहीं होगा, क्योंकि वहीं के जनादेश के आम चुनाव की पुख्ता जमीन तैयार हो सकती है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून 2013 में तत्कालीन यूपीए सरकार ने पारित कराया था। उसके तहत तीन-चौथाई ग्रामीण और लगभग आधी शहरी आबादी को सबसिडी पर अनाज हासिल करने का संवैधानिक अधिकार प्राप्त हुआ था। मोदी सरकार ने इसे व्यापकता दी है। अब सबसिडी पर ही नहीं, बल्कि बिल्कुल मुफ्त अनाज हासिल किया जा सकता है। योजनाओं से कितनी 'काली भेड़ें' जुड़ी हैं, यह एक अलग सवाल है और इसका विश्लेषण किया जाना चाहिए।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***
0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

यूरेका

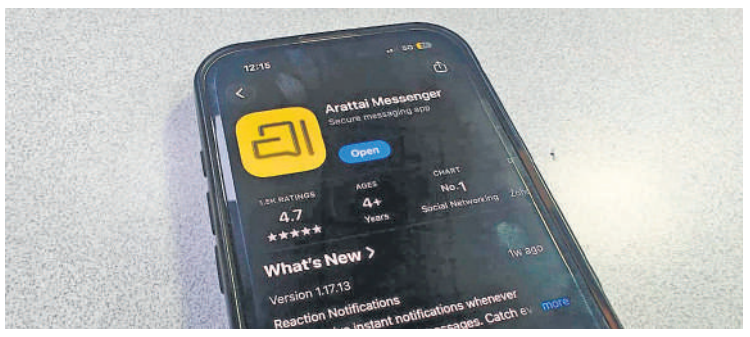

अरट्टई

डिजिटल संवाद का स्वदेशी अध्याय

भारत के डिजिटल परिदृश्य में इस समय एक नया नाम तेजी से सुर्खियों में है- Zoho का 'अरट्टई' (Arattai) ऐप। सितंबर-अक्टूबर 2025 के बीच इसके डाउनलोड्स में अचानक उछाल आया और यह कुछ ही हफ्तों में ऐप स्टोर्स की शीर्ष सूची में जगह बना गया। 'अरट्टई' तमिल भाषा का शब्द है, जिसे 'गपशप' अथवा 'आकस्मिक बातचीत' के संदर्भ में इस्तेमाल किया जा सकता है। जनवरी 2021 में लॉन्च हुआ यह ऐप चार साल तक लगभग गुमनाम रहा, लेकिन अब "आत्मनिर्भर भारत" की नई लहर के बीच यह भारतीय तकनीक का प्रतीक बनकर उभरा है।

डॉ. शिवम भारद्वाज
असिस्टेंट प्रोफेसर, मथुरा

Zoho की साख और आत्मनिर्भर भारत की भावना

Zoho उन कुछ भारतीय कंपनियों में है, जो बिना विदेशी निवेश के वैश्विक पहचान बना चुकी है। संस्थापक और सीईओ श्रीधर वेम्बू के नेतृत्व में चेन्नई मुख्यालय वाली यह कंपनी बीते दो दशकों से विश्व स्तर पर सॉफ्टवेयर-एज-ए-सर्विस (SaaS) क्षेत्र में भारत की पहचान रही है। इसके 55 से अधिक प्रोडक्ट्स- जैसे Zoho Mail, Zoho CRM, Zoho Books, Zoho Workplace और Zoho Cliq दुनियाभर के तमाम देशों में उपयोग किए जाते हैं। हाल में Zoho एक बड़ी खबर यह भी आई कि केंद्र सरकार के कई विभागों और निकायों ने NIC से Zoho Mail पर डेटा माइग्रेशन शुरू किया है, ताकि देशी सर्वरों पर होस्टेड और अधिक सुरक्षित ईमेल व्यवस्था स्थापित की जा सके। इससे कंपनी की साख को और मजबूती दी और यह दिखाया कि भारत अब वैश्विक विकल्पों पर निर्भर रहने के बजाय अपनी तकनीकी क्षमता पर भरोसा करने लगा है। ऐसे में जब इसी कंपनी ने एक मैसेजिंग ऐप पेश किया, तो स्वाभाविक रूप से लोगों में उत्सुकता बढ़ी। अरट्टई को आज के डिजिटल भारत की नई कहानी बनाने और इस अप्रत्याशित उछाल के पीछे भारतीय तकनीकी कंपनियों पर भरोसा, विदेशी ऐप्स के प्रति सतर्कता, डेटा सुरक्षा को लेकर बढ़ती जागरूकता जैसे कारक तो हैं ही, लेकिन महत्वपूर्ण भूमिका वैश्विक अनिश्चितताओं, जैसे कि तकनीक की उपलब्धता अथवा टैरिफ संकट से भरे माहौल में 'आत्मनिर्भर भारत' और 'स्वदेशी' अपनाने की अपील ने निभाई है।

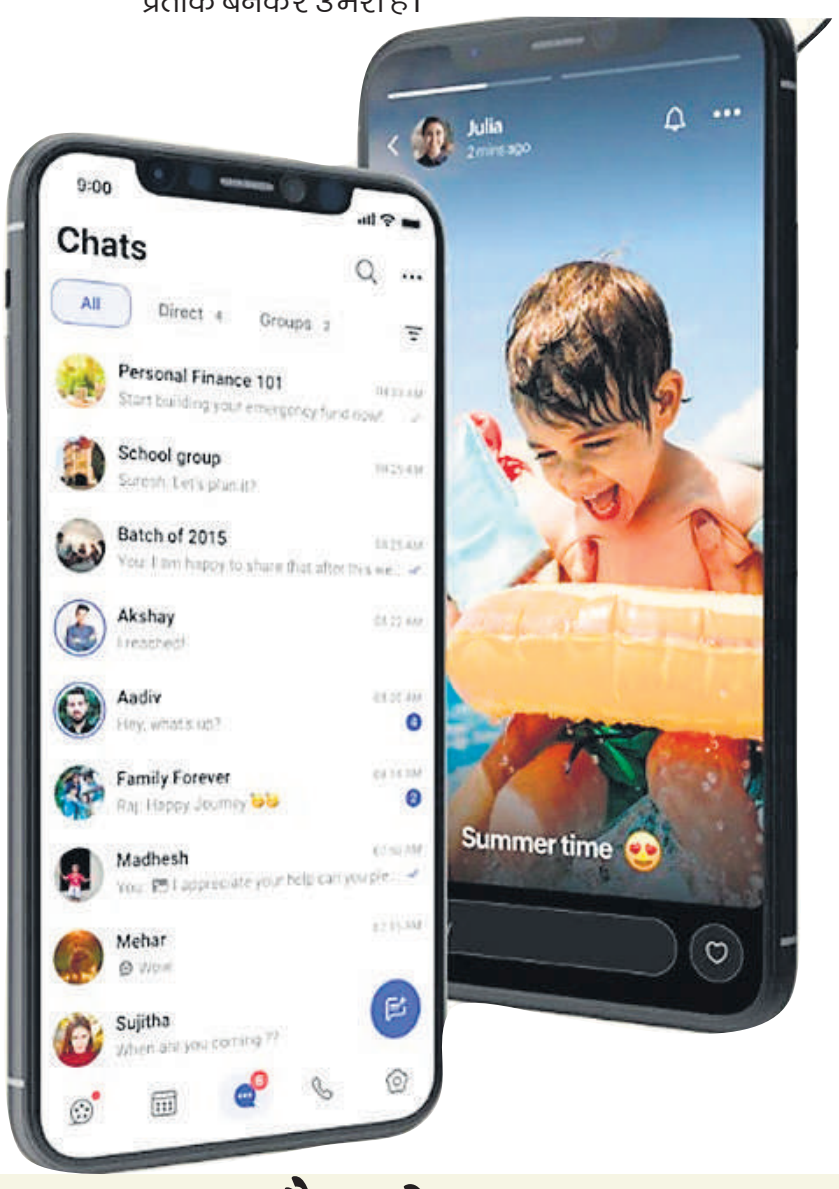

लोकप्रियता की रफ्तार और शुरुआती तकनीकी झटके

सितंबर 2025 में अरट्टई की लोकप्रियता इतनी तेजी से बढ़ी कि Zoho के सर्वरों को भी संभलने का मौका नहीं मिला। लाखों की तादाद में नए उपयोगकर्ता जुड़ने लगे और उसके साथ सामने आईं OTP में देरी, कॉल में लैग और सिंक की समस्याएं। यह दौर हर उभरते प्लेटफॉर्म के लिए सीख का होता है। तेजी से आगे बढ़ने के साथ स्थायित्व का संतुलन जरूरी है। Zoho ने भी सर्वर क्षमता बढ़ाकर स्थिति संभाली।

क्या बनाता है अरट्टई को अलग

Zoho ने अरट्टई को केवल चैटिंग ऐप नहीं, बल्कि एक समग्र संचार मंच के रूप में विकसित किया है। इसके फीचर्स इस दिशा को स्पष्ट करते हैं-

- **पॉकेट- आपकी निजी डिजिटल तिजोरी-** इस फीचर में आप अपने नोट्स, फोटो, वीडियो और दस्तावेज सुरक्षित रख सकते हैं, जो लोग WhatsApp पर खुद को मैसेज भेजकर चीजें सहेजते हैं, उनके लिए यह सुविधा गेमचेंजर साबित हो सकती है।
- **मीटिंग्स टैब- वीडियो कॉल का नया रूप-** बिना Zoom या Google Meet जैसे अलग ऐप्स पर जाए, अरट्टई में ही सीधे वीडियो मीटिंग्स आयोजित की जा सकती है।
- **मेंशन्स टैब-** इस टैब में वे सभी चैट्स एक जगह मिलती हैं, जिनमें उपयोगकर्ता को टैग या उल्लेख किया गया है। यह व्यस्त पेशेवरों के लिए राहत का फीचर है।
- **Android TV पर उपलब्धता-** मोबाइल और लैपटॉप/डेस्कटॉप के साथ अरट्टई Android TV पर भी उपलब्ध है, अर्थात संवाद का दायरा घर के बड़े पर्दे तक पहुंच गया है।

डेटा सुरक्षा पर कंपनी का भरोसा

Zoho ने स्पष्ट किया है कि अरट्टई पर कोई विज्ञापन नहीं होगा, डेटा किसी को नहीं बेचा जाएगा और भारतीय उपयोगकर्ताओं का डेटा भारत के सर्वरों (मुंबई, दिल्ली, चेन्नई) में ही रखा जाएगा। हालांकि फिलहाल टेक्स्ट चैट्स के लिए पूर्ण एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन लागू नहीं हुआ है, लेकिन कंपनी का कहना है कि यह सुविधा जल्द ही जोड़ी जाएगी और इसके लिए एक सुरक्षा श्वेतपत्र जारी किया जाएगा। यह कदम डेटा पारदर्शिता की दिशा में एक मजबूत संकेत है, जो उपयोगकर्ताओं में विश्वास को और बढ़ाने में मदद कर सकता है।

भविष्य की दिशा: संवाद से भुगतान तक

खबरों के अनुसार Zoho अब 'Zoho Pay' नाम से UPI भुगतान सेवा भी लाने की तैयारी में है। यदि यह सेवा भविष्य में अरट्टई से जुड़ती है, तो ऐप चैट्स, मीटिंग्स और पेमेंट्स तीनों को एकीकृत अनुभव के रूप में पेश कर सकेगा। इससे अरट्टई सिर्फ चैटिंग ऐप नहीं, बल्कि भारत का पहला संपूर्ण डिजिटल कम्युनिकेशन प्लेटफॉर्म बन सकता है। हालांकि इसके साथ नई जिम्मेदारियां भी आएंगी- वित्तीय सुरक्षा, डेटा गोपनीयता और नियामक पालन की।

Hike और Koo की यादें, पर एक नया सलीका

भारत ने इससे पहले भी स्वदेशी सोशल ऐप्स की लहर देखी है। Hike मैसेंजर और Koo जैसे प्लेटफॉर्म एक समय खासी चर्चा में रहे, पर समय के साथ वैश्विक प्रतिस्पर्धियों के सामने कमजोर पड़ते गए और अंततः बंद हो गए। उनका अनुभव सिखाता है कि भावनाओं का ज्वार शुरुआत करा सकता है, पर स्थायित्व के लिए उपभोक्ताओं का भरोसा, दीर्घकालिक टिकाऊ बिजनेस मॉडल और निरंतर सुधार बेहद जरूरी हैं। Zoho के पास अनुभव और संसाधन हैं और यही अरट्टई की सफलता में सबसे बड़ी ताकत साबित हो सकते हैं।

डिजिटल परिपक्वता की मिसाल

तकनीक की दुनिया में ट्रेंड बदलते हैं, पर भरोसा और प्रदर्शन स्थायी रहते हैं। अरट्टई इस बात का प्रमाण है कि भारत अब केवल "डिजिटल आत्मनिर्भरता" की बातें नहीं कर रहा, बल्कि उसे जी रहा है। यह दिखाता है कि भारतीय कंपनियां न सिर्फ तकनीकी रूप से सक्षम हैं, बल्कि अब वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने को भी तैयार हैं। भरोसा, सुरक्षा और निरंतर सुधार यही वे तीन स्तंभ हैं, जिन पर कोई भी डिजिटल मंच स्थायी बन सकता है। यदि अरट्टई इन तीनों कसौटियों पर खरा उतरा, तो यह केवल एक ऐप नहीं, बल्कि भारत की डिजिटल आत्मविश्वास की पहचान बनेगा।

भरोसे से बनेगा स्वदेशी नवाचार का भविष्य

तकनीक की दुनिया में ट्रेंड बदलते हैं, पर भरोसा और प्रदर्शन स्थायी रहते हैं। अरट्टई की सफलता यह साबित कर सकती है कि स्वदेशी नवाचार अब भावनात्मक नहीं, बल्कि व्यावहारिक और विश्वसनीय दिशा ले चुका है। यह ऐप भारत के डिजिटल भविष्य की उस कहानी का हिस्सा है, जहां आत्मनिर्भरता सिर्फ विचार नहीं, व्यवहार बन चुकी है।

रोचक किस्सा

पैरासेल्सस

पैरासेल्सस पुनर्जागरण काल के उन विलक्षण व्यक्तित्वों में गिने जाते हैं, जिन्होंने अपने समय की सीमाओं से आगे बढ़कर ज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में प्रयोग किए। 16 वीं शताब्दी के शुरुआती वर्षों में उन्होंने फेरारा विश्वविद्यालय से चिकित्सा में डॉक्टरेट की उपाधि हासिल की, जो उस दौर में एक बड़ी उपलब्धि मानी जाती थी। आज उन्हें आधुनिक विषविज्ञान का जनक कहा जाता है, परंतु उनका व्यक्तित्व इससे कहीं अधिक विस्तृत था। वे न सिर्फ एक प्रख्यात चिकित्सक थे, बल्कि वनस्पतिशास्त्र और गूढ़ विद्याओं के भी गंभीर अध्ययनकर्ता रहे। यही गूढ़ रुचियां, उन्हें कई ऐसे प्रयोगों की ओर ले गईं, जो आज हमें अविश्वसनीय प्रतीत होते हैं। उनके सबसे चर्चित विचारों में से एक था- होमुनकुलस की कल्पना। पैरासेल्सस का दावा था कि मनुष्य का वीर्य, यदि उसे उचित गर्मी प्रदान की जाए और मानव रक्त से पोषित किया जाए, तो उसमें एक सूक्ष्म मानव यानी होमुनकुलस विकसित किया जा सकता है। उन्होंने इस प्रक्रिया के कथित चरणों

को विस्तार से लिखा, ताकि कोई भी इच्छुक व्यक्ति इस "निर्माण" को आजमा सके। उनके अनुसार, लोककथाओं में वर्णित परियां, दैत्य और अन्य रहस्यमय जीव भी इसी प्रकार की प्राकृतिक प्रक्रियाओं से उत्पन्न हुए होंगे। हालांकि उस युग में विज्ञान अभी विकसित हो ही रहा था, फिर भी पैरासेल्सस की यह अवधारणा अत्यंत विचित्र मानी जाती थी। वैज्ञानिक समझ की सीमाओं और गूढ़ विश्वासों की मिश्रित दुनिया में जन्मे ये विचार आज हमें और भी असंगत एवं कल्पनाप्रधान लगते हैं। बावजूद इसके, पैरासेल्सस जैसे विचारकों ने इतिहास को यह सिखाया कि ज्ञान की खोज कभी रैखिक नहीं होती। कभी-कभी अजीब प्रयोग ही भविष्य की वैज्ञानिक सोच की नींव तैयार कर जाते हैं।

वैज्ञानिक फैक्ट

तारों की बदलती स्थितियां

पृथ्वी के अक्ष दोलन का अद्भुत प्रभाव

पृथ्वी के अक्ष के दोलन में 72 वर्ष में आकाश में एक डिग्री का अंतर होता है। पृथ्वी के दोलन का काल 26 हजार वर्ष का है। पिछले 2500 वर्षों में इसमें लगभग 34.6 डिग्री का अंतर आया है और इसका वर्तमान झुकाव 23.44 डिग्री है। दरअसल इन दिनों पृथ्वी के घूर्णन और दोलन में आए बदलाव के कारण माना जा रहा है कि हमारी राशियों में भी बदलाव आ चुका है। राशियों का विषय ज्योतिषियों का है और राशियों में बदलावों को लेकर दुनिया के कई देशों में इन दिनों जबरदस्त चर्चा चल रही है। बहरहाल इस आलेख का आधार ज्योतिष न होकर खगोलीय विज्ञान आधार है। पृथ्वी तथा अन्य खगोलीय पिंडों की गति के आधार पर तमाम कैलेंडर प्रचलित हैं, जिसमें प्राचीन भारत में शुरू 27 नक्षत्रों पर आधारित पंचांग भी है। इन सबसे परे खगोल विज्ञान वैज्ञानिक दृष्टि से तारों और नक्षत्रों की गणना व उनका अध्ययन करता है। नक्षत्रों की स्थिति में बदलाव पृथ्वी के अक्ष के दोलन और उसके झुकाव के कारण होता है। पृथ्वी के अक्ष के दोलन में 72 वर्ष में आकाश में एक डिग्री का अंतर होता है अर्थात पूरे दोलन का काल 26 हजार वर्ष है।

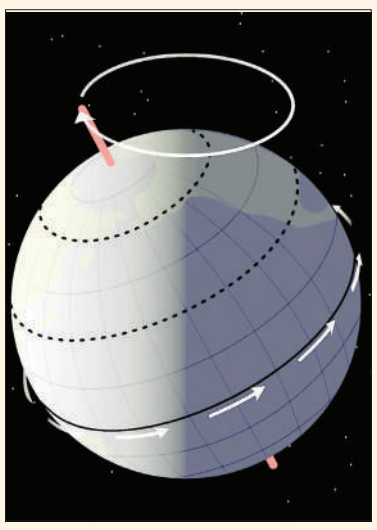

पिछले 2500 वर्षों में इसमें लगभग 34.6 डिग्री का अंतर आया है। इसका एक उदाहरण मकर संक्रांति की तारीख में 14 से 15 जनवरी का बदलाव है। वर्तमान में यह झुकाव 23.44 डिग्री है और यह झुकाव धीरे-धीरे बदलता जाएगा। नक्षत्रों की अपनी परस्पर स्थिति में परिवर्तन हजारों-लाखों वर्ष में आता है। वर्तमान में पृथ्वी का झुकाव 23.44 डिग्री है, जिसे हम सब बचपन से 23.5 डिग्री सुनते आए हैं। पृथ्वी का अक्षीय झुकाव स्थिर नहीं रहता है और लगभग 41 हजार वर्षों के लंबे चक्र में 22.1 और 24.5 डिग्री के बीच दोलन करता रहता है। पृथ्वी के झुकाव में परिवर्तन की दर लगभग 46.8 आर्क सेकंड प्रति शताब्दी है। 25 शताब्दियों की गणना के अनुसार 1170 आर्क सेकेंड का अंतर यानी 0.325 डिग्री का अंतर आया है। 2500 वर्षों की अवधि में प्राकृतिक चक्र के कारण होने वाला बदलाव बहुत छोटा है, एक अंश मात्र भर है।

बबलू चंद्रा
नैनीताल

ध्रुव तारा भी नहीं है स्थिर

नैनीताल स्थित आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) के खगोल वैज्ञानिक डॉ. वीरेंद्र यादव कहते हैं कि ध्रुव तारे के एक स्थान पर स्थिर होने की कहानी हम सब जानते हैं, लेकिन पृथ्वी के झुकाव में बदलावों के कारण पृथ्वी के सापेक्ष वर्तमान में उत्तर में नजर आने वाला ध्रुव तारा भी स्थिर नहीं है। पृथ्वी के अक्षीय दोलन के कारण हजारों वर्ष पूर्व तथा भविष्य में कोई अन्य तारा पृथ्वी के उत्तरी ध्रुव के ऊपर होगा और ऐसा भी समय होगा, जब कोई ध्रुव तारा नहीं होगा। 14000 वर्ष पूर्व तथा 11700 वर्ष भविष्य में वेगा नामक एक चमकदार तारा ध्रुव तारे का स्थान लेगा।

जंगल की दुनिया

तकाहे

दक्षिण द्वीप का तकाहे पक्षी, जो केवल न्यूजीलैंड में पाया जाता है, दुनिया की सबसे बड़ी जीवित रेल प्रजाति है। कभी इसे पूरी तरह विलुप्त मान लिया गया था, लेकिन 1948 में मर्चिसन पर्वतों में इसकी चमत्कारिक पुनर्खोज ने सभी को अचंभित कर दिया। आज इनकी संख्या धीरे-धीरे बढ़कर 400 से थोड़ी अधिक हो गई है। यह उत्साहजनक वृद्धि एक विशेष और सुव्यवस्थित संरक्षण कार्यक्रम का परिणाम है, जो अभयारण्यों और प्राकृतिक आवास दोनों में इनकी आबादी को बढ़ाने में मदद कर रहा है।

हालांकि तकाहे का स्वरूप रेल परिवार की एक अन्य सामान्य प्रजाति पूकेको से मिलता-जुलता है, फिर भी नजदीक से देखने पर इनके बीच का अंतर स्पष्ट हो जाता है। पूकेको पतले होते हैं, उड़ सकते हैं और बहुत बड़ी संख्या में पाए जाते हैं। इसके विपरीत, तकाहे अधिक भारी-भरकम होता है, उड़ानहीन होता है और इसके पंख गहरे, चमकीले नीले और हरे रंगों की इंद्रधनुषी आभा से भरपूर होते हैं, जो इसे देखने में बेहद आकर्षक बनाते हैं। इन सभी विशेषताओं के कारण तकाहे न केवल एक जैविक दुर्लभता है, बल्कि प्रकृति की दृढ़ता और पुनर्जीवन की अद्भुत क्षमता का जीवंत प्रतीक भी है।

हम अब भी भारत में खेल रहे हैं। हम इस तरह की सतहों पर खेलते हुए बड़े हुए हैं। हां, गुवाहाटी अलग हो सकता है लेकिन मिट्टी भारत में ही कहीं से आई होगी। हम इन हालात को जानने या इन हालात में बहुत तेजी से ढलने के लिए खुद पर विश्वास करना और उनका समर्थन करना चाहेंगे।

-आकाश चोपड़ा

स्टेडियम

लखनऊ, शुक्रवार 21 नवंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

गोल्फर दीक्षा डागर ने स्वर्ण पदक जीता

टोक्यो : भारतीय गोल्फर दीक्षा डागर ने आखिरी दौर में 11 अंडर स्कोर करके बृहस्पतिवार को बधिर ओलंपिक में स्वर्ण पदक बरकरार रखा । चौबीस वर्ष की दीक्षा ने 2017 बधिर ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करके रजत पदक जीता था जब पहली बार खेलों में गोल्फ को शामिल किया गया था । इसके बाद 2021 में उन्होंने स्वर्ण पदक जीता था । दीक्षा ने पहले दिन चार अंडर 68 स्कोर किया जिसके बाद 65 और 72 स्कोर रहा । जकार्ता में 2018 एशियाई खेलों में भाग लेने वाली दीक्षा इसके एक साल बाद 18 वर्ष की उम्र में लेडीज यूरोपीय टूर पर जीत दर्ज करने वाली अदिति अशोक के बाद दूसरी गोल्फर बनी थी । तोक्यो ओलंपिक में अंतरराष्ट्रीय गोल्फ महासंघ (आईजीएफ) से खेलने का अचानक न्योता पाने वाली दीक्षा ने 54 होल में 26 अंडर स्कोर किया ।

प्रणवी ने आईजीपीएल खिताब जीता

मुंबई : प्रणवी उर्स बृहस्पतिवार को यहां आईजीपीएल टूर में इतिहास रचते हुए पुरुष खिलाड़ियों के साथ खेलते हुए पेशेवर टूर्नामेंट जीतने वाली पहली भारतीय महिला गोल्फर बनीं । प्रणवी ने आईजीपीएल आमंत्रण मुंबई में अंतिम दौर में आठ अंडर 60 का हफ्ते का सर्वश्रेष्ठ स्कोर बनाया । प्रणवी का कुल स्कोर 18 अंडर रहा । कल तक शीर्ष पर चल रहे करणदीप कोच्चर अंतिम दौर में 64 के स्कोर से कुल 12 अंडर के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रहे ।

इटली डेविस कप के सेमीफाइनल में

बोलोगना (इटली) : दो बार की गत चैम्पियन इटली ने आस्ट्रिया को 2 . 0 से हराकर डेविस कप टेनिस सेमीफाइनल में जगह बना ली जहां उसका सामना बेल्जियम से होगा । इटली के लिये फ्लावियो कोबोली ने फिलिप मिसोलिच को 6-1, 6-3 से हराकर दूसरा मुकाबला जीता । इससे पहल माटेओ बेरेटिनी ने जुरिज रोडियोनोव को 6-3, 7-6 से मात दी थी । इटली लगातार 12 डेविस कप मुकाबला जीत चुका है । आखिरी बार उसे 2023 में कनाडा ने ग्रुप चरण में हराया था । अन्य मुकाबलों में स्पेन का सामना चेक गणराज्य से होगा जबकि जर्मनी की टक्कर अर्जेंटीना से होगी ।

रेयान विलियम्स को मिली फीफा की स्वीकृति

नई दिल्ली : अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने कहा कि रेयान विलियम्स भारतीय टीम में चयन के लिए आधिकारिक रूप से पात्र हैं क्योंकि उन्हें अपनी ऑस्ट्रेलियाई नागरिकता छोड़ने के बाद सदस्य संघ बदलने के लिए खेल की वैश्विक संचालन संस्था फीफा की मंज़ूरी मिल गई है । पर्थ में जन्मे 32 साल के फारवर्ड विलियम्स ने हाल ही में भारतीय नागरिक बनने के लिए अपना ऑस्ट्रेलियाई पासपोर्ट छोड़ दिया था । विलियम्स इंडियन सुपर लीग की टीम बेंगलुरु एफसी के लिए खेलते हैं । एआईएफएफ ने कहा फीफा के प्लेयर्स स्टेटस चैंबर ने 19 नवंबर 2025 को अपना आखिरी फैसला जारी किया जिसमें रेयान विलियम्स के संघ बदलने के अनुरोध को मंज़ूरी दी गई जिससे वह भारतीय राष्ट्रीय टीम का प्रतिनिधित्व करने के लिए आधिकारिक रूप से पात्र हो गए ।

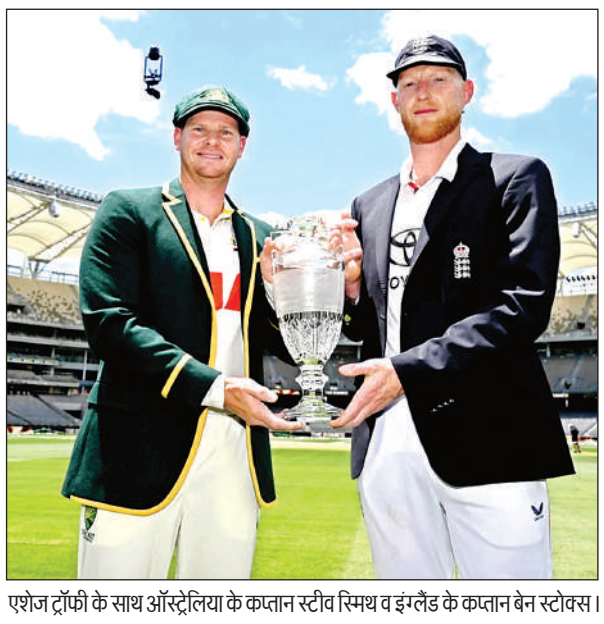

एशेज ट्रॉफी के साथ ऑस्ट्रेलिया के कप्तान स्टीव स्मिथ व इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ।

ऑस्ट्रेलिया में एशेज खिताब का सूखा खत्म करने उतरेगा इंग्लैंड

पर्थ, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच शुक्रवार से शुरू हो रही एशेज शृंखला से पहले यक्षप्रश्न यह है कि क्या इंग्लैंड ऑस्ट्रेलियाई सरजमीं पर खिताब का सूखा खत्म कर सकेगा ।

ऑस्ट्रेलिया में पिछले 15 टेस्ट में से इंग्लैंड ने 13 गंवाये और दो ड्रॉ खेले हैं जबकि एक भी जीत नहीं मिल सकी । आखिरी बार 2010-11 में इंग्लैंड ने आस्ट्रेलिया को 3-1 से हराया था । अगले सात सप्ताह तक पांच शहरों में चलने वाली एशेज शृंखला से पहले कई बड़े सवाल खड़े हैं । क्या उम्मदराज और प्रमुख खिलाड़ियों के बिना खेलने जा रही आस्ट्रेलियाई टीम अपनी सरजमीं पर 2010-11 से चला आ रहा अपराजेय अभियान बरकरार रख सकेगी । क्या बेन स्टोक्स इंग्लैंड को आस्ट्रेलियाई सरजमीं पर लंबे अर्से बाद एशेज दिला सकेंगे ।

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस और तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड चोटों के कारण पहला टेस्ट नहीं खेल सकेंगे । ऐसे में तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क और आफ स्पिनर नाथन लियोन पर जिम्मेदारी बढ जाएगी । ब्रेंडन डोगेट तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड के साथ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण कर सकते हैं जिससे आस्ट्रेलियाई पुरूष टेस्ट एकादश में पहली बार दो देशी खिलाड़ी होंगे । कैमरन ग्रीन हरफनमौला की तरह खेलेंगे ।

मार्नस लाबुशेन व एंड्रू मैकडोनाल्ड ।

ऑस्ट्रेलिया सलामी बल्लेबाज जैक वेदराल्ड को भी 31 साल की उम्र में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने का मौका मिल सकता है । मार्नस लाबुशेन तीसरे और कार्यवाहक कप्तान स्टीव स्मिथ चौथे नंबर पर उतरेंगे । इंग्लैंड के कप्तान स्टोक्स ने कहा मुझे पता है कि यह कितनी बड़ी सीरीज है । मैं जनवरी में यहां से रवाना होते समय उन भाग्यशाली कप्तानों में नाम दर्ज कराना चाहता हूं जिन्होंने आस्ट्रेलिया में एशेज सीरीज जीती है । इतिहास के बारे में काफी बातें होती है लेकिन अब हमारे पास अपना इतिहास रचने का मौका है । इंग्लैंड टीम में जोफ्रा आर्चर तेज गेंदबाजी का दारोमदार संभालेंगे जिनका साथ देने के लिये मार्क वुड हैं । स्टोक्स खुद गेंदबाजी करेंगे और तेज गेंदबाज ब्राइडन कार्स तथा गुस एटकिंसन को भी मौका मिल सकता है ।

टीमें

ऑस्ट्रेलिया : स्टीव स्मिथ (कप्तान), जैक वेदराल्ड, मार्नस लाबुशेन, ट्रेविस हेड, कैमरन ग्रीन, एलेक्स कारी, मिचेल स्टार्क, नाथन लियोन, ब्रेंडन डोगेट, स्कॉट बोलैंड, उस्मान ख्वाजा

इंग्लैंड : बेन स्टोक्स (कप्तान), जाक क्राउली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रूक, जैमी स्मिथ, ब्राइडन कार्स, गुस एटकिंसन, जोफ्रा आर्चर, मार्क वुड, शोएब बशीर ।

गिल नहीं खेल पाएंगे गुवाहाटी टेस्ट, पंत करेंगे कप्तानी

गले में ऐंठन दोबारा न हो, इसलिए कप्तान को दी गई और आराम की सलाह, अब वनडे सीरीज पर भी पड़ेगा असर

गुवाहाटी, एजेंसी

शुभमन गिल पिछले हफ्ते कोलकाता में पहले टेस्ट के दौरान लगी गर्दन की चोट से पूरी तरह ठीक नहीं हो पाने के कारण शनिवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ गुवाहाटी में शुरू होने वाले भारत के दूसरे टेस्ट से बाहर हो जाएंगे । उप कप्तान ऋषभ पंत उनकी जगह कप्तान होंगे । माना जा रहा है कि मेडिकल सलाह के अनुसार, अगर गिल इतनी जल्दी खेलते हैं तो उन्हें गर्दन में ऐंठन दोबारा होने का खतरा है । उन्हें और आराम करने की सलाह दी गई है ।

इस बात का असर 30 नवंबर से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरू होने वाले तीन मैचों के लिए वनडे टीम में उनके सिलेक्शन पर भी पड़ सकता है । उस सीरीज के लिए टीम 23 नवंबर को चुने जाने की उम्मीद है । गिल के बाहर होने की वजह से, भारत को उनकी जगह साई सुदर्शन, देवदत्त पडिक्कल और नीतीश कुमार रेड्डी में से किसी एक को चुनना पड़ सकता है । कोलकाता टेस्ट के दूसरे दिन गिल को हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था, जब उन्होंने भारत की पहली पारी में सिर्फ तीन बॉल खेलने के बाद रिटायर्ड हर्ट होने का फैसला किया था । तीसरे दिन की सुबह, बीसीसीआई ने कहा कि वह टेस्ट में आगे हिस्सा नहीं लेंगे ।

अभ्यास सत्र के दौरान ऋषभ पंत, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव और जसप्रीत बुमराह । एजेंसी

शुभमन का आज होगा फिटनेस टेस्ट

गुवाहाटी : दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट के दौरान गर्दन में ऐंठन के शिकार हुए भारतीय कप्तान शुभमन गिल का फिटनेस टेस्ट शुक्रवार को होगा । भारत के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने अभ्यास सत्र से पहले कहा वह तेजी से फिट हो रहा है क्योंकि मैं उससे कल ही मिला था । उसे एक मैच के लिये और आराम दिया जाएगा । शुभमन जैसा खिलाड़ी और वह कप्तान भी है तो टीम को उसकी कमी खलेगी । हमारे पास कई अच्छे खिलाड़ी हैं । वे पेशेवर हैं और टीम के लिये अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं । हम उम्मीद करते हैं कि शुभमन खेलेगा लेकिन नहीं भी खेलता है तो हमारे पास विकल्प हैं ।

दाएं और बाएं हाथ के बल्लेबाजों का संतुलन बनाने में होगी परेशानी

गुवाहाटी : गिल के रिप्लेसमेंट के बारे में सोचते समय भारत के लिए एक चिंता यह है कि उनकी टीम में बाएं हाथ के बल्लेबाजों की संख्या ज्यादा है । कोलकाता में उनकी ग्यारह में छह खिलाड़ी थे - टॉप आठ में पांच - और साई सुदर्शन और पडिक्कल, जो लाइन-अप में आने की कोशिश कर रहे थे, वे भी बाएं हाथ से बल्लेबाजी करते हैं । भारत की लाइन-अप में बाएं हाथ के बल्लेबाजों की संख्या ज्यादा होने से कोलकाता में प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर को काफी फायदा हुआ । कोटक ने कहा कि ऑफ स्पिनर बनाम बाएं हाथ के बल्लेबाज के मैच पर बहुत ज्यादा ध्यान दिया गया, और बताया कि दक्षिण अफ्रीका ने कोलकाता में बाएं हाथ के स्पिनर केशव महाराज को भी खिलाया, जिससे भारत की लाइन-अप को फायदा होना चाहिए था । आप मुझे एक बात बताइए, उनके पास एक बाएं हाथ का स्पिनर भी था । अगर हमारे पास सात दाएं हाथ के बैट्समैन होते, तो ? उनके पास एक बाएं हाथ का स्पिनर भी था, और एक ऑफ स्पिनर भी । मेरा मानना है कि आपको अच्छा खेलना होगा । ऑफ स्पिनर का बाएं हाथ के बल्लेबाज को बॉलिंग करने का मतलब यह नहीं है कि बाएं हाथ का बल्लेबाज आउट हो जाए । हमारे पास (कोलकाता में) दो बाएं हाथ के स्पिनर थे, उनके पास नौ दाएं हाथ के बल्लेबाज थे; क्या वे आउट हुए ? तो शायद वह बात थोड़ी ओवररेटेड है । ओवररेटेड हो या न हो, इंडिया शायद मैच-अप पर सोचेगा, भले ही वे गुवाहाटी के ट्रैक के लिए तैयारी कर रहे हों, जो कोलकाता के मुकाबले बैटर्स के लिए ज्यादा आसान होने वाला है । मैच से दो दिन पहले इंडिया के ज़रूरी प्रैक्टिस सेशन से कुछ इशारा मिला कि गिल की जगह कौन आ सकता है । नेट्स में बैटिंग करने आए पहले चार बैटर यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, वाशिंगटन सुंदर और ध्रुव जुरेल थे ।

भारत के लिए हर प्रारूप खेल पाना आसान नहीं: कुलदीप

गुवाहाटी : भारत के बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव ने स्वीकार किया कि भारत में हर प्रारूप में खेलने का मौका मिलना आसान नहीं है लेकिन कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच आक्रामक मानसिकता से वह अपनी जगह बनाये हुए हैं । कुलदीप आस्ट्रेलिया में पांच मैचों की टी-20 शृंखला के बीच से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू टेस्ट शृंखला खेलने स्वदेश लौट आए थे । उन्होंने पहले टेस्ट में चार विकेट लिए हालांकि भारत 30 रन से हार गया था ।

सभी प्रारूप मिलाकर 342 विकेट ले चुके कुलदीप ने जियो स्टार के ' फॉलो द ब्लूज' कार्यक्रम में कहा निश्चित तौर पर आप तीनों प्रारूप खेलना चाहेंगे, लेकिन टेस्ट खेलने में मजा आता है । भारत में सभी प्रारूपों में खेल पाना आसान नहीं है । उन्होंने कहा हर किसी को टेस्ट क्रिकेट पसंद है । सभी को इसमे मजा आता है, लेकिन यह काफी चुनौतीपूर्ण भी है । अगले चार पांच साल टेस्ट क्रिकेट में मेरे लिए काफी अहम हैं तो मैं अपनी फिटनेस बनाए रखने और इसी तरह से खेलने पर फोकस करूंगा । उन्होंने कहा कि अपनी भूमिका को लेकर वह स्पष्ट है और टीम प्रबंधन के सहयोग से वह आक्रामक मानसिकता के साथ खेल पाते हैं । कुलदीप ने कहा एक आक्रामक बल्लेबाज के तौर पर मैं काफी स्पष्ट हूं । मुझे अपनी भूमिका पता है ।

गुवाहाटी के बरसापारा स्टेडियम में पिच का निरीक्षण करते भारतीय खिलाड़ी ।

अगर वे घास काटेंगे तो फर्क पड़ेगा : बोथा

गुवाहाटी, एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजी कोच पीट बोथा को लगता है कि बरसापारा स्टेडियम का विकेट बल्लेबाजी के लिए काफी बेहतर होगा, लेकिन वह यह जानना चाहते हैं कि क्या भारतीय क्यूरेटर लाल मिट्टी वाली पिच से घास हटा देंगे । दूसरा और आखिरी टेस्ट शनिवार से यहां शुरू हो रहा है ।

बोथा ने दूसरे टेस्ट से पूर्व संवाददाताओं से बात करते हुए कहा जहां तक पिच का सवाल है तो मैंने आज सुबह इसे देखा । अभी दो दिन बाकी हैं इसलिए यह अंदाजा लगाना मुश्किल है कि वे असल में और

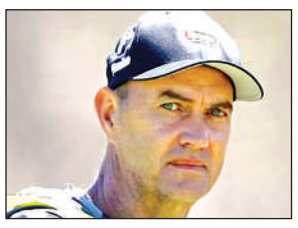

घास काटेंगे या नहीं । इससे जाहिर तौर पर फर्क पड़ेगा ।

प्रथम श्रेणी में 217 विकेट चटकाने वाले बोथा ने कहा लेकिन हमने जो सुना है उसके हिसाब से यह बल्लेबाजी के लिए अच्छा विकेट होगा और स्पिन की भूमिका बाद में बनेगी । लेकिन हमें इंतजार करना होगा और देखना होगा कि शायद स्पिन पहले होने लग जाए जैसे पिछले टेस्ट में हुआ था । बोथा का मानना था कि भारत में सामान्य समय से आधा घंटा पहले सुबह नौ बजे मैच शुरू होने से नमी की वजह से नई गेंद की बड़ी भूमिका होगी । उन्होंने कहा, ''मैच नौ बजे शुरू हो रहा है, ज़ाहिर है यह थोड़ा ठंडा होगा । रात में काफी गर्मी होती है लेकिन जाहिर है थोड़ी अधिक नमी होगी इसलिए मुझे लगता है कि पहले घंटे में नई गेंद की भूमिका होनी चाहिए । बोथा ने कहा अगर विकेट बल्लेबाजी के लिए अच्छा है तो पहले बल्लेबाजी करना एक अच्छा विकल्प है लेकिन अगर विकेट कोलकाता जैसा है तो इससे कोई फर्क नहीं पड़ता ।

घर में खेलने का फायदा नहीं छीना जा सकता : आकाश

बेंगलुरु, एजेंसी

भारत और दक्षिण अफ्रीका दोनों गुवाहाटी की पिच से अनजान हैं लेकिन पूर्व सलामी बल्लेबाज आकाश चोपड़ा का मानना है कि ऐसी पिच पर खेलने के अपने पहले के अनुभव के कारण घरेलू टीम अब भी थोड़े फायदे की स्थिति में है ।

कोलकाता टेस्ट 30 रन से हारने के बाद भारत की नजरें दो मैच की सीरीज को बराबर करने पर टिकी हैं, लेकिन पहली बार टेस्ट की मेजबानी कर रहे एसीए स्टेडियम में खेलना उसके लिए नई चुनौती होगी । चोपड़ा ने कहा किसी को भी नहीं पता कि गुवाहाटी में क्रिकेट कैसे खेला जाएगा क्योंकि यह एक नया टेस्ट स्थल है । उन्होंने कहा अगर आप वहां पहली बार खेल रहे हैं तो पिच शुभमन गिल या साई सुदर्शन या ऋषभ पंत के लिए उतनी ही अच्छी है जितनी तेम्बा बावुमा या रेयान रिकेलटन के लिए है । इसलिए यह दोनों टीम के लिए एक चुनौती है । भारत के पूर्व बल्लेबाज को कोई शक नहीं कि भारत को घरेलू मैदान पर खेलने का फायदा मिलेगा ।

सात्विक-चिराग, लक्ष्य व आयुष क्वार्टर फाइनल में, प्रणय और श्रीकांत बाहर

सिडनी,एजेंसी

भारतीय शटलर आयुष शेट्टी और लक्ष्य ने गुरुवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 बैडमिंटन टूर्नामेंट में एकल वर्ग के मुकाबलों में जीत दर्ज करते हुए क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली । वहीं पुरुष युगल मुकाबले में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी-चिराग शेट्टी ने चीनी ताइपे की जोड़ी सु चिंग-हेंग और वू गुआन-शुन को हराकर टूर्नामेंट के अगले दौर में प्रवेश किया ।

आज यहां पुरुष एकल वर्ग में 32वें नंबर के खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने एक घंटे आठ मिनट तक चले मुकाबले में उलटफेर करते हुए जापान के नाराओका को 21-17, 21-16 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई । आयुष शेट्टी शुक्रवार को क्वार्टर-फाइनल में लक्ष्य सेन से मुकाबला करेंगे । पुरुष युगल बैडमिंटन रैंकिंग में तीसरे नंबर की सात्विक और चिराग की जोड़ी ने 50वीं रैंक वाली चीनी ताइपे की जोड़ी सु चिंग-हेंग और वू गुआन-शुन की जोड़ी को 37 मिनट तक चले मुकाबले में 21-18, 21-11 से हराया ।

ऑस्ट्रेलियन ओपन

सात्विक-चिराग । फाइल फोटो

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों ने सिडनी के ओलंपिक बुलेवार्ड के क्वेसेंटर में धीमी शुरुआत की । वे सु चिंग-हेंग और वू गुआन-शुन के खिलाफ शुरुआती गेम में 15-9 से पीछे चल रहे थे । इसके बाद सात्विक-चिराग ने तेजी दिखाते हुए बढ़त बना ली और पहला गेम 21-18 से अपने नाम कर लिया । दूसरा गेम एकतरफा रहा ।

सात्विक-चिराग की जोड़ी शुक्रवार को शीर्ष आठ में इंडोनेशिया के पांचवें सीड मुहम्मद शोहिबुल फिकरी और फजर अल्फियन से मुकाबला करेंगे । इस बीच, पेरिस 2024 के सेमीफाइनलिस्ट लक्ष्य सेन ने एक घंटे से अधिक देर तक चले मुकाबले संघर्षपूर्ण मुकाबले में चीनी ताइपे के 27वें रैंक वाले ची यू-जेन को 21-17, 13-21, 21-13 से हराया । भारत के दुनिया के 35वें नंबर के एचएस प्रणय इंडोनेशिया के अल्वी फरहान से 21-19, 21-10 से हारकर मुकाबले से बाहर हो गए । पूर्व वर्ल्ड नंबर वन किदांबी श्रीकांत को भी हार का सामना करना पड़ा ।

विश्व मुक्केबाजी सभी 20 वजन वर्ग में मेजबान मुक्केबाजों ने दिखाई धमक, नौ स्वर्ण, छह रजत और पांच कांस्य पदक हासिल किए

भारतीय महिला मुक्केबाजों ने सात स्वर्ण पदक जीते

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी

स्टार मुक्केबाज निकहत जरीन की अगुआई में भारतीय महिला मुक्केबाजों ने बृहस्पतिवार को यहां विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल्स में सात स्वर्ण पदक जीते जबकि पुरुष मुक्केबाजों में हितेश गुलिया और सचिन सिवाच ने भी खिताब जीता । मेजबान देश के मुक्केबाजों ने सभी 20 वजन वर्ग में पदक जीता जिसमें नौ स्वर्ण, छह रजत और पांच कांस्य शामिल रहे ।

बृहस्पतिवार को भारत के 15 मुक्केबाज रिंग में उतरे जिसमें से महिला वर्ग में मौजूदा विश्व चैंपियन जैस्मीन लंबोरिया (57 किग्रा) और मीनाक्षी हुड्डा (48 किग्रा), एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता प्रीति पवार (54 किग्रा), विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता परवीन हुड्डा (60 किग्रा), पूर्व युवा विश्व चैंपियन अरुंधति चौधरी (70 किग्रा) और नुपुर श्योराण (80 किग्रा से अधिक) ने भी स्वर्ण पदक जीते । जादुमणि सिंह (50 किग्रा), अभिनाश जामवाल (65 किग्रा), पवन बर्तवाल (55 किग्रा), अंकुश फंगल (80 किग्रा), नरेंद्र बेरवाल (90 किग्रा) और पूजा रानी (80 किग्रा) ने रजत पदक हासिल किए । इससे पहले नीरज फोगाट (65 किग्रा), स्वीटी (75 किग्रा), सुमित कुंडू (75 किग्रा), जुगनू (85 किग्रा) और नवीन (90 किग्रा) ने कांस्य पदक जीते । टूर्नामेंट से कई शीर्ष मुक्केबाज नदारद थे ।

निकहत जरीन

नूपुर

अरुंधति चौधरी

प्रीति ।

कजाखस्तान और उज्बेकिस्तान जैसे मजबूत देशों ने तीसरे दर्जे की टीम भेजीं लेकिन डब्ल्यूबीसी फाइनल्स परवीन, प्रीति और अरुंधति जैसे वापसी कर रहे भारतीय मुक्केबाजों के लिए बहुमूल्य साबित हुए जिन्होंने लय और आत्मविश्वास हासिल करने के लिए इसका उपयोग किया । जैस्मीन ने प्रतियोगिता में भारत की सबसे बड़ी जीत में से एक हासिल की । उन्होंने पेरिस ओलंपिक्स की पदक विजेता वू शिह यी को रोमांचक फाइनल में 4-1 से हराया । प्रीति ने इटली की विश्व चैंपियनशिप की पदक विजेता सिरीन चर्राबी के खिलाफ एक और शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की ।

निकहत ने शुआन को हराया

दो बार की विश्व चैंपियन निकहत (50 किग्रा) ने चीनी ताइपे की गुओ यी शुआन पर सर्वसम्मति से 5-0 से जीत दर्ज की । परवीन ने जापान की अयाका तागुची पर 3-2 से जीत दर्ज की जबकि अरुंधति ने उज्बेकिस्तान की अजीजा जोकिरोवा को 5-0 से हराया । मीनाक्षी हुड्डा ने मौजूदा एशियाई चैंपियन फरजोना फोजिलोवा पर 5-0 से जीत हासिल की । पुरुषों के वर्ग में सचिन ने किर्गिस्तान के मुनारबेक उलु सेइतबेक को 5-0 से हराया जबकि हितेश ने धीमी शुरुआत के बाद कजाखस्तान के नूरबेक मुर्सल को एक रोमांचक मुकाबले में 3-2 से शिकस्त दी । टूर्नामेंट के दौरान भारतीय मुक्केबाजी महासंघ की आम बैठक के दौरान टकराव के संकेत मिले ।